CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आ: 2/112

ललन पिया की ठुमरियाँ

भाग-1

7·3

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

थालय
वाराणसी-५
/112

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आ: 4112
आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, फरीदी
वाराणसी-5

उ० प्र० संगीत नाटक अकादमी प्रकाशन-२

ललन पिया की ठुमरियाँ

(ठुमरी संकलन—भाग एक)

सकलन कर्त्ता एवं लिपिकार

भारतेन्दु बाजपेयी

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ-१

प्रथमावृत्ति] [सन् १९७७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Lalan Piya Ki Thumriyan

ललन पिया की ठुमरियाँ

(स्वरलिपि युक्त ठुमरियाँ)

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

प्रकाशक
नरेन्द्र मोहन मेहरोत्रा
सचिव
उ० प्र० संगीत नाटक अकादमी
कैसरबाग, लखनऊ—२२६००१

सर्वाधिकार
उ० प्र० संगीत नाटक अकादमी

प्रथमावृत्ति १९७८

मूल्य : रु० २०.००

मुद्रक
सिटीजन प्रेस,
९२, शहीद अशफ़ाक उल्लाह मार्ग,
अमीनाबाद, लखनऊ २२६००१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

आम्नाय-ग्रन्थालय,
भरतनिधि, करौंदी
वाराणसी-5

अकादमी की ओर से

हिन्दुस्तानी अभिजात संगीत के ध्रुवपद और खयाल के तो कुछ अच्छे संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं, परन्तु अभी तक ठुमरियों का संग्रह बहुत कम देखने में आया है।

उत्तर प्रदेश के ललन पिया और सदन पिया नामक दो व्यक्ति बन्दिश की ठुमरियों के बहुत ही प्रसिद्ध रचयिता हुए हैं। ललन पिया, केवल गायक ही नहीं, अच्छे कवि भी थे। उनका, अवधी और ब्रजभाषा, दोनों पर पूर्ण अधिकार था। वह, जिस प्रकार स्वर के अच्छे मर्मज्ञ थे, उसी प्रकार लय और ताल के भी, अपूर्व सिद्ध विद्वान् थे। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध और बीसवीं शती के पूर्वार्द्ध में, बंदिश की ठुमरियों की बहुत सुन्दर रचनाएँ हुईं। बोल और लय की नोक-झोंक की दृष्टि से ललन पिया की रचनाएँ अनुपम हैं। बंदिश की ठुमरियों की रचनाएँ, प्रायः सितार या सरोद की गत के आधार पर हुई हैं। ललन पिया की रचनाओं का एक वृहत् संग्रह 'ललन सागर' के नाम .. नवल किशोर प्रेस लखनऊ से प्रकाशित हुआ था। अब उसकी एक भी प्रति कहीं उपलब्ध नहीं है। लखनऊ में ललन पिया के दो शिष्य श्री सूरजबली और श्री द्वारिका महराज थे। परन्तु इनका निधन हो चुका है। मेरी बड़ी इच्छा थी कि उनकी ठुमरियों का स्वरलिपि सहित, एक संग्रह प्रकाशित किया जाय। सौभाग्यवश उनकी ठुमरियों के एक अच्छे जानकार, श्री भारतेन्दु बाजपेयी अभी विद्यमान हैं। मैंने उनसे निवेदन किया था कि ललन पिया की कुछ चुनी हुई ठुमरियों को स्वर-लिपि में निबद्ध कर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी को प्रकाशनार्थ देने की कृपा करें। उन्होंने मेरे निवेदन को स्वीकर कर लिया और परिणाम-स्वरूप ललन पिया की १२५ ठुमरियों का संकलन स्वर-लिपि सहित अकादमी की ओर से आपके सामने प्रस्तुत है। मैं इसके लिये बाजपेयी जी का बहुत ही आभारी हूँ :

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

जिन्होंने ललन पिया की ठुमरियां सुनी हैं, वे इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि उनकी रचनायें लय की काट-छांट से कितनी परिपूर्ण हैं। इस दृष्टि से उनको स्वरलिपि में निबद्ध करना अत्यन्त कठिन कार्य है। इस कार्य को बाजपेयी जी ने बहुत ही सुचारु रूप से सम्पादित किया है।

मुझे आशा है कि संगीत-प्रेमी ललन पिया की ठुमरियों के संग्रह का हृदय से स्वागत करेंगे।

जयदेव सिंह
अध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी,
कैसरबाग, लखनऊ।

दिनांक ७ अप्रैल १९७७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

प्राक्कथन

'ललन पिया' की सवा सौ ठुमरियाँ, स्वरलिपि सहित संगीत प्रेमियों के लिए प्रस्तुत हैं। लखनऊ की संगीत परम्परा में ये ठुमरियाँ बन्दिश की ठुमरी कहलाती हैं। तीन ताल में निबद्ध, किसी भी राग की मध्यलय और द्रुतलय की बन्दिश को, लखनऊ में बन्दिश की ठुमरी कहा जाता था। इस परिपाटी की गीत रचना में. शब्दों का चयन, इतनी सूझबूझ एवं कुशलता से किया जाता था कि, तेज लय में भी शब्दों के उच्चारण में कठिनता का बोध न हो और, लय का प्रवाह बना रहे। ठुमरी सुनते समय ऐसा प्रवाह बना रहता है जैसे, तंत्र में जोड़-अलाप या गत बज रही हो, या जैसे तराने में शब्दों के बोल रख दिये गये हों। इस प्रकार की श्रेष्ठ रचना का निर्माण, वास्तव में कुशाग्र बुद्धि एवं अनुभवगम्य कुशलता का कार्य है। इस प्रकार का कठिनतम कार्य बड़े उर्वर एवं प्रौढ़ मस्तिष्क वाले संगीतज्ञों द्वारा ही सम्भव है।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

लखनऊ में जानी गुलाम रसूल खाँ एक प्रख्यात एवं अद्वितीय खयाल गायक हो गये हैं। उनकी बनायी हुई, बहार राग की तीन ताल में निबद्ध मध्यलय की एक रचना है, जिसके बोल इस प्रकार है--'कलियन संग करते रंग रेलियाँ, भंवर गुंजार फूली फुलवारी चहुँ ओर, मोर बोले, कोयल को कूक सुनि हूक उठी।'

उपरोक्त रचना को महाराष्ट्र और ग्वालियर में, बहार का छोटा खयाल कह कर गाया जाता है। भातखण्डे जी की क्रमिक पुस्तक मालिका में, और उसी परम्परा की अन्य पुस्तकों में भी, इसे छोटा खयाल लिखा गया है। लखनऊ की परम्परा में इसे बन्दिश की ठुमरी कहते थे। लखनऊ में संगीत की भाषा का यह मुहावरा ही था कि, अमुक गायक बहार राग की ठुमरी गा रहे थे। इसका आशय यही था कि, यह रचना बहार राग में, तीन ताल में निबद्ध मध्य और द्रुतलय की रचना है। यही परम्परा रामपुर में भी है क्योंकि, संगीत के क्षेत्र में श्रेष्ठ गुणीजन लखनऊ से बादशाही समाप्त होने पर, रामपुर दरबार में, तथा अन्य देशी रियासतों में चले गये थे। 'सनद पिया', जो बरेली के निवासी थे, परन्तु रामपुर दरबार के आश्रित भी थे, की परज राग की रचना "मनमोहन बृज को रसिया" प्रसिद्ध ही है। यह भी बन्दिश की ठुमरी ही है। उस्ताद फैयाज खाँ, जिनकी थोड़ी सेवा करने और जिनसे थोड़ी शिक्षा प्राप्त करने का सौभाग्य मुझे भी प्राप्त है, इस रचना को बड़ी उमंग व प्रेम से गाते थे। परन्तु, वे इसे छोटा खयाल न कह कर, पुराने मुहावरे का प्रयोग करते हुए कहते थे कि, परज की ठुमरी गा रहे हैं। उनके कथन का स्पष्ट आशय था कि, वह परज राग में, तीन ताल में निबद्ध मध्यलय की रचना गा रहे हैं।

बन्दिश की ठुमरी की रचना शब्द-प्रधान है। इसमें शब्दों का चयन इस प्रकार किया जाता है कि गाते समय, तेज लय में भी उच्चारण और स्वरों के लगाव में कठिनता न पड़े। इसीलिए इसमें ध्रुवपद गायन की शैली का प्रभाव अधिक हैं। मियाँ तानसेन की परम्परा के ध्रुवपद की गायन शैली में, लय का काम होरी अर्थात धमार, दादरा और शूल ताल के द्रुत लय के ध्रुवपद और तरानों मे दिखाया जाता है। उसमें शब्द प्रधान बोलतानों का व्यवहार है। बन्दिश की ठुमरी गायकी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

में भी यही प्रथा (नियम) है परन्तु, उसमें ख्याल की तरह, अकार की तानें भी सम्मिलित कर ली गयी हैं। मुरकी, खटका और कभी-कभी सट्टे की तान का भी बोल तानों का साथ उसमें समावेश है। इस प्रकार बन्दिश की ठुमरियों की अपनी अलग विशिष्ट गायकी बन गयी है, जिसमें ध्रुवपद शैली और खयाल की तरकीबों का मधुर समिश्रण दृष्टिगोचर होता है। ठुमरी गायकी की अपनी विशेषता मुरकी और बोल बनाव तो मध्यलय में रहता ही है।

ललन पिया, ठुमरी की उपरोक्त शैली के आचार्य थे। यों तो, उन्होंने ध्रुवपद, खयाल, टप्पा, दादरे, सभी में रचना की है परन्तु, बन्दिश की ठुमरियों की रचना में उनकी अपनी एक अलग ही विशेषता है।

ललन पिया फरुखाबाद के निवासी, सारस्वत ब्राह्मण थे। बृजभाषा और अवधी के अच्छे कवि भी थे। इसीलिए बन्दिशों के भाव और लय के प्रवाह के अनुरूप दो-दो, तीन-तीन मात्राओं के शब्दों का चयन वे इतनी कुशलता से कर सके हैं। उनकी द्रुत लय की बन्दिशों में स्वर और लय का इतना सहज प्रवाह दिखाई देता है कि, जैसे मोती पिरोये गये हैं। अति द्रुत लय में गाने पर भी राग का स्वरूप बिगड़ने नहीं पाता है। यह मालूम देता है कि, जैसे तंत्र का जोड़ अलाप या तराने की गायकी में लड़गुथाव हो रहा हैं। यह अवश्य है कि उनकी ठुमरियाँ कठिन हैं और, लय व ताल में जटिल हैं।

ललन पिया अच्छे कवि तो थे ही, उन्हें ध्रुवपद, ख़याल और टप्पा गायन की शैलियों का भी अच्छा ज्ञान था। लखनऊ परम्परा के रागों की उन्हें पूरी जानकारी थी। लय और ताल के वे विशेषज्ञ थे। वे जब महफिल में गाते थे, तब उनकी द्रुत लय की ठुमरियों के साथ कोई भी तबला वादक या पखावजी शुरू नहीं हो पाता था। सम को, वे इतनी कुशलता से छिपा देते थे कि, तबला वादक की यह समझ में ही नहीं आता था कि, कहाँ से शुरू करें और किस ताल में शुरू करें। उनके इस ज्ञान को, उनकी इस विशेषता को, देखने का अवसर मुझे कई बार मिला है। जब वे पूरी बन्दिश गा लेते थे, तब तबला वादक को इशारा करते थे कि यह बन्दिश फलाँ ताल की है तथा इसमें फलाँ स्थान पर सम है। ध्रुवपद अंग

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

की बोल तानें व जटिल तिहाइयाँ, वे अपनी बन्दिशों के गायन में इतनी अच्छी सजाते थे कि, उनकी संगत करना फिर भी कठिन ही रहता था।

ललन पिया के एक शिष्य मास्टर सूरजबली थे। लखनऊ के संगीत शौकीनों में वे भी एक अच्छे गुणी थे। उन्हें ठुमरियों का अलावा ३०० टप्पे याद थे। एक और शिष्य द्वारका महाराज थे। द्वारका का मेरा बहुत साथ था। १९५० के आस-पास द्वारका की मृत्यु हुई। कई वर्षों तक इन लोगों का सानिध्य मुझे प्राप्त रहा, फलस्वरूप मुझे सैकड़ों बन्दिशें स्वतः याद हो गयी थीं। चूंकि मैं, ललन पिया की गायकी और तरकीबों से अधिक प्रभावित था, अतः उनकी शैली का विशेष रूप से अध्ययन एवं मनन किया। इसीलिए, ललन पिया की सैकड़ों बन्दिशें अपने वास्तविक रूप में मेरे पास सुरक्षित रहीं।

संगीत के क्षेत्र में अच्छी रचनाओं को छिपाने की प्रवृति, प्रत्येक अच्छे कलाकार में स्वाभाविक है, चाहे वह रागों की बन्दिश हो, तबला-पखावज के बोल हों या तन्त्रकारी हो, मुझमें भी यह प्रवृति है। परन्तु, कई संगीत के विद्वानों और मित्रों के विशेष आग्रह पर, उ० प्र० संगीत नाटक अकादमी के ठुमरी-संकलन के सराहनीय कार्य में, मुझे भी थोड़ा सहयोग करना ही पड़ा। मुझे विश्वास है कि, इससे स्वर्गीय ललन पिया की बन्दिशों को उचित आदर मिलेगा और, शास्त्रीय संगीत के उच्चस्तर के विद्यार्थियों का भी ज्ञानवर्धन होगा।

भारतेन्दु वाजपेयी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अनुक्रमणिका

अकादमी की ओर से		ग
प्राक्कथन		थ
१. एरी डरत मोरा जिया	...	२
स्वरलिपि–भूपाली	...	३
२. आज मिलबे को जियरा मोरा	...	४
स्वरलिपि–भूपाली	...	५
३. चलत चाल अलबेली	...	६
स्वरलिपि–हमीर	...	७
४. धूम धूम मचाई	...	८
स्वरलिपि–हमीर	...	९
५. वाहि नगरिया में जाय रैहों	...	१०
स्वरलिपि–केदार	...	११
६. बैरन बन में बाजी कहूँ मुरलिया	...	१२
स्वरलिपि–केदार	...	१३
७. अपने जिया की बिथा	...	१४
स्वरलिपि–गौड़ सारंग	...	१५
८. छाँड़ो जी डगर मोरी ढीठ लंगरवा	...	१६
स्वरलिपि–गौड़ सारंग	...	१७
९. कैसे के जाऊँ नीर भरन पनघटवा	...	१८
स्वरलिपि–गौड़ सारंग	...	१९
१०. तोरी बिनती कर कर शिर धर धर	...	२०
स्वरलिपि–सरपदा	...	२१

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११.	जावो जी तुम सौतन के मीत हो कान्ह	...	२२
	स्वरलिपि--सरपदा		२३
१२.	बाट चलत गारी दै गयो मोहिं	...	२४
	स्वरलिपि–सरपदा		२५
१३.	सखी री देखो नाहीं माने	...	२६
	स्वरलिपि–सरपदा		२७
१४.	अपडर कुलडर परडर	...	२८
	स्वरलिपि–बिहाग		२९
१५.	थिर करु थिर करु मन	...	३०
	स्वरलिपि–बिहाग		३१
१६.	आजारे राजा मोरे	...	३२
	स्वरलिपि–नटबिहाग		३३
१७.	जिया का अँदेशा मोरा कैसे जाय	...	३४
	स्वरलिपि–नटबिहाग		३५
१८.	नैन बान मारत सजनी	...	३६
	स्वरलिपि–खमाज		३७
१९.	नंद नटवारे छैल मोरी मान	...	३९
	स्वरलिपि–खमाज		४०
२०.	नैन नीर लागी राहत	...	४२
	स्वरलिपि–खमाज		४३
२१.	आओजी आओजी मोरे आज मोहन	...	४४
	स्वरलिपि–खमाज		४५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२२.	सखि सैयाँ की सुरतिया	...	४६
	स्वरलिपि–खमाज		४७
२३.	बरजोरी करत निडर मग में रार	...	४८
	स्वरलिपि–खमाज		४९
२४.	सोहनी सोहनी मोहिनी मोहिनी	...	५०
	स्वरलिपि–खमाज		५१
२५.	ललन लई दधि चोर तोर	...	५२
	स्वरलिपि–खमाज		५३
२६.	प्रीत करी रे पछतायी	...	५५
	स्वरलिपि–खमाज		५६
२७.	वो तो लचक चलत आवत	...	५८
	स्वरलिपि–खमाज		५९
२८.	तोरी सूरत मन बस गयी रे	...	६१
	स्वरलिपि–खमाज़		६२
२९.	नैन बान बाँके नैनवाँ निकाई	...	६४
	स्वरलिपि–खमाज		६५
३०.	कंगना मोरा करक सो करक गयो रे	...	६६
	स्वरलिपि–खमाज		६७
३१.	चलत चित चोरत चाल मद भरी	...	६९
	स्वरलिपि–खमाज		७०
३२.	मैं आज पनघट गयी री सखी री	...	७२
	स्वरलिपि–खमाज		३७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३३. ना जैहों ना जैहों आली	...	७४
स्वरलिपि--खमाज	...	७५
३४. पनियाँ ना जाऊँ आली री	...	७६
स्वरलिपि--खमाज	...	७७
३५. भ्रमत-भ्रमत आज बावरी भयी	...	७८
स्वरलिपि--खमाज	...	७९
३६. बना बना जीवना	...	८०
स्वरलिपि--खम्बावती	...	८१
३७. भरन गयी पनियाँ पनघटवा के घाट	...	८२
स्वरलिपि--खम्बावती	...	८३
३८. परसन लागो अँखियन नेह री	...	८४
स्वरलिपि--बहार	...	८५
३९. बरसन लागी अँखियाँ ये बारि री	...	८६
स्वरलिपि--बहार	...	८७
४०. बोलन लागे पपीहा पिया पिया	...	८८
स्वरलिपि--गौड़ मलार	...	८९
४१. कौन बार मिघवा बरसन की	...	९१
स्वरलिपि--गौड़ मलार	...	९२
४२. वृन्द वारि बरषें बादरिया	...	९४
स्वरलिपि--गौड़ मलार	...	९५
४३. घन गगन गन अगम अब कीन्हों	...	९६
स्वरलिपि--दे मलार	...	९७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४४. माई लरजत री म्हारा हियरा ... ९९

स्वरलिपि--देश मलार ... १००

४५. कूकें कोयलिया कारो ... १०२

स्वरलिपि--देश मलार ... १०३

४६. बरष गयीं घन गगन आली ... १०४

स्वरलिपि--मलार ... १०५

४७. दइमारे बदरवा करत शोर ... १०६

स्वरलिपि--नट मलार ... १०७

४८. घिर आये बारि वारे दुरन लागे ... १०८

स्वरलिपि--हमीर ... १०९

४९. पिय-पिय पपीहा मनता ... १११

स्वरलिपि--मियाँ की मलार ... ११२

५०. तनिक थम जा थम जा थम जा रे ... ११४

स्वरलिपि--दरबारी कान्हरा ... ११५

५१. मैया, मोहिं मुरलिया लै दे ... ११७

स्वरलिपि--दरवारी कान्हरा ... ११८

५२. मोहिं माई मुरली मोल मँगा दे ... १२०

स्वरलिपि--दरबारी कान्हरा ... १२१

५३. चलु सखि आज सैयाँ मिलन ... १२२

स्वरलिपि--दरबारी कान्हरा ... १२३

५४. दीरघ उठान सी अटपटी सी ... १२४

स्वरलिपि--नायकी कान्हरा ... १२५

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५५.	भाई लकुटि कमरिया बाँधे	...	१२६
	स्वरलिपि–नायकी कान्हरा		१२७
५६.	श्याम सुघर छवि पर बलि जैयाँ	...	१२८
	स्वरलिपि–शहाना		१२९
५७.	ललित मनोहर गात	...	१३०
	स्वरलिपि–शहाना		१३१
५८.	हरि अनरीति करी सखि सों री	...	१३२
	स्वरलिपि–शहाना		१३३
५९.	राजत छवि शशि मुख सुन्दर सी	...	१३४
	स्वरलिपि–शहाना		१३५
६०.	मोहन मन मृदल बानी	...	१३६
	स्वरलिपि–सोहनी कन्हरा		१३७
६१.	मौया री मैया मोरी ना माने	...	१३८
	स्वरलिपि–अड़ाना		१३९
६२.	पिया की नगरिया में जाय	...	१४०
	स्वरलिपि--मालकोष		१४१
६३.	लै दे कमरिया कारी कारी	...	१४२
	स्वरलिपि--मालाकोष		१४३
६४.	कवन रंग रस पागी अलबेली	...	१४४
	स्वरलिपि--मालकोष		१४५
६५.	कमरिया काँधे रही न गोरी मैया	...	१४६
	स्वरलिपि--मालकोष		१४७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६६.	जी मिलन को तरसन लागो	...	१४८
	स्वरलिपि--मालकोष		१४९
६७.	बिन मोहन यार कैसे कटेंगे दिन	...	१५१
	स्वरलिपि--चन्द्रकौंस		१५२
६८.	कोयलिया मारे डारे	...	१५४
	स्वरलिपि--सुहासुघराई		१५५
६९.	सब रंगन रंग लायी सब रंग सों	...	१५७
	स्वरलिपि--भैरवी		१५८
७०.	डगर मोरी छाड़ो छाँड़ो छैलवारे	...	१६०
	स्वरलिपि--भैरवी		१६१
७१.	ललित छवि बाँकी बाँकी	...	१६१
	स्वरलिपि--भैरवी		१६३
७२.	छाँड़ कचरा मोरा	...	१६४
	स्वरलिपि--भैरवी		१६५
७३.	निडर ऐसो का करुँ कान्हा	...	१६६
	स्वरलिपि भैरवी		१६७
७४.	अब मोसे बार-बार ऐसो गँवार	...	१६८
	स्वरलिपि--भैरवी		१६९
७५.	अब तोरी मोहनी मोहनी मूरत	...	१७०
	स्वरलिपि--भैरवी		१७१
७६.	जारे सैयाँ गहु ना मोरी बैयाँ	...	१७२
	स्वरलिपि--भैरवी		१७३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७७. लगायी मोसे बाँकुरी प्रीति ... १७४
स्वरलिपि–भैरवी ... १७५
७८. एजी एजी छैला रे छाँड़ दे लरकैयाँ ... १७६
स्वरलिपि–भैरवी ... १७७
७९. कवन विधि जाउँ डगर विच ठाड़ो ... १७८
स्वरलिपि–भैरवी ... १७९
८०. अजब दृग आँजो अँजनवा निरखि ... १८०
स्वरलिपि–भैरवी ... १८१
८१. वारी मैं मोरीं नंनदिया ... १८२
स्वरलिपि–भैरवी ... १८३
८२. देखी बतियाँ घतियाँ नटखट की ... १८५
स्वरलिपि–परज ... १८६
८३. ये सखि मद पिला दे पिया को आज ... १८८
स्वरलिपि–परज ... १८९
८४. मोसे बतियाँ करत छलबल की ... १९०
स्वरलिपि–परज ... १९१
८५. देखो सखि नंद नंदन को ... १९२
स्वरलिपि–परज ... १९३
८६. मोरा पलक मार मन लीन्हा ... १९५
स्वरलिपि–परज ... १९६
८७. देखी ढिठाई ढीठ नटवर की ... १९८
स्वरलिपि–परज ... १९९

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८८. जाने दे न जाने दे न पनघट री ... २००
स्वरलिपि-परज २०१
८९. तेरी मोरी बात सो मोरी तोरी ... २०२
स्वरलिपि-सोहनी २०३
९०. एरी यशोदा तेरो कुवँर कन्हाई ... २०४
स्वरलिपि-सोहनी २०५
९१. जिया को तरसे पिया को तरस ... २०६
स्वरलिपि-सोहनी २०७
९२. विपिन बिहारी ठाड़ो यमुना तीर ... २०८
स्वरलिपि-गौरी २०९
९३. ऐसो री अनारी निरदैया ... २१०
स्वरलिपि-गौरी २११
९४. मोहिंका नाहीं भावे मोहन तोरी बात ... २१२
स्वरलिपि-गौरी २१४
९५. ये द्रुम द्रुम लता लता पता पता ... २१३
स्वरलिपि-बसंत २१५
९६. जात रही पनियाँ को मैं माई ... २१७
स्वरलिपि-काफी २१८
९७. तोरी नज़रियाँ सैयाँ मारे डारे ... २२०
स्वरलिपि-काफी २२१
९८. जाने दे जाने दे मुहिं मंदिर छैल ... २२२
स्वरलिपि-काफी २२३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९९. देखो देखो आली यमुना तीर ... २२४
स्वरलिपि-काफी २२५
१००. छाँड़ो छाँड़ो कोमल कलाई सैंया ... २२६
स्वरलिपि-काफी २२७
१०१. देखो देखो सखी राम जात ... २२८
स्वरलिपि-काफी २२९
१०२. मानैना मानैना मानैना करत बरजोरी ... २३०
स्वरलिपि-काफी २३१
१०३. तिहारी-प्यारी दृग चितवन ... २३३
स्वरलिपि-काफी २३४
१०४. रंगीले रस माते सलोने नैन ... २३६
स्वरलिपि-काफी २३७
१०५. लागो लागो सखी रितु बसन्त ... २३८
स्वरलिपि-काफी २३९
१०६. सजो सजो समूह बृजराज ... २४०
स्वरलिपि-काफी २४१
१०७. बिन लाग सजन गये नैना फेर ... २४२
स्वरलिपि-काफी २४३
१०८. हटो हटो छाँड़ो डगर कान्ह ... २४४
स्वरलिपि-काफी २४५
१०९. छाँड़ो छाँड़ो मोरी बइयाँ श्याम ... २४६
स्वरलिपि-काफी २४७

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११०. बतियाँ न बनाओ मोसे फेर फेर ... २४८
स्वरलिपि-काफी २४९
१११. गूंजे गूंजे सखि भाँवरा भौंरी ... २५०
स्वरलिपि-काफी २५१
११२. कैसे कैसे सखि चंचल नैन ... २५२
स्वरलिपि-काफी २५३
११३. कैसी कैसी करूं आयो बससंत ... २५४
स्वरलिपि-काफी २५५
११४. आयी आयी सखि बरखा बैरी ... २५६
स्वरलिपि-काफी २५७
११५. घिरे घिरे घन गगन सारे ... २५८
स्वरलिपि-काफी २५९
११६. छाड़ों जी मोरा छाड़ों जी आँचरा ... २६०
स्वरलिपि-माँझ काफी २६१
११७. चलो हटो जाओ काहे करत ... २६२
स्वरलिपि-माँझ काफी २६३
११८. अदा अलबेली बाँकी चाल ... २६४
स्वरलिपि-माँझ काफी २६५
११९. तिहारी चितवन चित चोरन लाल ... २६६
स्वरलिपि-माँझ काफी २६७
१२०. कैसा मुरारि कैसा मुरारि ... २६९
स्वरलिपि-गारा २८०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२१. नैनों दी मार नैनों दी मार	...	२७२
स्वरलिपि-गारा		२७३
१२२. काहे डगरिया माँ मोहिका घेरे	...	२७४
स्वरलिपि-गारा		२७५
१२३. आज संवरिया ने लाज लीन्हीं	...	२७७
स्वरलिपि-गारा खंबावती		२७८
१२४. मन मनसा मानी जौन मोरी रे	...	२८०
स्वरलिपि-हिण्डोल		२८१
१२५. सुधर सुघर रंग रस भरी रे	...	२८२
स्वरलिपि-हिण्डोल		२८३

-:o—:o-

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ललन पिया की ठुमरियाँ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१

एरी डरत मोरा जिया—
पिया की लंगरैयाँ बाट
बरजोरी करत मोसे,
डरत मोरा जिया

या दुखवा से तो पग न धरत सेजिया पै आली
ललन पिया की बात नीकी न लागै मोहिं—
निठुर नटवा, नन्द प्रिया डरत मोरा जिया

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–भूपाली : ताल–त्रिताल

स्थाई

								प							
–	सां	सां	ध	प	ग	रे	सा	ग	ग	–	प	ध	प	ग	रे
ऽ	ए	री	ड	र	त	मो	रा	जि	या	ऽ	पि	या	की	लं	ग
०				३				×				२			
ग	–	ग	रे	–	सा	ध़	ध़	सा	–	सा	रे	ग	प	ध	–
रैं	ऽ	यां	वा	ऽ	ट	व	र	जो	ऽ	री	क	र	त	मो	ऽ
०				३				×				२			
सां	–	–	ध	प	ग	रे	सा								
से	ऽ	ऽ	ड	र	त	मो	रा								
०				३											

अन्तरा

–	प	ग	ग	प	प	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां	ध	ध
ऽ	या	दु	ख	बा	ऽ	से	तो	प	ग	न	ध	र	त	से	जि
०				३				×				२			
सां	–	रें	गं	गं	ग	रें	रें	सां	सां	ध	सां	–	सां,	सां	सां
या	ऽ	पे	आ	ली	ल	ल	न	पि	या	की	वा	ऽ	न,	नी	की
०				३				×				२			
ध	प	ग	प	प	ग	रे	सा	सा	रे	ग	प	–	ध	प	ध
न	ला	गे	मो	हिं	नि	ठु	र	न	ट	वा	ऽ	ऽ	नं	ऽ	द
०				३				×				२			
सा	सां	–,	ध	प	ग	रे	सा								
प्रि	या	ऽ,	ड	र	त	मो	रा								
०				३											

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२

आज मिलबे को जियरा मोरा—
चाहत पिया प्यारे के काज

तरपि तरपि बिकल हीन तन मन गति भई री आलि
बिरहु धीर देत ना मनोज मोहिं
ललन प्रियहु देहु दरश श्रीपति श्री बृजराज महराज

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भूपाली : ताल–त्रिताल

स्थाई

											ध़	ध़	ध़	सा	रे
											आ	ऽ	ज	मि	ल
												३			
प	–	म	–	–	प	ध	प	ग	रे	सा,	–	–,	रे	ग	ग
ते	ऽ	को	–	ऽ	जि	य	रा	मो	ऽ	रा	ऽ	ऽ,	चा	ह	त
×				२				०				३			
प	ध	–	सां	–	सां	ध	प	ग	रे	सा.	ध़	–	ध़	सा	रे
पि	या	ऽ	प्या	ऽ	रे	के	ऽ	का	ऽ	ज,	आ	ऽ	ज	मि	ल
×				२				०				३			

अन्तरा

								ग	ग	ग	प	प	प	ध	ध
								त	र	पि	त	र	पि	ब्रि	क
								०				३			
ध	सां	–	सां	सां	मां	ध	ध	सां	मां	रें	–	रें	गं	–	गं
ल	ही	ऽ	न	त	न	म	न	ग	ति	भ	ई	री	आ	ऽ	लि
×				२				०				३			
गं	रें	रें	सां	सां	सां	सां	–	ध	प	ग	ग	–	रे	सा	सा
बि	र	ह	धी	ऽ	र	दे	ऽ	त	ना	म	नो	ऽ	ज	मो	हिं
×				२				०				३			
रे	ग	ग	प	प	प	ध	–	ध	सां	सां	सां	सां	–	ध	प
ल	ल	न	प्रि	य	हु	दे	ऽ	हु	द	र	श	श्री	ऽ	प	ति
×				२				०				३			
प	ध	प	प	–	ग	ग	रे	सा	–	सा;	ध़	–	ध,	सा	रे
श्री	बृ	ज	रा	ऽ	ज	म	ह	रा	ऽ	ज,	आ	ऽ	ज	मि	ल
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३

चलत चाल अलबेली अलबेली–
कह कहूँ सखि वाकी
जोबनवाँ की छवि फब–
नव निरख मन बस गयी ।

चंद्रमुखी अति सुखी नारि–
नवल गात मैन मद चुआत
दरशत रस, बरसत रंग सरबस ढंग
ललन पिया प्यारी शोभा कहि न जात
शीश सारी सुघर सर दई

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–हमीर : ताल–त्रिताल

स्थाई

		नि	
म प ध प	– म ग म	ध – नि सां	नि ध – प
च ल त चा	ऽ ल अ ल	वे ऽ ली अ	ल वे ऽ ली
०	३	×	२
प म ध ध	प प ग –	ग म ग म	रे रे सा सा
क ह क हुँ	स खिं वा ऽ	की जो ब न	वाँ ऽ की ऽ
०	३	×	२
रे ग म ध	प – ध नि	ध नि सां नि	ध नि ध प
छ वि फ व	न व नि र	ख म न ब	स ग यी ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

	प – प सां	सां सां सां सां	सां सां – सां
	चं ऽ द्र मु	खी ऽ अ ति	सु खी ऽ ना
	३	×	२
नि रें सां सां	नि – ध सां	- सां सां सां	रें सां – सां
रि न व ल	गा ऽ त मैं	ऽ न म द	चु आ ऽ त
०	३	×	२
मं गं मं मं	रें रें सां नि	रें सां सां सां	सां सां ध ध
द र श	र स ब र	स त रं ग	स र ब स
०	३	×	२
प प ध प	प म ग म	– म रे रे	सा सा रे ग
ढं ग ल ल	न पि या प्या	ऽ री शो ऽ	भा ऽ क हि
०	३	×	२
म ध – प	नि ध नि सां	सां नि ध नि	नि ध प प
न जा ऽ त	शी श सा री	सु घ र स	र द ई ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४

धूम-धूम मचाई, झूम झूम घूम घूम रहे—
मन सों छवि सों, फब सों नैना ॥

श्याम गात, कमल दृग, मृग मीन खंजन सों—
अरुणारे, कजरारे प्यारे प्यारे—
ललन पिया शोभा अलबेली अजब गजब सों ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–हमीर : ताल–त्रिताल

स्थाई

नि प -- ध नि	-- सां नि ध	प मं प प	प म ग म
धू ऽ म धू	म म चा ई	झू म झू म	घू म घू म
×	२	०	३
ध ध नि सां	सां नि ध प	प मं प प	प म ग म
धू म धू म	म चा ऽ ई	झू म झू ऽ	म धू ऽ म
×	२	०	३
प प म ग	म रे रे सां	म ग ग म नि	ध नि सां मां
र हे म द	सों छ वि सों	फ ब सों न	ब सों नै ना
×	२	०	३

अन्तरा

		प --	प सां -- सां
		श्या ऽ	म गा ऽ त
			३
सां सां सां सां	सां रें रें सां	-- सां ग --	गं गं म म
क म ल दृ	ग मृ ग मी	ऽ न खं ऽ	ज न सों ऽ
×	२	०	३
म रे र रें	सां सां सां सां	सां सां ध ध	प प प मं
अ रु णा रे	क ज रा रे	प्या रे प्या रे	ल ल न पि
×	२	०	३
प ग -- म	रे रे ग म	ध ध प नि	नि ध सां --
या शो ऽ भा	अ ल बे ली	अ ज ब ग	ज ब सों ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५

बाहि नगरिया में जाय रैहों,
जहा छैल कन्हैया बसे,
बाही सों नेहा लगैहों ।

देखूँगी कैसो नटखट चलाँक तुहि,
सच हौ सबही कहत नंद ललनवा निठुर सों
मैं, सुख सृजैहों ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-केदार : ताल-त्रिताल

स्थायी

, ध -- प

, वा ऽ हि

											ग				
म	म	ग	म	रे	सा	--	सा	म	--	--	प	--,	ध	--	प
न	ग	रि	या	में	जा	ऽ	य	रैं	ऽ	ऽ	हों	ऽ,	वा	ऽ	हि
०				३				×				२			
												ग			
म	म	ग	म	रे	सा	--	सा	म	--	--	—	प,	ध	नि	रें
न	ग	रि	या	में	जा	ऽ	य	रैं	ऽ	ऽ	ऽ	हों,	ज	हाँ	ऽ
०				३				×				२			
सां	नि	सां	ध	--	ध	प	प	म	म	ग	प	म॑	प	ध	प
छं	ल	क	न्है	ऽ	या	ब	से	वा	ही	सों	ने	हा	जा	गे	हों
०				३				×				२			

अन्तरा

--	प	प	प	नि	नि	ध	ध	सां	सां	सां	सां	--	सां	सां	सां
ऽ	दे	खूं	गी	कै	सो	न	ट	ख	ट	च	लाँ	ऽ	क	तु	हि
०				३				×				२			
सां	मं	मं	मं	रें	रें	सां	--	सां	रें	रें	सां	--	सां	नि	ध
स	च	ऽ	हों	स	ब	ही	ऽ	क	ह	त	नं	ऽ	द	ल	ल
०				३				×				२			
ध	नि̲	--	प	प	म॑	ध	प	म	--	म	ग	प	प	--	प
न	वा	ऽ	नि	ठु	र	सों	ऽ	मै	ऽ	सु	ख	सृ	जै	ऽ	हों
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६

बैरन बन में बाजी कहूँ मुरलिया,
सुनत मधुर धुनि व्याकुल भयो री जिया।
कल न पड़त दहे मदन बिनु पिया।

सोवत ही सुख भरी निंदिया ननदिया,
श्रवन भनक परि खुल गई अंखियाँ,
ललन पियारे अब सांवरे दरश बिन—
तनक चैन नहि धरत धीर हिया।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गौड़ सारंग : ताल–त्रिताल

स्थाई

ग म रे सा	सा रे सा –	ग रे म ग	पम̍ प म ग
बँ र न ब	न में वा ऽ	जी ऽ क हूँ	मुऽ र लि या
०	३	×	२
ग रे म ग	प प म̍ प	ध नि सां नि	ध नि प प
सु न त म	धु र धु नि	व्या कु ल भ	यो री जि या
०	३	×	२
प प प रे	रे रे सा सा	ग ग रे म	ग प म ग
क ल न प	ड़ त द हे	म द न बि	नु पि या ऽ
०	३	×	२

अंतरा

प प प प	नि ध नि नि	सां सां सां सां	नि रें सां सां
सो व त ही	सु ख भ री	निं दि या न	न दि या ऽ
०	३	×	२
नि नि ध सां	सां सां सां सां	गं रें मं गं	गं रें सां सां
श्र व न भ	न क प रि	खु ल म यी	आँ खि याँ ऽ
०	३	×	२
सा नि ध नि	प प म̍ ध	प म ग रे	म ग प प
ल ल न पि	या रे अ व	सां व रे द	र श बि न
०	३	×	२
रे रे रे सा	– सा ग रे	म ग ग म	– ग प प
त न क चै	ऽ म न हि	ध र त धी	ऽ र हि या
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७

अपने जिया की बिथा—
सगरी कहूँ मैं कासों सजनी,
उन बिन न चैन घरि पल छिन—
दिवस निशि भयो कठिन ।

बीर तू अपने बीर सों एरी पतियाँ लिखा दे,
मंगवा दे पिया को संदेश—
ललन श्याम सों एती बिनती मोरि,
कहियो बेग मिलो री नाहिं तो—
जावत प्रान तुन बिन रे प्रानपती री ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गौड़ सारंग : ताल–त्रिताल

स्थाई

ग	म	रे	सा	सा	रे	नि़	सा	ग	रे	म	ग	–	प	म॑	प
अ	प	ने	जि	या	की	बि	था	म	ग	री	ऽ	ऽ	क	हूँ	ऽ
०				३				×				२			
म	ग	ग	म	रे	ग	रे	सा	नि़	सा	ग	रे	म	ग	–	ग
मैं	ऽ	का	ऽ	सों	स	ज	नि	उ	न	बि	न	न	चै	ऽ	न
०				३				×				२			
म	ग	प	प	ध	नि	सां	नि	ध	प	म	ग	रे	म	ग	ग
घ	रि	प	ल	छि	न	दि	व	स	नि	शि	भ	यो	क	ठि	न
०				३				×				२			

अन्तरा

												–	म	म	ग
												ऽ	बी	र	तू
												२			
प	प	प	ध	नि	ध	सां	–	सां	सां	सां	सां	रें	सां	–	सां
अ	प	ने	बी	र	सों	ए	ऽ	री	प	ति	याँ	लि	खा	ऽ	दे
०				३				×				२			
सां	नि	ध	–	सां	–	–	ग	गं	रें	मं	गं	–	गं	गं	मं
मं	ग	वा	ऽ	दे	ऽ	ऽ	पि	या	को	सं	दे	ऽ	श	ल	ल
०				३				×				२			
रें	सां	–	सां	सां	नि	ध	प	प	म॑	ध	प	ग	रे	म	ग
न	श्या	ऽ	म	सों	ऽ	ए	ती	बि	न	ती	ऽ	मो	ऽ	रि	क
०				३				×				२			
म	ग	प	–	प	रे	सा	सा	ग	–	रे	म	–	म	ग	ग
हि	यो	वे	ऽ	ग	मि	लो	री	ना	ऽ	हिं	तो	ऽ	जा	व	त
०				३				×				२			
प	–	प	ध	नि	ध	नि	सां	सां	नि	ध	प	म	प	ग	म
प्रा	ऽ	न	तु	म	बि	न	रे	प्रा	ऽ	न	प	ती	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८

छाँड़ो जी डगर मोरी ढीठ लंगरवा,
नीर भरत पर करत झगरया,
बरजोरी हमरोरी तोर लियो हरवा।

दूर ही से देख मोरे आवत निकटवा,
अँचल गहत न लजत नटखटवा,
ललन पिया सखियन सनमुखवा,
हँसि हँसि मोहिं लगावत गरवा ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गौड़ सारंग : ताल–त्रिताल

स्थाई

ग	म	रे	सा	(नि़)सा	रे	नि़	सा	ग	रे	म	ग	प	म॑प	म	ग
छाँ	ड़ो	जी	ड	ग	र	मो	री	ढी	ऽ	ठ	ल	ग	रऽ	वा	ऽ
०				३				×				२			
ग	रे	म	ग	प	प	म॑	प	ध	नि	सां	नि	ध	नि	प	–
नी	ऽ	र	भ	र	त	प	र	क	र	त	झ	ग	र	वा	ऽ
०				३				×				२			
प	प	रें	रे	सा	रे	नि़	सा	ग	रे	म	ग	प	म॑	ध	प
व	र	जो	री	ह	म	रो	री	तो	र	लि	यो	ह	र	वा	ऽ
०				३				×				२			

अन्तरा

प	प	प	प	ध	नि	नि	ध	सां	सां	सां	सां	नि	रें	सां	सां
दू	र	ही	से	दे	ख	मो	रे	आ	व	त	नि	क	ट	वा	ऽ
०				३				×				२			
नि	नि	ध	सां	सां	सां	सां	सां	गं	रें	मं	गं	गं	रें	सां	सां
अँ	च	ल	ग	ह	त	न	ल	ज	त	न	ट	ख	ट	वा	ऽ
०				३				×				२			
सां	नि	ध	नि	प	–	प	म॑	ध	प	म	ग	ग	रे	म	ग
ल	ल	न	पि	या	ऽ	स	खि	य	न	स	न	मु	ख	वा	ऽ
०				३				×				२			
प	प	रें	रे	सा	–	रे	सा	ग	रे	म	ग	प	म॑प	म	ग
हँ	सि	हँ	मि	मो	ऽ	ड़ि	ल	गा	ऽ	व	त	ग	रऽ	वा	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९

कैसे के जाऊँ नीर भरन पनघटवा,
रोकत डगर मोरी नंद कुँवरवा।
करत कन्हाई लंगराई नागर नटवा ॥

निडर निलज लिये सखन समाज साथ,
करत ठठोली मग चलत लंगरवा।
ललन पिया बरजो नहिं मानत,
ऐसो री चंचल चित चपल मोहनवा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गौड़ सारंग : ताल–त्रिताल

ग	म	रे	सा	सा	रे	नि़	सा	ग	रे	म	ग	प	म॑प	म	ग
कं	से	के	जा	ऊँ	नी	र	भ	र	न	प	न	ध	टऽ	वा	ऽ
०				३				×				२			
ग	रे	म	ग	प	म॑	ध	प	ध	नि	सां	नि	ध	नि	प	प
रो	क	त	ड	ग	र	मो	री	नं	ऽ	द	कुं	व	रं	वा	ऽ
०				३				×				२			
प	म॑	प	रे	रे	सा	नि़	सा	ग	रे	म	म	ग	प	म॑	प
क	र	त	क	न्हा	ई	लं	ग	रा	ई	ना	ग	र	न	ट	वा
०				३				×				२			

अन्तरा

प	प	प	सां	सां	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां	सां	रें	सां	सां
नि	ड	र	नि	ल	ज	लि	ये	स	ख	न	स	मा	ज	सा	थ
०				३				×				२			
नि	नि	ध	सां	सां	सां	सां	सां	गं	रें	मं	गं	गं	रें	सां	सां
क	र	त	ठ	ठो	ली	म	ग	च	ल	त	लं	ग	र	वा	ऽ
०				३				×				२			
सां	नि	ध	नि	प	–	म॑	प	ध	प	म	ग	ग	रे	म	ग
ल	ल	न	पि	या	ऽ	ब	र	जो	ऽ	न	हिं	मा	ऽ	न	त
०				३				×				२			
प	प	प	रे	रे	सा	नि़	सा	ग	रे	म	ग	प	म॑	ध	प
ऐ	सो	री	चं	च	ल	चि	त	च	प	ल	मो	ह	न	वा	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१७

तोरी बिनती कर कर, शिर धर धर
पग पर पर, गयी मैं हार मीत मुरारि

न माने सैयां, देत लरकैयां
अब कौन यतन समझाऊँ
ललन तुहि समझ लियो
अब कुछ तुम कियो
चाहत मोसे बिगार मीत मुरारि ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग-सरपदा : ताल-त्रिताल

स्थाई

										रे	सा	सा	ग	रे	ग
										तो	री	बि	न	ती	क
												३			
म	म	प	ग	रे	ग	ग	म	ग	–,	रे	सा	सा	ग	रे	ग
र	क	र	शि	र	ध	र	ध	र	ऽ,	तो	री	बि	न	ती	क
×				२				०				३			
म	प	प	ग	रे	ग	ग	म	ग,	ग	म	ध	ध	प	प	ध
र	क	र	शि	र	ध	र	ध	र,	प	ग	प	र	प	र	ग
×				२				०				३			
नि	–	नि	ध	प	प	म	प	म	ग,						
यी	ऽ	मैं	हा	र	मी	त	मु	रा	रि,						
×				२				०							

अन्तरा

–	म	ग	म	प	प	नि	ध	नि	सां	सां	सां	–	सां	सां	सां
ऽ	न	मा	ने	सै	यां	दे	ऽ	त	ल	र	कै	ऽ	याँ	अ	ब
×				२								३			
नि	ध	नि	सां	रें	सां	गं	रें	गं	मं	मं	मं	मं	गं	गं	–
कौ	ऽ	न	य	त	न	स	म	झा	ऊँ	ल	ल	न	तु	हि	स
×				२				०				३			
सां	सां	सां	नि	ध	नि	ध	प	म	प	म	ग	म	ध	ध	प
म	झ	लि	यो	अ	ब	कु	छ	तु	म	कि	यो	चा	ह	त	
×				२				०				३			
–	नि	नि	ध	प	प	म	प	म	ग,						
ऽ	से	बि	ग	र	मी	त	मु	रा	रि,						
×				२											

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११

जावो जी तुम सौतन के हो मीत कान्ह,
जावो जी तुम
जान लई रे तोरी छलबतियाँ सारी
सौतन के हो मीत कान्ह
जावो जी तुम

बहुत छिपत ना कपट की प्रीत ललन–
अंत उदित हो ज्यों भोर भान
तुम सौतन के हो मीत कान्ह
जाओ जी तुम

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सरपरदा : ताल–त्रिताल

स्थाई

		म	ग रे सा नि़
		जा	वो जी तु म
			२
सा ग रे ग	म प – म	ग – ग, म	ग म प प
सौ त न के	हो मी ऽ त	का ऽ न्ह, जा	वो जी तु म
०	३	×	२
ध – ध ध	प नि॒ ध प	प ध॒ प म	म ग रे सा
जा ऽ न ल	ई रे तो री	छ ल ब ति	याँ सा ऽ री
०	३	×	२

अन्तरा

– म ग म	प प नि ध	नि सां सां सां	सां सां सां नि
ऽ ब हु त	छि प त ना	क प ट की	प्री ति, ल ल
०	३	×	२
सां ध – नि॒	नि ध प म	म प – म	ग ग, रे सा
न, अं ऽ त	उ दि त हो	ज्यों भो ऽ र	भा न, तु म
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२

बाट चलत गारी दै गयो मोंहि—
नंद को ढीठ नटवा, सजनी कहा करूँ

वारी वारी नंनदि यमुना कैसे जाऊँ
बीच ठाढो निठुर कान्ह,
ललन पिया रंगीलो, रसिया से मैं डरूँ

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सरपरदा : ताल–त्रिताल

स्थाई

प	–	प	प	म	प	म	ग	ग	रे	ग	म	–	ग	रे	ग
बा	ऽ	ट	च	ल	त	गा	री	दे	ऽ	ग	यो	ऽ	मो	ऽ	हिं
×				२				०				३			
प	म	प	प	म	ग	रे	सा	रे	रे	रे	ग	ग	म	ध	प
नं	द	को	ढी	ठ	न	ट	वा	स	ज	नी	क	हा	ऽ	क	रूँ
×				२				०				३			

अंतरा

				प	म	प	प	नि	नि	नि	सां	सां	सां	रें	–
				बा	री	वा	री	नं	न	दि	य	मु	ना	कै	ऽ
				२				०				३			
नि															
सां	सां	–	सां	सां	सां	–	ध	ध॒	नि	ध	प	प	–	म	प
से	जा	ऽ	ऊँ	बी	ऽ	च	ठा	ढो	नि	ठु	र	का	ऽ	न्ह	ल
×				२				०				३			
म	म	ग	ग	रे	सा	–	सा	रे	रे	रे	ग	ग	म	ध	प
ल	न	पि	या	रं	गी	ऽ	लो	र	सि	या	से	मैं	ऽ	ड	रूँ
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१३

सखी री देखो नाहीं माने छैल कान्ह
करत बाराजोरी, मग बिच मुहिं अकेली जान,
मोरी ना माने छैल कान्ह ।

यशुदा ललन बड़ो ढीठ, निडर ऐसो—
माँगत लंगर मोसे जोबन दान,
मोरी नाहीं माने छैल कान्ह ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—सरपरदा : ताल-त्रिताल

स्थाई

		, म	ग रे सा नि़
		, स	खि री दे खो
			२
सा ग रे ग	— म प म	ग — ग , म	ग रे ग म
ना हीं मा ने	ऽ छै ऽ ल	का ऽ न्ह, क	र त वा रा
०	३	×	२
ध — ध —	प, नि॒ ध प	म ध प म	ग ग रे सा
जो ऽ री ऽ	म ग वि च	मुं हि अ के	ली जा ऽ न
०	३	×	२
ग म रे ग	म प ग म	ग — ग	
मो ऽ री न	मा ने छै ल	का ऽ न्ह	
०	३	×	

अंतरा

प म प प	प प नि ध	नि सां सां सां	सां सां सां सां
य शु दा ल	ल न ब ड़ों	ढी ऽ ठ नि	ड र ऐं सो
०	३	×	२
सां नि सां ध	ध नि॒ ध प	म ध प म	ग रे सा नि़
माँ ग त लं	ग र मो से	जो ब न दा	ऽ न, मो री
०	३	×	२
सा ग रे ग	— म प म	ग — ग	
ना ही मा ने	ऽ छै ऽ ल	का ऽ न्ह	
०	३	×	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१४

अपडर, कुलडर, परडर,
निंदरियां हौं किहि ढव पिय पर सब–
कौन यतन नेहा सगाऊँ,
मन मनशा मनाऊँ,
प्रमोद जिय प्रबोध ।

पाक पुंज, अमित मास—
विपुल वर्ष गयीं बिहाय
बीतो जात, बीतो जात जोबनवाँ
कबधौं नंद ललन मीत मुहिं मितैहें कपट शोध ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग—बिहाग : ताल-त्रिताल

स्थाई

सा	नि़	सा	सा	ग	म	ग	ग	म	प	प	प	नि	ध	नि	सां
अ	प	ड	र	कु	ल	ड	र	प	र	ड	र	नीं	ऽ	द	रि
×				२				०				३			
नि	–	–	–	सां	–	सां	सां	नि	नि	नि	ध	प	प	म	प
यां	ऽ	ऽ	ऽ	हीं	ऽ	कि	हि	ढ	व	पि	य	प	र	स	ब
×				२				०				३			
म	–	नि	ध	प	म	ग	म	ग	–	म	म	म	ग	रे	सा
कौ	ऽ	न	य	त	न	ने	ऽ	हा	ऽ	स	गा	ऽ	ऊँ	म	न
×				२				०				३			
सा	नि़	सा	ग	म	ग	प	प	–	म	ग	ग	म	ग	–	ग
म	न	शा	म	ना	ऊँ	प्र	मो	ऽ	द	जि	य	प्र	वो	ऽ	ध
×				२				०				३			

अंतरा

म	ग	म	प	–	प	प	प	प	नि	–	नि	नि	नि	नि	सां
पा	ऽ	क	पुं	ऽ	ज	अ	मि	त	मा	ऽ	स	वि	पु	ल	व
×				२				०				३			
–	सां	सां	सां	रें	सां	–	सां	सां	–	सां	गं	–	गं	मं	मं
ऽ	र्ष	ग	यीं	वि	हा	ऽ	य	बी	ऽ	तो	जा	ऽ	त	बी	तो
×				२				०				३			
गं	–	गं	गं	ग	रें	सां	–	सां	नि	सां	नि	नि	ध	प	प
जा	ऽ	त	जो	व	न	वाँ	ऽ	क	वं	धौं	नं	द	ल	ल	न
×				२				०				३			
प	–	म	प	म	ग	म	–	ग	–	म	ग	रे	सा	–	सा
मी	ऽ	त	मु	हिं	मि	तैं	ऽ	हैं	ऽ	क	प	ट	शो	ऽ	ध
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१५

थिर करु थिर करु पिया मन मोहनियाँ
किहि मिस मन मा—
लाख कोटि यतन तोहिका मिलाऊँ, धरि—
घर पिया लाऊँ, प्रमोद प्रिय प्रमोद

कुल की कानि लाज
ध्यान मन को मान
त्रिविध पूर, नेहा पूर
मोद मुर बलमवा, परसु नंद ललन—
भल से तुहि दृढै हैं वर विनोद ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–बिहाग : ताल–त्रिताल

स्थाई

सा नि़ सा सा	ग म ग ग	म प — नि	ध नि सां सां
थि र क रु	थि र क रु	पि या ऽ म	न मो ह नि
×	२	०	३
नि — — —	सां — सां सां	नि नि नि नि	ध प — प
याँ ऽ ऽ ऽ	तैं ऽ कि हि	मि स म न	मा ला ऽ ख
×	२	०	३
प — प म	प म ग म	ग — म ग	— रे सा सा
को ऽ टि य	त न तो ड़ि	का ऽ मि ला	ऽ ऊँ ध रि
×	२	०	३
सा नि़ सा ग	म ग प प	— म ग ग	म ग — ग
घ र पि या	ला ऊं प्र मो	ऽ द प्रि य	प्र मो ऽ द
×	२	०	३

अन्तरा

म ग म प	— प प —	प नि — नि	नि नि नि सां
कु ल की का	ऽ नि ला ऽ	ज ध्या ऽ न	म न को मा
×	२	०	३
— सां सां नि	रें सां — सां	सां — सां गं	— गं मं मं
ऽ न त्रि वि	ध पू ऽ र	ने ऽ हा पू	ऽ र मो ऽ
×	२	०	३
मं गं गं गं	गं रें सां —	सां नि सां नि	नि ध प प
द मु र बा	ल म वा ऽ	प र सु नं	द ल ल न
×	२	०	३
प प म प	म ग म —	ग — म ग	रें सा — सा
भ ल से तु	हिं दृ ढ़ै ऽ	हैं ऽ व र	वि नो ऽ द
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१६

आजारे राजा मोरे, सवतिया सों नेहा छुड़ाउ,
अरज गरज मोरी यही विनती तोसों,
करम कर बेदरदा।

मान मना हमरा जोबन—
जोहे दरस परस तुम्हरा रे
मोहे प्यारे, नंद के ललन पिया—
जिय न तरसावो ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–नट बिहाग : ताल–त्रिताल

स्थाई

− ग म रे	ग म प −	प ध प ध	प म ग −
ऽ आ जा रे	रा जा मो ऽ	रे स व ति	या ऽ सों ऽ
०	३	×	२
−, ग म रे	ग म नि॒ −	ध प − ध	प म, प प
ऽ, आ जा रे	रा जा मो ऽ	रे स व ति	या सों, ने हा
०	३	×	२
म ग − ग	रे सा सा रे	नि़ सा रे ग	म प − नि
छु ड़ा ऽ उ	अ र ज ग	र ज मो री	य ही ऽ बि
०	३	×	२
ध नि सां −	सां नि ध नि	ध प, नि −	ध प म ग
न ती तो ऽ	सों क र म	क र, बे ऽ	द र दा ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

− म ग म	प नि ध नि	सां सां सां सां	− सां नि रें
ऽ मा न म	ना ह म रा	जो व न जो	ऽ हे ऽ द
०	३	×	२
सां सां रें गं	गं गं मं मं	गं गं मं मं	ग रे − सा
र श प र	स तु म्ह रा	रे ऽ मो −	रे प्या ऽ रे
०	३	×	२
नि ध नि सां	− नि ध नि	ध प नि नि	ध प म ग
नं ऽ द के	ऽ ल ल न	पि य जि य	न त र सा
०	३	×	२
ग,			
वों,			
०			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१७

जिया का आँदेशा मोरा कैसे जाय
बिरहा रे मारे डारे ।

(१) नैन बेधत, कल न परत,
निंदिया न आवे मुहिं सगरी निशा रे,
(२) नंद ललन पिय दरश परंश माती
कबधौं मिलि हौ मुहिं प्यारे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–नट बिहाग : ताल–त्रिताल

स्थाई

म	रे सा – सा	रे ग म प	– ध प म
जि	या का ऽ अँ	दे शा मो रा	ऽ कै ऽ से
	२	०	३
गरे ग –, म	रे सा – सा	रे ग म प	– ध प म
जाऽ ऽ या, जि	या का ऽ अँ	दे शा मो रा	ऽ कै ऽ से
×	२	०	३
ग – – –	ग म नि ध	प – – प	मं प ग म
जा ऽ ऽ य	वि र हा ऽ	रे ऽ ऽ मा	ऽ रे डा रे
×	२	०	३
गरे ग – ,			
रेऽ ऽ ऽ ,			
×			

अन्तरा

			– प प प
			ऽ मैं न बे
			३
नि ध नि नि	नि सां सां सां	नि स नि ध	प प मं प
ध त क ल	न प र त	निं द या न	आ वे मु हिं
×	२	०	३
ग म ग म	रे सा –, सा	रे ग म प	– ध प म
स ग री नि	शा रे ऽ, अँ	दे शा मो रा	ऽ कै ऽ से
×	२	०	३

गरे ग –,

जाऽ ऽ य,

×

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१८

नैन बान मारत सजनी,
कैसी लचक चलत चाल
मद जोबन माती गोरी,
गुमान धारत सजनी कैसी

चंद्रमुखी मृगनैनी मृदुबैनी शोभा दरसत बरसत
छवि रंगीली, रसीली, छबीली आली ललन पिया
प्यारी प्यारी सारी शीश—
साजे, नयी नोखी मुस्कान
मधुर-मधुर सुघर बान—
पै प्रान वारत सजनी कैसी

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

म	ग	म	प	–	प	म	ध	ध	नि	नि	ध	प	म	(म)प	ध
नै	ऽ	न	वा	ऽ	न	मा	ऽ	र	त	स	ज	नी	कै	ऽ	सी
×				२				०				३			
ग	म	म	ग	ग	रे	सा	नि़	सा	ग	ग	म	ध	नि	प	ध
ल	च	क	च	ल	त	चा	ऽ	ल	म	द	जो	व	न	मा	ती
×				२				०				३			
नि	सां	नि	सां	–	सां	ध	सां	नि	नि	नि	ध	प	प	प	ध
गो	री	गु	मा	ऽ	न	धा	ऽ	र	त	स	ज	नी	कै	ऽ	सी
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म -- ग म	नि ध नि नि	सां -- सां --	सां सां सां --
चं ऽ द्र मु	खी ऽ मृ ग	नै ऽ नी ऽ	मृ दु बैं ऽ
×	२	०	३
सां -- नि --	सां -- रें रें	सां सां गं गं	मं मं गं गं
नी ऽ शो ऽ	भा ऽ द र	स त ब र	स त छ वि
×	२	०	३
रें रें, रें सां	सां सां सां रें	सां नि -- ध	म नि ध नि
रं गी ली र	सी ली छ बी	ली आ ऽ ली	ल ल न पि
×	२	०	३
सां सां सां सां	रे सा सा नि	नि -- नि नि	ध प प प
या प्या ऽ री	प्या री सा री	शी ऽ श सा	ऽ जे न यी
×	२	०	३
ध ध म म	ग ग म नि	ध नि प ध	नि सां नि सां
नो खी मु स	क्या न म धु	र म धु र	सु घ र वा
×	२	०	३
-- सां नि सां	-- सां सां ध	सां नि ध नि	नि ध प ध
ऽ न पै प्रा	ऽ न वा ऽ	र त स ज	नी कै ऽ सी
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१६

नंद नटवारे छैल मोरी मान,
पनघटवा की गैल मोरी छाँड़ दे,
दीठ कंधैया बरजोरी मोसे न कर रे

सँग की सहेली पाछे आवत मोरी,
ननदी सुजान अकेली न जान मोको तू कान्ह
ललन पियारे एती बिनती मोरी मान निडर रे ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

		प	− म ग म
		नं	ऽ द न ट
			३
प सां नि सां	− सां ध नि̱	नि̱ ध प, प	− म ग म
वा ऽ रे छै	ऽ ल मो री	मा ऽ न, नं	ऽ द न ट
×	२	०	३
प सां नि सां	− सां ध नि̤	नि̱ ध ध प	प म ग म
वा ऽ रे छै	ऽ ल मो री	मा न प न	ध ट वा ऽ
×	२	०	३
प − म नि̱	ध नि̱ ध नि	सां नि सां सां	ध सां − नि।
कीं ऽ गै ऽ	ल मो री छो	ड़ दे ढी ठ	कं धै ऽ या
×	२	०	३
ध नि̱ नि̱ ध	प प प म	ग · म प	
ब र जो ऽ	री मो से न	क रे	
×	२	०	

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

	– म ग म	म नि ध नि	सां नि सां सां
	ऽ सं ग की	स हे ली पा	छे आ ब त
	२	०	३
सां – सां सां	सां नि रें सां	सां सां गं मं	गं गं रें सां
मो ऽ री नं	न दी सु जा	न अ के ली	न जा ऽ न
×	२	०	३
सां – नि सां	नि ध म नि	ध नि सां –	सां – सां प
मो ऽ को तू	का न्ह ल ल	न पि या रे	ए ऽ ती बि
×	२	०	३
ग नि नि –	निध प प म	ग म प,	
न ती मो ऽ	रीऽ मा न नि	ठु र रे,	
×	२	०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२०

नैन नीर लागी रहत झरि पै झरि
छिन पै छिन, पल पै पल, सखि निशि दिन ।

पिया विदेश छाये, सौतन बिरमाये,
निपट तरसाये, बहु दिन बिताये,
आये न निंदिया, आये बिरहिन बिरोग—
भरे नंदलाल श्याम सनेही बिन ।,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

म ग म प	— प म ध	नि नि ध नि	नि ध प ध
नै ऽ न नीं	ऽ र ला गी	र हृ त झ	रि पै झ रि
×	२	०	३
नि सां नि सां	सां ध सां सां	नि नि ध नि	नि ध प ध
छि न पै छि	न प ल पै	प ल स खि	नि शि दि न
×	२	०	३

अन्तरा

म ग म नि	— ध प ध	नि — सां नि	सां सां सां सां
पि या बि दे	ऽ श छा ये	सौ ऽ त न	बि र मा ये
×	२	०	३
सां गं गं मं	मं गं गं रें	सां नि रें सां	नि ध — नि
नि प ट त	र सा ऽ ये	ब हु दि न	बि ता ऽ ये
×	२	०	३
ध नि सां नि	सां सां रें सां	नि ध प नि	ध प — प
आ ये ना नि	दि या आ ये	बि र हि न	बि रो ऽ ग
×	२	०	३
प ध प सां	नि सां नि नि	ध प प नि	— ध प ध
भ रे नं द	ल ल न श्या	ऽ म स ने	ऽ ही बि न
×	२		३

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२१

आओ जी आओ जी–
मोरे आज मोहन ।

बाँकी रंगीली सी छबीली सजि प्यारे
ललन पिया के जिया बिराज मोहन

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

ध	प	नि	ध	प	प	ध	प	ध
आ	ओ	जी	आ	ओ	जी	मो	ऽ	रे
	०				३			

म	ग	म	प	—	प	प
आ	ऽ	ज	मो	ऽ	ह	न
×				२		

अन्तरा

म	—	ग	म	प	प	प	नि
वाँ	ऽ	की	रं	गी	ली	सी	छ
०				३			

ध	नि	प	ध	सां	नि	सां	सां	सां	गं	गं	मं	गं	रें	सां	सां
बी	ला	छ	वि	स	जि	प्या	रे	ल	ल	न	पि	या	के	जि	या
×				२				०				३			

ध	सां	—	सां	नि	ध	प
बि	रा	ऽ	ज	मो	ह	न
×				२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२२

सखि सैयां की सुरतिया जियरा हरे—
ऐसो नयना अनियारे
खंजन से खरे

चारु हेरन चतुर अधिक
ललित दसन हँसन न्यारी
दरसत रस रंग सो—
कहि न सकत सुघरताई
ललन छैल रसिया रंगीलो ठाढ़ो तीर तरु तरे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–खमाज (अधर बन्द) : ताल–त्रिताल

स्थाई

— —, ग म	प सां नि सां	नि ध प प	ध ग - म
स खि	सैं याँ की सु	र ति या जि	या रा ऽ ह
×	२	०	३
ग -- म ग	म ध ध ध	ध नि प ध	नि सां, नि सां
रे ऽ ऐ स	नै ना अ नि	या रे क ज	रा रे, खं ज
×	२	०	३
नि ध प ध	प सां नि सां	नि ध प प	ध ग -- म
न से ख रे,	सैं याँ की मु	र ति आ जि	य रा ऽ ह
×	२	०	३

अंतरा

– म ग म	प प म नि	नि ध प ध	नि सां नि सां
ऽ चा रु हे	र न च तु	र अ धि क	ल लि त द
×	२	०	३
सां सां सां सां	नि सां – सां	रें सां गं मं	गं रें सां नि
स न हँ स	न न्या ऽ री	द र स त	र स रं ग
×	२	०	३
सां रें नि सां	रें सां नि सां	नि ध प ध	ध म – ग
सौं ढं ग सौं	क हि ना स	क त सु घ	र ता ऽ ई
×	२	०	३
सां नि सां म	ग म प ध	प सां – सां	नि सां ध नि
ल ल न छै	ल र सि या	रं गी ऽ लो	ठ ढो ती र
×	२	०	३
नि ध प ध	प सां नि सा	नि ध प प	ध ग – म
त रु त र	सैं याँ की सु	र ति या नि	य रा ऽ ह
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२३

बरजोरी करत निडर मग में रार,
ऐसो छैल छीन मटकि दीन्हीं मोरी डार

बार-बार घुँघटवा टार पट उघार,
मुख निहार ललन पिया ।
मोरी चटक मटक चूनर दई फार,
ऐसो छैल छीनी मटकि दीन्हीं मोरी डार

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

— —, ग म	प सां — नि̱	ध प ध प	ध म ग म
ऽ ऽ, व र	जो री ऽ क	र त नि ह	र म ग में
×	२	०	३
ग — ग म	ध — ध प	प प नि̱ नि̱	ध प म म
रा र, ऐ सो	छै ऽ ल छी	न म ट कि	दी न्ही मो री
×	२	०	३
ग ग,			
डा र,			
×			

अन्तरा

, म —	म ध नि̱ नि̱	ध नि̱ नि̱ ध	प ध नि सां
, बा ऽ	र बा ऽ र	घुँ घ ट वा	टा र प ट
×	२	०	३
नि सां — सां	सां सां सां सां	— सां गं मं	गं रें सां —
उ घा ऽ र	मु ख नि हा	ऽ र ल ल	न पि या ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२४

सोहनी सोहनी, मोहनी मोहनी मूरत,
वारो रे सलोने सलोने संवरिया रे।

मन माँ बसत लसत छवि चितवन की चोरी,
अमी हलाहल मद मन मोहनियाँ,
नंद ललन चपल दृग निहारे रे दुलारे रे।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

												–	–	प	ध
														सो	ह
प	सां	नि	मां	ध	नि॒	नि॒	ध	ध	प	ध	प	ध	म	ग	म
नो	सो	ह	नी	मो	ह	नी	मो	ह	नी	मू	र	त	वा	ऽ	रो
×				२				०				३			
–	प	प	नि॒	ध	नि॒	प	ध	ध	सां	सां	नि॒	ध	प,		
ऽ	रे	स	लो	ने	स	लो	ने	सं	व	रि	या	ऽ	रे,		
×				२				०				३			

अन्तरा

				सां	नि	गां	--	ध	सां	सां	नि॒	नि॒	नि॒	ध	प
				म	न	माँ	ऽ	व	स	त	ल	स	त	छ	वि
				२				०				३			
म	प	ध	प	ध	म	--	ग	ग	म	म	ग	रें	सा	नि़	सा
चि	त	व	न	की	चो	ऽ	री	अ	मी	ह	ला	ह	ल	म	द
×				२				०				३			
–	ग	ग	म	म	म	ग,	ग	–	म	प	प	प	नि॒	ध	नि॒
ऽ	म	न	मो	ह	नि	याँ	नं	ऽ	द	ल	ल	न	च	प	ल
×				२				०				३			
प	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां	ध	सां	–	नि॒	ध	नि॒,		
दृ	ग	ति	हा	ऽ	रे	–	रे	दु	ला	ऽ	रे	ऽ	रें,		
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२५

ललन लई दधि चोर तोर,
मैया मोर पति कैसे रहेगी
बलमा निरदैया, दैया मंदिर मोहें—
बसन न दिहै दुख कासे कहूँ जाय ।

पीत पट गिर परो रि—
वाको मोरी बखरिया में
लाई चिन्हारि सोई तुहि जतावन
देख नंद ललन को ढँग—
नोखो न मोहीं सुहाय ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठुमरी : खमाज–त्रिताल

स्थाई

–	प	प	म	ग	म	प	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां	सां	नि̲
ऽ	ला	ल	न	ल	ई	द	धि	चो	ऽ	र	तो	ऽ	र	मै	ऽ
०				३				×				२			
ध	नि̲	–	ध	प	प	नि̲	–	ध	–	म	प	–	ध	म	म
या	मो	ऽ	र	प	ति	कै	ऽ	से	ऽ	र	हे	ऽ	गी	ब	ल
०				३				×				२			
ग	–	ग	म	रे	–	सा	–	सा	नि़	सा	ग	ग	म	प	प
मा	ऽ	नि	र	दै	ऽ	या	ऽ	दै	ऽ	या	मं	दि	र	मो	हे
०				३				×				२			
म	नि̲	ध	नि̲	सां	नि	सां	–	सां	नि	सां	सां	नि̲	नि̲	नि̲	ध
ब	स	न	न	दि	है	दु	ख	वा	ऽ	से	क	हूँ	ऽ	ज	ऽ
०				३				×				२			
प,	ध	प	ध	ग	म	प	ध								
य,	ला	ल	न	ल	ई	द	धि								
०				३											

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

– – –, म	– प नि नि	नि सां नि सां	– सां सां सां
, पी	ऽ त प ट	गि र प रो	ऽ रि वा को
०	३	×	२
गं – गं मं	गं रें सां सां	सां नि रें सां	-- सां सां सां
मो ऽ री ब	ख रि या में	ला ई चि न्हा	ऽ रि सो ई
०	३	×	२
सां नि नि ध	प ध म नि	नि नि नि नि	ध प प ध
तु हि ज ता	व न दे ऽ	ख नं ऽ द	ल ल न को
०	३	×	२
– म – ग	म – प –	ध सां – सां	-- नि ध प
ऽ ढं ऽ ग	नो ऽ खो ऽ	न मो ऽ हीं	ऽ सु हा ऽ
०	३	×	२
ध, प प म	ग म प ध		
यं ला ल न	ल ई द धि		
०	३		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२६

प्रीत करी रे पछतायी तोसे कान्ह,
निठुर न तोरी जानती थी ऐसी बानि
हमरो मन को मन में रहयो अरमान ।

चारि दिनहुँ न नेम निबाहन की जानी,
गति मानी न मोर मन—
तुमही पै जा लुभान प्रान,
नंद ललन तुम सवत सों की पहिचान ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

ठुमरी : खमाज–त्रिताल

स्थाई

–	पं	प	म	ग	म	प	ध	नि	सां	नि	सां	–	सां	नि	ध
ऽ	प्री	ति	क	री	रे	प	छ	ता	ऽ	यी	तो	ऽ	से	का	ऽ
०				३				×				२			
प	प	मं	ध	म	ग	–	म	म	ग	रे	सा	नि	सा	ग	–
न्ह	नि	ठु	र	न	तो	ऽ	री	जा	न	त	थी	ऐ	सी	वा	ऽ
०				३				×				२			
ग,	म	ग	म	प	प	प	नि	ध	नि	प	ध	सां	सां	नि	ध
नि,	ह	म	रो	म	न	को	म	न	में	र	हयो	अ	र	मा	ऽ
०				३				×				२			
प,															
न,															
०															

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म	–	ग	म	ध	नि̲	ध	नि̲	सां	सां	नि	सां	–	सां	सां	सां
चा	ऽ	रि	दि	न	हु	न	ने	ऽ	म	नि	बा	ऽ	हं	न	की
०				३				×				२			
नि	–	सां	–	गं	ग	मं	–	मं	गं	गं	गं	–	रें	सां	सां
जा	ऽ	नी	ऽ	ग	ति	मा	ऽ	नीं	ऽ	न	मो	ऽ	र	म	न
०				३				×				२			
सां	नि	सां	सां	नि̲	–	नि̲	ध	–	प	प	–	ध	म	–	ग
तु	म	ही	पै	जा	ऽ	लु	भा	ऽ	न	प्रा	ऽ	न	नं	ऽ	द
०				३				×				२			
सा	ग	ग	म	म	प	प	प	ध	नि̲	प	ध	सां	सां	नि̲	ध
ल	ल	न	तु	म	स	व	त	सां	ऽ	की	ऽ	प	हि	चा	ऽ
०				३				×				२			

प,

न,
०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२७

वो तो लचक चलत आवत चाल नयी,
जोबन के मद में झूम झूम, झुकि झुकि—
बैस बारि छवि न्यारी न्यारी ।

श्याम गात रंग चुआत,
जोबन की उमँग तन दिखात चतुर नारि—
देख ललन पिया—
प्यारी प्यारी शोभा तन मन बस गयी ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठुमरी खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

		नि	सां	नि	ध	प	ध	प	म	ग	म	प	नि	सां	नि
		वो	तो	ल	च	क	च	ल	त	आ	व	त	चा	ल,	न
				२				०				३			
सां	–,	सां	–	सां	नि	नि	ध	ध	प	प	म	प	म	–	ग
ई	ऽ,	जो	ऽ	व	न	के	म	द	में	झू	ऽ	म	झू	ऽ	म
×				२				०				३			
म	ग	रे	सा	म	ग	म	प	–	प	नि	ध	नि	सां	नि	सां
झु	कि	झु	कि	वै	ऽ	स	वा	ऽ	रि	छ	वि	न्या	ऽ	री	न्या
×				२				०				३			
–	सां	,													
ऽ	री	,													
×															

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

								म	ग	म	नि	ध	नि	प	ध
								श्या	ऽ	म	गा	ऽ	त	र	ग
								०				३			
नि	सां	–	नि	सां	–	सां	सां	सां	गं	गं	गं	गं	मं	मं	ग
चु	आ	ऽ	त	जो	ऽ	ब	न	की	उ	मँ	ग	त	न	दि	खा
×				२				०				३			
रें	सां	सां	नि	नि	सां	–	सां	नि	सां	सां	नि	नि	ध	प	प
ऽ	त	च	तु	र	ना	ऽ	रि	दे	ख	ल	ल	न	पि	या	प्या
–	ध	म	–	ग	–,	ग,	म	प	प	प	नि	ध	प	ध	नि
ऽ	री	प्या	ऽ	री	ऽ,	शो	ऽ	भा	त	न	म	न	ब	न	न
×				२				०				३			
सां	–	,													
ई	ऽ	,													
×															

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२८

तोरी सुरत मन बस गयी रे,
मन बस गयी रे
कंधैया श्याम रे बरन वारे
मोर मुकुट मुरली बंधैया
गिरवर धरैया रे।

तुम तो ललन निठुराई गहिं लीन्हीं
मरब जियब तुमका का कोउ जाने—
तोरे बलैया रे॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

												प	ध	प	सां
												तो	ऽ	री	सु
												३			
नि	सां	ध	नि॒	नि॒	ध	प	ध	–	म	–	ग	म	प	प	ध
र	त	म	न	व	स	ग	यी	ऽ	रे	ऽ	म	न	ब्र	स	ग
×				२				०				३			
सां	नि	सां	–	नि॒	ध	प	ध	–	म	–	ध	नि॒	ध	प	ध
यी	ऽ	रे	ऽ	व	स	ग	यी	ऽ	रे	ऽ	म	न	ब	स	ग
×				२				०				३			
सां	नि	सां	–	–	–	ध	सां	–	नि॒	–	ध	–	प	प	ध
यी	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कं	धै	ऽ	या	ऽ	श्या	ऽ	म	रे	ब
×				२				०				३			
म	म	ग	ग	म	–	ग	रे	सा	सा	नि़	सा	ग	–	म	प
र	न	वा	रे	मो	ऽ	र	मु	कु	ट	मु	र	ली	ऽ	वं	धै
×				२				०				३			
–	प	प	ध	ध	सां	सां	नि॒	–	ध	–	नि॒				
ऽ	या	गि	रि	व	र	ध	रै	ऽ	या	ऽ	रे				
×				२				०							

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

				म	ग	म	नि॒	ध̣	नि॒	प	ध	नि	नि	सां	नि
				तु	म	तो	ल	ल	न	नि	ठु	रा	ई	ग	हि
				२				०				३			
सां	सां,	सां	नि	नि	सां	सां	सां	गं	गं	मं	—	मं	ग	रें	—
ली	न्ही,	म	र	ब	जि	य	ब	तु	म	का	ऽ	का	ऽ	को	ऽ
×				२				०				३			
रें	सां	—	सां	रें	सां	सां	नि॒	—	ध	—	नि॒				
उ	जा	ऽ	ने	तो	रे	ब	लै	ऽ	या	ऽ	रे				
×				२				०							

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

२९

नैन बानि बाँकी—
नैनवाँ निकाई,
बाँकी रंगीली
बाँकी रसीली
बाँकी छबीली माई ।

अलि अलिन माहिं खड़ी सुन्दरी,
सुहाग भरी ऐसी अलबेली बाल
ललन पिया परम प्रीति बाढ़त
लखि वाकी सुघरताई ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठुमरी खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

नि सां नि सां	– सां ध नि̱	नि̱ ध प, म	ग म प ध
नैं ऽ न वा	ऽ नि बाँ की	नैं न वां, नि	का ई बाँ की
×	२	०	३
ध प ध म	– ग म ग	रे सा सा ग	ग म प ध
रं गी ली वाँ	ऽ की र सी	ली वां की छ	वी री मा ई
×	२	०	३

अंतरा

	– – म ग	म नि̱ नि̱ ध	प ध नि सां
	ऽ ऽ अ लि	अ लि न मा	ऽ हिं ख ड़ी
	२	०	३
– सां – सां	सां – सां नि	– रें सां सां	गं – मं –
ऽ सु ऽ न्द	री ऽ सु हा	ऽ ग भ री	ऐ ऽ सी ऽ
×	२	०	३
मं मं गं –	रें सां – सां	सां सां सां रें	सां नि̱ ध ध
अ ल बे ऽ	ली बा ऽ ल	ल ल न पि	या प र म
×	२	०	३
प – ध म	ग ग म ग	रे सा ग म	म ध प ध
प्री ऽ ति बा	ढ़ त ल खि	बा की सु ध	र ता ऽ ई
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३०

कंगन मोरा कर सों करक गयो रे,
लाज की बात कहा कहुँ सखि,
आज कर सों कर,
अंग सो अंग परसतहि नयो रे।

हमरी हरि कौन लाग
ललन पिया कह्यो न जात अचरज
डर नंनदि सास बैरिन को भयो रे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

ठुमरी–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

				नि़	सां	नि॒	ध	प,	ध	प	म	ग	म	प	ध
				कं	ग	न	मो	र,	क	र	सों	क	र	क	ग
				२				०				३			
सां	नि	सां	–,	नि	सां	नि॒	ध	प,	ध	प	म	ग	म	प	ध
यो	ऽ	ऽ	ऽ,	कं	ग	न	मो	रा,	क	र	सों	क	र	क	ग
×				२				०				३			
सां	नि	सां,	सां	नि	सां	नि॒	ध	प,	ध	प	म	ग	म	प	ध
यो	ऽ	रे,	कं	ग	न	मो	ऽ	रा,	क	र	सों,	क	र	क	ग
×				२				०				३			
सां	नि	सां,	सां	नि	सां	नि॒	ध	प	ध	प	म	ग	ग	म	म
यी	ऽ	रे,	ला	ज	की	बा	त	क	हाँ	क	हूँ	स	खी,	आ	ज
×				२				०				३			
रे	सा	सा,	ग	ग	म	ग	म	प	प,	म	ग	म	नि॒	ध	नि॒
क	र	सों,	क	र	अं	ग	सों	अं	ग,	प	र	स	त	हि	न
×				२				०				३			
सां	नि	सां,	सां	नि	सां	नि॒	ध	प,	ध	प	म	ग	म	प	ध
यां	ऽ	रे,	कं	ग	न	मो	ऽ	रा,	क	र	सों	क	र	क	ग
×				२				०				३			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अन्तरा

								म	म	नि̱	ध	नि	नि	सां	–
								ह	म	री	ऽ	ह	रि	की	ऽ
								०				३			
नि	सां	–	सां	सां	सां	नि	सां	सां,	गं	गं	गं	मं	मं	गं	गं
न	ला	ऽ	ग	ल	ल	न	पि	या,	क	हो	न	जा	त	अ	च
×				२				०				३			
रें	रें	सां	सां	सां	नि	सां	नि̱	–	ध,	म	ग	म	नि̱	ध	नि̱
र	ज	ड	र	न	न	दि	सा	ऽ	स,	वैं	ऽ	रि	न	को	भ
×				२				०				३			
सां	नि	सां	–												
यो	ऽ	रें	ऽ,												
×															

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३१

चलत चितचोरत चाल मद भरी
पगन ठुमकैयाँ धरत मग मैयाँ ।

घूँघट पट टारे, नैनन सैन मारे,
हेरन हिय हरत रहत बस री ।
बदन शशि प्यारी, वयस अति वारी,
ललन पिया वारी, वलिहारी मन री ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

ठुमरी : खमाज-त्रिताल

स्थाई

			ध	म	ग	म	ध	प	नि	नि	नि	ध	प	म	ग
			च	ल	त	चि	त	चो	र	त,	चा	ऽ	ल	म	द
×				२				०				३			
म	प	–,	म	ग	म	नि	ध	सां	नि	सां	सां	सां	रेंसां	नि	नि
भ	री	ऽ,	प	ग	न	ठु	म	कै	ऽ	यां	ध	र	तऽ	म	ग
×				२				०				३			
नि	ध	प	प	प	म	ग	म	प	ध	प	नि	ध	प	म	ग
मैं	ऽ	यां,	च	लं	त	चि	त	चो	र	त	चा	ऽ	ल	म	द
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

, म	ग म नि ध	नि सां नि सां	सां सां सां नि
. घूँ	घ ट प ट	टा ऽ रे नै	न न सै ऽ
	२	०	३
सां नि ध, ध	ध नि प ध	नि सां नि सां	सां सां, सां नि
न मा रे, घूँ	घ ट प ट	टा ऽ रे नै	न न सै ऽ
×	२	०	३
रें सां -- सां	सां -- नि सां	नि ध, नि ध,	प ध प म
न मा ऽ रे	हे ऽ र न	हि य, ह र	त क र त
×	२	०	३
ग म प --,	प ध प नि	नि ध प ध	प म ग म
ब स री ऽ,	ब द न श	शि प्या री ब	य स अ ति
×	२	०	३
ग रें सां --,	सा सा ग म	प ध नि ध	प म ग म
वा ऽ री ऽ,	ल ल न पि	या वा री व	लि हा री म
×	२	०	३
म प --,			
न री ऽ,			
×			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३२

मैं आज़ पनघट गयी सखी री—
श्याम सुंदर मोहिं गरवा लगायो
छीन छैल मटकी पटकी दैया मोरी।

वोतो निपट ढीट नहिं मानत एरी आली,
बाट चलत मुहिका छेड़त बनमाली,
ललन पिया मैं कह कहुँ वाके छल बल,
बहिंया मसक दई, अँगिया नई नई ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

ठुमरी–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

प ध – म	ग म प ध	नि सां – नि	सां – नि̲ ध
मैं आ ऽ ज	प न घ ट	ग यी ऽ स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि̲ ध प ध	म ग म प	म ग म ग	रे सा, सा नि़
श्या ऽ म सुं	द र मो हिं	ग र वा ल	गा यां, छी ऽ
०	३	×	२
सा म ग म	म नि̲ ध नि̲	प ध प सां	नि सां, नि̲ ध
न छै ऽ ल	म ट की ऽ	प ट की दै	ऽ या, मो री
०	३	×	२

अन्तरा

			। प ध
			, वो तो
म ग म नि̲	– ध सां नि	सं – सां सां	सां नि सां सां
नि प ट ढी	ऽ ठ न हिं	मा ऽ न त	ऐ री आ ली
०	३	×	२
सां गं गं गं	मं मं मं गं	गं रें सां सां	रें सां नि̲ ध
बा ऽ ट च	ल त मु हिं	का छे ड़ त	ब न मा ली
०	३	×	२
म नि̲ नि̲ ध	प प प ध	म ग ग म	ग रे सा सा
ल ल न पि	या मैं क ह	क हुँ वा के	छ ल ब ल
०	३	×	२
। नि़ सा म	ग म प प	प ध प सां	नि सां नि̲ ध
ब हिं यां म	प क द ई	अँ गि या न	यी न यी ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३३

ना जैहों ना जैहों आली
यमुन भरन नीर
ठाढ़ो कन्हैया होरी खेलत—
कुंजन तीर

अब हीं बात गयी—
पनियाँ के आज—
मोरी गागर गेरी
लंगर गरवा लगायो,
मुख मलो अबीर—
अति शरीर
बल को बीर
ललन पिया मेरो—
बोरो रंग में चटक सुघर चीर ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

ठुमरी : खमाज–त्रिताल

स्थाई

, प ध	प सां नि सां	नि ध प ध	प म ग म
, ना जैं	हों ना जैं हों	आ ली य मु	न म र न
	२	०	३
प प, म ग	म ध ध नि	ध सां नि सां	सां नि नि, नि
नी र, ठा ढ़ो	क न्है या हो	री खे ल त	कुं ज न, ती
×	×	०	३
ध प ,			
ऽ र ,			
×			

अंतरा

		, प म	म नि ध नि
		, अ ब	हीं बा त ग
			३
सां – सां गं	सां सां नि सां	गं गं मं मं	मं गं गं रें
ई ऽ प नि	या के का ज	मो री, गा ग	र गे री लं
×	२	०	३
सां सां सां सां	नि सां नि ध	प म प ध	म ग -- ग
ग र ग र	वा ल गा यो	मु ख म लो	अ बी ऽ र
×	२	०	३
म ग रे सा	– सा सा नि	सा ग – ग	म म ग म
अ ति श री			
×			
प, म म ध	ऽ र ब ल	को बी ऽ र	ल ल न पि
या मे री थो	२	०	३
×	– ध प ध	प सां नि सां	सां नि नि नि
ध प ,			
ऽ र ,	ऽ रो रं ग	गें च ट क	सु घ र ची
×	२	०	३

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३४

पनियाँ न जाऊँ आली री,
बीच मग री, ठग री।
झगरी पकरी बहियाँ गुइयाँ।

जानत मैं छल बल, रंग ढंग,
चतुराई वाकी सारी सारी
ललन पिया ढीठ ऐसो करे लंगरयाँ
पनियाँ न जाऊँ आली री॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–खमाज : ताल–त्रिताल

स्थाई

			, ध नि
			, प नि
नि – ध प	– ध ग म	ग – ग ‥	प –, प म
याँ ऽ न जा	ऽ ऊँ आ ली	री ऽ, बी च	म ग, री ठ
०	३	×	२
ग म ध ध	ध नि प ध	नि सां नि सां	– सां,
ग री झ ग	री प क री	ब हि याँ गु	इ याँ,
०	३	×	२

अंतरा

– म ग म	नि ध सां नि	सां सां सां नि	सां सां – सां
– जा न त	मै ऽ छ ल	ब ल रं ऽ	ग ढं ऽ ग
०	३	×	२
सां सां मं गं	मं मं गं –	रें सां – सां	सां नि सां नि
च तु रा ई	वा की सा ऽ	री सा ऽ री	ल ल न पि
०	३	×	२
नि ध – प	प ध म ग	म नि ध नि	सां सां सां सां
या ढी ऽ ठ	ऐ सो क रें	लं ग ऽ रै	ऽ याँ प नि
०	३	×	२
नि – ध प	– ध ग म	ग – ,	
या ऽ न जा	ऽ उँ आ ली	री ऽ ,	
०	३	×	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३५

भ्रमत-भ्रमत आज बावरी भयी,
कैसी करूँ बनमाली बिन खाली भवन री।

को यतन अब मिलब ललन पिया,
साँवरे सुन्दर मुरली मुकुट वारे दयी ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

स्थाई

	म ग रे ग	सा सा नि̱ –	नि̱ ध़ प़ ध़
	अ म त अ	म त आ ऽ	ज व ऽ व
	२	०	३
सा – सा सा	ध़ प़ धं सा	रे ग म ग	रे प म ग
री ऽ भ यी	कैं सो क रूँ	द न मा ली	वि न खा ली
×	२	०	३
रे सा नि़ सा			
भ व न री			
×			

अन्तरा

	ग रे ग म	म प म प	प प ध नि̱
	को ऽ य त	न अ व मि	ल व ल ल
	२	०	३
ध सां सां –	सां सां नि̱ नि̱	नि ध ध प	ग प ध नि̱
न पि या ऽ	को ऽ य त	न अ व मि	ल व ल ल
×	२	०	३
ध सां सां –	सां सां सां नि̱	नि̱ नि̱ ध̱ नि̱	नि̱ ध प प
न पि या ऽ	साँ व रे सु	न्द र मु र	ली मु कु ट
×	२	०	३
म प म ग	रे ग ग सा	सा सा नि̱ –	नि़ ध़ प़ ध़
वा रे द ई	अ म त अ	म त आ ऽ	ज व ऽ व
×	२	०	३
सा – सा सा			
री ऽ भ ई			
×			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३६

वना बना जीवना,
साँवरी सुरत वारो, मोहना सोहना ।

सुबरन को शिर मौर बिराजे
सेहरा मुतियन की छवि छाजे
कोटिन कान्त रवि शशि,
हीरन ही लड़ियाँ मणियाँ जड़ियाँ,
ललन अँग अनंग भावना भाव घना घना ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग खम्बावती : ताल-त्रिताल

स्थाई

रे	म	–	म	प	–	ध	प	ध	सां	–	सां	नि̱	नि̱	ध	प
व	ना	ऽ	व	ना	ऽ	ज	ग	जी	ऽ	ऽ	व	ना	साँ	व	री
०				३				×				२			
प	ध	ध	म	–	म	म	प	प	ग	–	म	म	ग	सा	–
सु	र	स	वा	ऽ	रो	मो	ऽ	ह	ना	ऽ	सो	ऽ	ह	ना	ऽ
०				३				×				२			

अन्तरा

–	–	प	ध	नि̱	नि̱	ध	ध	प	ध	सां	सां	सां	सां	–	सां
		सु	ब	र	न	को	ऽ	शि	र	मौ	र	बि	रा	ऽ	जे
०				३				×				२			
सां	सां	सां	–	नि̱	नि̱	ध	ध	सां	–	रें	रें	गं	गं	मं	मं
से	ह	रा	ऽ	मु	ति	य	न	की	ऽ	छ	ब	छा	जे	को	टि
०				३				×				२			
मं	गं	–	गं	गं	सां	सां	सां	सां	नि	–	सां	सां	नि̱	नि̱	नि̱
न	का	ऽ	न्त	र	व	श	शि	प्र	का	ऽ	श	ही	र	न	दी
०				३				×				२			
नि̱	नि̱	–	ध	ध	ध	–	प	प	प	–	म	प	ध	ध	नि̱
ल	ड़ि	ऽ	याँ	म	णि	ऽ	याँ	ज	ड़ि	ऽ	याँ	ल	ल	त	अँ
०				३				×				२			
नि	ध	म	म	म	प	प	ग	–	ग	म	ग	–	–	सा	–
ग	अ	नँ	ग	भा	व	ना	भा	ऽ	व	घ	ना	ऽ	घ	ना	ऽ
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३७

भरन गयी पनियाँ पनघटवा के घाट,
कालिन्दी के कूल-कूल हरि—
उरन उरित जिय सुन ऐ री प्रिय ।

केलि करत, हँसत, क्रीड़त नंद को ललन,
लखि नव थल दबकि सिधायी उलटे पगन,
यमुना जल भरा घर आ आयो—
अपने बस में जिय ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग खम्बावती : ताल–त्रिताल

स्थाई

																नि̱
																भ
ध	प	ध	सां	—	सां	नि	सां	नि̱	नि̱	ध	नि̱	ध	—	प,	ध	
र	न	ग	यी	ऽ	प	नि	याँ	प	न	घ	ट	व	ऽ	के	घा	
×				२				०				३				
—	ध	म	—	प	—	प	म	ग	ग	—	सा	सा	रे	म	ग	
ऽ	ट	का,	ऽ	लि	ऽ	न्दी	ऽ	के	कू	ऽ	ल	कू	ल	हु	रि	
×				२				०				३				
म	प	प	ध	नि̱	ध	सां	सां	सां	रें	ग	—	सां	सां	नि̱,		
उ	र	न	उ	रि	त	जि	या	सु	न	ऐ	ऽ	री	प्रि	य,		
×				२				०				३				

अन्तरा

				—	ध	प	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां	रें	रें
				ऽ	के	ऽ	लि	क	र	त	हैं	स	त	क्री	ड़
				२				०				३			
रें	गं	गं	गं	मं	मं	मं	गं	गं	गं	गं	गं	सां	सां	सां	सां
त	नं	द	को	ल	ल	न	ल	खि	न	व	थ	ल	द	ब	कि
×				२				०				३			
सां	सां	नि̱	नि̱	नि̱	ध	प	ध	ध	म	म	म	ग	ग	सा	सा
सि	धा	यी	उ	ल	टे	प	ग	न	य	मु	ना	ज	ल	भ	रा
×				२				०				३			
सा	रे	म	—	म	प	प	ध	ध	नि̱	ध	प	ध	सां	सां	नि̱
ध	र	आ	ऽ	आ	ऽ	यो	अ	प	ने	ब	स	में	जि	य,	म
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३८

परसन लागो अँखियन नेह री
गेह री करत देह री—
शिथिल सुधि में पिया की मेह री—
जिमुन्हा गयी, प्रेम रंग संग—
लागो अँखियन नेह री।

बिकल करत मन मदन तन,
नंद ललन पिया बिन न चैन
मम अँग लागो अँखियन नेह री॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बहार : ताल-त्रिताल

स्थाई

				–	रें	नि	साँ	सां	नि	–	प	म	प	ग	म
				ऽ	प	र	स	न	ला	ऽ	गो	अँ	खि	य	न
				२				०				३			
(नि)ध	–	नि	सां	–	नि	ध	नि	सां	रें	सां	रें	सां	नि	सां	नि
ने	ऽ	ह	री	ऽ	गे	ऽ	ह	री	क	र	त	दे	ऽ	ह	री
×				२				०				३			
–	प	प	प	प	म	ग	म	ग	म	रे	–	सा	सा	सा	नि
ऽ	शि	थि	ल	सु	धि	में	पि	या	की	मे	ऽ	ह	री,	जि	मु
×				२				०				३			
सा	स	ग	म	म,	नि	ध	नि	सां,	नि	–	प	म	प	ग	म
न्हा	गा	यी	प्रे	म,	रं	ग	सं	ग,	ला	ऽ	गो	अँ	खि	य	न
×				२				०				३			

अन्तरा

							गं	गं	मं	रें	रें	सां	सां	सां	रें
							बि	क	ल	क्र	र	त	म	न,	म
								०				३			
सां	सां	नि	ध	नि	सां	सां,	नि	–	प	प	प	प	म	प	म
द	न	बि	र	ह	त	न,	नं	ऽ	द	ल	ल	न	पि	य	बि
×				२				०				३			
ग	म	नि	ध	नि	सां	नि	सां	स,	नि	–	प	म	प	ग	म
न	न	चै	ऽ	न	म	म	अं	ग,	ला	ऽ	गो	अँ	खि	य	न
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

३६

बरसन लागी अँखियाँ ये बारि री
बिन दरश परश नहिं सखि री चैन ।

ललन पिया निरमोही श्याम सों प्रीत करी गयी
मैं हरि री बिन परश नहिं सखि री चैन ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग बहार : ताल–त्रिताल

स्थाई

	--, रें रें सां	सां नि – प	म प म ग
	ऽ, ब र स	न ला ऽ गी	अँ खि याँ ऽ
	२	०	३
म (नि)ध – नि	सां, रें रें सां	सां, नि – प	म प म ग
ये बा ऽ रि	री, ब र स	न, ला ऽ गी	अँ खि याँ ऽ
×	२	०	३
म नि ध नि	सां –, नि सां	नि नि प प	प म ग म
ये बा ऽ रि	री ऽ, बि न	द र श प	र श न हिं
×	२	०	३
नि ध नि सां	सां,		
स खि री चै	न,		
×	२		

अन्तरा

	म	नि ध नि सां	– सां नि रें
	ल	ल न पि या	ऽ नि र मो
		०	३
सा – – सां	रे सां नि ध	नि – नि .प	प प म ग
ही ऽ ऽ श्या	ऽ म सों ऽ	प्री ऽ ति क	री ऽ ग य
×	२	०	३
म नि ध नि	सां – गं मं	रें रें रें ला	सां सां रे सां
मैं हा ऽ रि	री ऽ बि न	द र श प	र श न हिं
×	२	०	३
नि ध नि सां	सां रें सां नि	सां नि – प	म प म मग
स खी री चै	न ब र स	न ला ऽ गी	अँ खि या ऽऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४०

बोलन लागे पपीहा पिया पिया को शब्द
एरी मोरी आली—
अब तो कल न परत जिया को,
पिया बिन धरकत हिय ।

कोकिला की कूक सुनत,
हूक उठत हिय बिच मोरे री आली,
बिरहानल की ऊष्णता सों दुखित प्राण,
उन बिन घरि पल छिन कठिन भयो जीवन,
ललन श्याम निरमोही छली जिय ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग गौड़ मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

ग	म	रे	या	–	ग	रे	ग	प	–	म	–	म	रे	प	प
बो	ल	न	ला	ऽ	गे	ऽ	प	पी	ऽ	हा	ऽ	पि	या	पि	या
०				३				×				२			
प	म	–	प	ध	प	म	प	म	ग	रें	म	ग	रे	सा	सा
को	श	ऽ	ब्द	ए	री	मो	री	आ	ली	अ	ब	तो	क	ल	ना
०				३				×				२			
रे	रे	रे	प	प	ध	म	प	ध़ सां	सा	ध	प	म	प	म	ग
प	र	त	जि	या	को	पि	या	बि	न	घ	र	क	त	ही	य
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म												सां			
प	–	प	नि	–	ध	सां	–	सां	सां	सां	सां	ध	–	ध	सां
को	ऽ	कि	ला	ऽ	की	कू	ऽ	क	सु	न	त	हू	ऽ	क	उ
०				३				×				२			
सां	रें	सां	सां	ध	नि॒	प	प	म	प	–	म	ग	रे	रे	ग
ठ	त	हि	य	वि	च	मो	रे	री	आ	ऽ	ली	वि	र	हा	न
०				३				×				२			
म	म	ग	–	रे	सा	–	सा	रे	रे	रे	प	–	प	म	प
ल	की	ऊ	ऽ	ष्ण	ता	ऽ	सौं	दु	खि	त	प्रा	ऽ	ण	उ	न
०				३				×				२			
ध	नि	सां	रें	सां	सां	गं	रें	रें	गं	रें	मं	गं	रें	सां	सां
बि	न	घ	रि	प	ल	छि	न	क	ठि	न	भ	यो	जी	व	न
×				३				×				२			
सां	रें	रें	सां	–	सां	सां	सां	ध	–	प	प	म	प	म	ग
ल	ल	न	श्या	ऽ	म	नि	र	मो	ऽ	हीं	छ	ली	ऽ	जि	य
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४१

कौन बार मिघवा बरसन की,
यह धरि पिया परसन की,
लै लै गगन गन सुघन बैरी—
मारत तक बरछी बूंदिन को।

एक तो रैन अँधेरी, दूजे सनन पवन सनकी,
सुनि गरज़ लरज जिया जाय
सखी देखि चपल बैरिन की॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग गौड़ मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

								ग							
–	म	–	म	ग	रे	सा	सा	रे	–	म	ग	प	प	म	ग
ऽ	कौ	ऽ	न	बा	र	मि	घ	वा	ऽ	ब्र	र	स	न	की	ऽ
०				३				×				२			
								ग							
रे,	म	–	म	ग	रे	सा	सा	रे	–	म	ग	प	प	म	ग
ऽ	कौ	ऽ	न	बा	र	मि	घ	वा	ऽ	ब	र	स	न	की	ऽ
०				३				×				२			
ग															
रे	रे	म	म	प	प	प	प	म	म	प	ध	प	प	म	न
य·	ह	घ	रि	पि	या	के	मि	ल	न	प	र	स	न	की	ऽ
०				३				×				२			
म	म	–	रे	रे	प	प	प	प	प	म	प	नि॒	ध	नि॒	प
ऽ	लै	ऽ	लै	ग	ग	न	ग	न	सु	ध	न	बै	ऽ	रो	ऽ
०				३				×				२			
प	म	प	प	सां	सां	ध	ध	नि॒	–	प	–	म	प	म	न
मा	ठ	र	त	त	क	ब	र	छी	ऽ	बूं	ऽ	दि	न	को	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

-	म	म	म	प	-	ध	ध	सां	-	सां	सा	सां	-	सां	-
ऽ	ए	क	तो	रैं	ऽ	न	अँ	धे	ऽ	री	ऽ	दू	ऽ	जे	ऽ
०				३				×				२			
सां	रें	रें	सा	सां	सां	नि	सां	स	ध	-	नि	नि	प	म	प
स	न	न	प	व	न	पु	पु	वा	ऽ	ऽ	स	न	की	सु	नि
०				३				×				२			
म	म,	रे	म	ग	रे	सा	सां	रे	-	रे	रे	प	-	म	प
ग	र	ज	ल	र	न	जि	य	जा	ऽ	य	स	खी	ऽ	दे	ऽ
०				३				×				२			
ध	-	सां	सां	सां	सां	ध	ध	नि	-	प	-	म	प	म	न
खि	ऽ	च	म	क	न	च	प	ला	ऽ	बै	ऽ	रि	न	की	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४२

वृन्द वारि बरषें बादरिया,
तृप्त बाग वन भूमि मझरियाँ,
भरे तड़ाग सरिता सागरियाँ ।

उपवन सुमन वाटिका नुकेले,
गुँजरत चंचरीक सभटूले,
मृदु वच बहु पक्षी समतूले,
रट विचित्र राजत तरु डारियाँ ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग गौड़ मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

–	ग	रे	म	ग	रे	सा	सा	रे	ग	रे	ग	म	प	म	ग
ऽ	वृ	न्द	व	ऽ	रि	व	र	षें	ऽ	वा	ऽ	द	रि	याँ	ऽ
०				३				×				३			
म	म	रे	ग	–	प	प	म	प	–	प	नि	ध	नि	प	–
तृ	ऽ	प्त	वा	ऽ	ग	व	न	भू	ऽ	मि	म	झ	रि	याँ	ऽ
०				३				×				२			
प	म	प	सां	–	सां	ध	प	म	–	ग	रे	ग	प	म	म
भ	रे	त	ड़ा	ऽ	ग	स	रि	ता	ऽ	ला	ऽ	ग	रि	याँ	ऽ
०				३				×				२			

अंतरा

म	म	प	प	ध	ध	ध	सा	--	सां	सां	सां	रें	सां	--	सां
उ	प	व	न	सु	म	न	वा	ऽ	टि	का	ऽ	नु	कू	ऽ	के
०				३				×				२			
गं	रें	गं	मं	मं	गं	गं	रें	--	सां	सां	ध	नि	--	प	--
गू	ज	र	त	चं	ऽ	च	री	ऽ	कु	स	म	टू	ऽ	के	ऽ
०				३				×				२			
म	म	रे	रे	प	प	म	--	प	प	नि	ध	नि	--	प	–
मृ	दु	व	च	व	हू	प	ऽ	क्षी	ऽ	स	म	तू	ऽ	ले	ऽ
०				३				×				२			
प	म	ग	सा	--	सां	ध	प	म	ग	रे	ग	म	प	म	म
र	ट	वि	चि	ऽ	व	रा	ऽ	ज	त	त	रु	ड	रि	यां	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४३

घन गगन गन अगम अब कीन्हों,
लै सभा घनपति नकीब पपिहा
नगार घन गरज गरज चहुँ दिशि,
संदेश पिया के मिलन को कहि–
सखिन सन खबर कर दीन्हों।

भई आश लिख प्रेम पाती–
पिया तजि विदेश घर गमन कीजे
अति उर अनंद मुख चंद ललन पिय
वारी वारी बदरन ये यशु लीन्हों॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–देश मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

प	ध	ध	म	म	प	प	प	नि	सां	–	नि	नि	नि	ध	प
ध	न	ग	ग	न	ग	न	अ	ग	भ	ऽ	अ	ब	की	ऽ	न्हों
०				३				×				२			
–	प	ध	ध	म	–	म	म	म	ग,	ग	रे	ऽ	रे	ग	गरे
ऽ	लै	ऽ	स	भा	ऽ	ध	न	प	ति,	न	की	ऽ	ब	प	पिऽ
०				३				×				२			
सा	–	सा	रे (म)	–	रे	प	प	प	प	प	प	प	प	म	प
हा	ऽ	न	गा	ऽ	र	ध	न	ग	र	ज	ग	र	ज	च	हुं
०				३				×				२			
नि	सां	नि	सां	–	सां	रें	रें	–	गं	गं	रें	सां	नि	सां	–
दि	शि	सं	दे	ऽ	श	पि	या	ऽ	के	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ
०				३				×				२			
सां	रें	रें	नि	नि	नि	ध	ध	प	म	–	नि	नि	नि	ध	प
क	हि	स	खि	न		न	ख	ब	र	ऽ	क	र	दी	ऽ	न्हों
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

म	म	-	प	-	प	नि	नि	सां	-	सां	सां	-	नि	सां	सां
भ	ई	ऽ	आ	ऽ	श	लि	ख	प्रे	ऽ	म	पा	ऽ	ती	पि	य
०				३				×				२			
रें	म	मं	गं	-	रें	गं	गं	रें	सां	नि	सां	-	सां	सां	रें
त	जि	वे	दे	ऽ	श	घ	र	ग	म	न	की	ऽ	जे,	अ	ति
०				३				×				२			
रें	नि॒	नि॒	ध	-	प	प	ध	धं	-	म	म	म	ग	ग	रे
उ	र	अ	नं	ऽ	द	मु	ख	चं	ऽ	द	ल	ल	न	पि	य
०				३				×				२			
रें	प	प	प	प	प	प	ध	म	म	प	नि॒	नि॒	नि॒	ध	प
वा	ऽ	री	वा	ऽ	री	ब	द	र	न	ये	य	शु	ली	ऽ	न्हों
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४४

माई लरजत री म्हारा हियरा,
बिन बालम बिकल रहत घरि पल छिन छिन–
उन बिन घन गगन आय छिन लाय,
बदरिया कारी-कारी घुमड़त गरजत बरसतमिघवा

बैरिन री दामिन डरपावत,
उत पपिहा पिय पिय रटत,
शुक, दादुर, मोर, चकोर शोर सुन,
कोकिल कूक हूक उपजे—
इत मदन बिरह सों दुखित प्रान,
बिन नंद ललन पिय कल न परत
जिय तरफत कैसे मिलब मितवा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग-देश मलार : ताल-त्रिताल

स्थाई

														प	ध
														मा	ई
ध	म	म	ग	रे	सा	नि	सा	रे	म	ग	रे	–	–,	रें	प
ल	र	ज	त	री	म्हा	ऽ	रा	हि	य	रा	ऽ	ऽ	ऽ,	वि	न
०				३				×				२			
प	–	म	ग	ग	रे	रें	सा	नि	सा	सा	सा	रें	रे	म	म
ब	ऽ	ल	म	बि	क	ल	र	ह	त	घ	रि	ष	ल	छि	न
०				३				×				२			
रे	रे	म	म	प	प	प	प	प	नि	नि	नि	–	नि	सां	नि
छि	न	उ	न	बि	न	घ	न	ग	ग	न	आ	ऽ	य	छि	न
०				३				×				२			
सां	–	सां	सां	रें	गं	रे	सां	नि	–	नि	सां	–	सां	सां	रें
ला	ऽ	य	ब	द	रि	या	ऽ	का	ऽ	री	का	ऽ	री	घु	म
०				३				×				२			
नि	नि	ध	नि	ध	प,	प	ध	म	म	प	नि		ध	प,	
ड़	त	ग	र	ज	त,	ब	र	स	त	मि	घ		बा	ऽ,	
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अन्तरा

–	रे	म	ग	रे	–	रे	म	रे	रे	रे	प	प	–	प	प
ऽ	बैं	रि	न	री	ऽ	दा	ऽ	मि	नि	ड	र	पा	ऽ	व	त
०				३				×				२			
म	म	प	प	नि॒	ध	प	प	प	ध	–	म	प	प,	नि	नि
उ	त	प	पि	हा	ऽ	पि	या	पि	या	ऽ	र	ट	त,	शु	क
०				३				×				१			
नि	–	सां	नि	सां	–	सां	सां	सां	–	सां	रें	–	रें	मं	मं
दा	ऽ	दु	र	मो	ऽ	र	च	को	ऽ	र	शो	ऽ	र	सु	न
०				३				×				२			
मं	–	गं	रें	गं	–	गं	सां	–	सां	सां	नि	सां	–	सां	रें
को	ऽ	कि	ल	कू	ऽ	क	हू	ऽ	क	उ	प	जे	ऽ	इ	त
०				३				×				२			
रें	नि॒	नि॒	नि॒	ध	ध	प	–	ध	प	ध	म	–	म	ग	म
म	द	न	बि	र	ह	सों	ऽ	दु	खि	त	प्रा	ऽ	न	बि	न
०				३				×				२			
म	–	म	ग	रे	रे	ग	ग	ग	ग	रे	सा	सा	सा	नि़	सा
नं	ऽ	द	ल	ल	न	पि	य	क	ल	न	प	र	त	जि	य
०				३				×				२			
रे	म	रे	रे	म	–	म	प	मं	प	नि॒	ध	प	–	,	
त	र	फ	त	कै	ऽ	से	मि	ल	ब	मि	त	वा	ऽ	,	
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४५

कूकें कोइलिया कारो कुटिल कठोर कुकदर—
कुकामिनि कटुक कहन कृत कारी कारी ।

कंत कोऊ कामिनी की कामना करत—
केलि कलकारी कर्मन की—
करतूति कहा कहूँ,
काया कलह कटारी कारी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–देश मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

, प –

, कू ऽ

ध	म	म	ग	रे	ग	सा		ग	रे	म	ध	रे	–,	रें	म
ऽ	कें	ऽ	को	इ	लि	या	ऽ	का	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ,	कु	टि
०				३				×				२			
म	रे	,	प	प	–	म,	म	म	ग	रे,	ग	ग	–	सा	सा
ऽ	ल	ऽ,	क	ठो	ऽ	र,	कु	क	द	र	कु	का	ऽ	मि	नि
०				३				×				२			
रे	रे	रे	प	प	प	म	प	ध	नि	ध	नि	ध	प	,	
क	टु	क	क	ह	न	क्र	त	का	ऽ	री	का	ऽ	री	,	
०				३				×				२			

अन्तरा

–	म	–	म	प	–	नि	–	नि	–	सां	सां	नि	सां	–	सां
ऽ	कं	ऽ	त	को	ऽ	ऊ	ऽ	का	ऽ	मि	नि	की	का	ऽ	म
०				३				×				२			
सां	–	–	रें	रें	रें	रें	मं	मं	मं	गं	गं	–	रें,	रें	–
ना	ऽ	ऽ,	क	र	त	के	ऽ	लि	क	ल	का	ऽ	री,	क	ऽ
०				३				×				२			
गं	–	सां	–	–	–,	सां	रें	रें	–	नि	नि	ध	ध	प	प
म	न	की	ऽ	ऽ	ऽ,	क	र	तू	ऽ	ति	क	हा	ऽ	क	हुँ
०				३				×				२			
म	–	नि	–	ध	नि	नि	ध	प	ध	म	प	–	प	,	
क	ऽ	या	ऽ	क	ल	ह	क	टा	ऽ	री	का	ऽ	री	,	
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४६

बरष गयीं बरष गयीं घन गगन आली—
आज कह कहुँ जिया पिया बिन रह्यो न जाय
तरस रहीं तरस रहीं भाग लाग अपने सुहाग।

हूँ तो विकल उतकल प्रेम प्रीति रसिक करत,
ललन पिया सौत भाग पग पराग सुख सों पाग ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

×				२				०				३			
प	ध	प	नि	सां	–	प	सां	सां	नि	नि	ध	ध	म	प	प
व	र	ष	ग	यीं	ऽ	व	रा	ष	ग	यीं	ध	न	ग	ग	न
×				२				०				३			
ध					ग										
प	–	ध	म	–	म	म	रे	रे	रे	प	रे	प	प	म	म
आ	ऽ	ली	आ	ऽ	ज	क	ह	क	हुँ	जि	या	पि	या	बि	न
×				२				०				३			
रे	ग	रे	सा	नि	सा,	नि	सा	गरे	म	ग	रे	म	म	प	प
र	ह्यो	न	जा	ऽ	य,	त	र	सऽ	र	हीं	ऽ	त	र	स	र
×				२				०				३			
प	–	नि	सां	नि	सां	–	सां	सां	रें	नि	–	नि	ध	–	प
हीं	ऽ	भा	ऽ	ग	ला	ऽ	ग	अ	प	ने	ऽ	सु	हा	ऽ	ग
×				२				०				३			

अन्तरा

–	–,	म	–	प	नि	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	रे	गं
ऽ	ऽ,	हूँ	ऽ	तो	बि	क	ल	उ	त	क	ल	प्रे	ऽ	म	प्री
×				२				०				३			
–	रें	रें	गं	गं	मं	मं	गं	रें	गं	–	सां	सां	–	सां	–
ऽ	ति	र	सि	क	क	र	त	ल	ल	न	पि	या	ऽ	सौ	ऽ
×				२				०				३			
नि	ध	–	प	प	ध	प	सां	नि	सां	रें	नि	नि	ध	–	प
त	भा	ऽ	ग	प	ग	प	रा	ऽ	ग	सु	ख	सौं	पा	ऽ	ग
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४७

दइमारे बदरवा करत शोर
घना नाना नाना गर गर गरज घोर
कारे कारे, पीरे पीरे, नीरे नीरे चहुँ ओर ।

भभक भयावनि जिय डरपावनि
बिजुली चमक चौंधा की जोर,
नंद ललन पिय बिन जिय व्याकुल
कैसे बचब सखि प्रान मोर ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–नट मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

			प प
			द ई
म – ग ग	रे रे सा –	रे ग म प	– प, म म
मा ऽ रे ब	द र वा ऽ	क र त शो	ऽ र, घ न.
०	३	×	२
म नि॒ ध प	प म प प	म ग म रे	– रे, प प
ना ना ना ना	ग र ग र	ग र ज घो	ऽ र, का रे
०	३	×	२
प प म ग	म रे सा रे	रे सा रे ग	म प ,
का रे पी रे	पी रे नी रे	नी रे च हुँ	ओ र ,
०	३	×	२

अन्तरा

प प प सां	सां सां सां सां	ध ध सां सां	नि रें सां सां
भ भ क भ	या ऽ व नि	जि य ड र	पा ऽ व नि
०	३	×	२
रें गं मं –	– रें रें रें	सां रें सां –	ध नि॒ – प
बि जु ली ऽ	ऽ च म क	च हुँ घा ऽ	की जो ऽ र
०	३	×	२
म म रे प	प प म प	ध ध सां रें	सां – ध प
नं ऽ द ल	ल न पि य	बि न जि य	व्या ऽ कु ल
०	३	×	२
प – म ग	म रे सा सा	रे ग म प	म प ,
कै ऽ से ब	च ब स खि	प्रा ऽ न मो	ऽ र ,
०	३	×	२

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४८

घिर आये बारि वारे दुरन लागे
दिन सूर्य निशि के शशि तारे
सारे सारे बारि वारे ।

श्याम श्वेत रतनारे पियर—
अति निलज निडर अँधियारे,
पिय बिन मोहिं जरावत बैरिन
घटा देख मन मोर घटा रे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–हमीर (मलार) : ताल–त्रिताल

स्थाई

														सां	सां
														घि	र
ध	–	प	प	म॑	प	ग	म	(नि)ध	–	नि	सां	(नि)नि	ध	–	प
आ	ऽ	ये	बा	ऽ	रि	वा	ऽ	रे	ऽ	दु	र	न	ला	ऽ	गे
०				३				×				२			
ध	–	प	प	म॑	प	ग	म	(नि)ध	–	नि	सां	नि	नि	ध	प
आ	ऽ	ये	बा	ऽ	रि	वा	ऽ	रे	ऽ	दु	र	न	ला	ऽ	गे
०				३				×				२			
प	म॑	प	ग	–	ग	म	म	रे	–	सा	सा	ग	म	र	–
दि	न	के	सू	ऽ	र्यं	नि	शि	के	ऽ	श	शि	ता	ऽ	रे	ऽ
०				३				×				२			
रे	–	प	–	प	–	म	प	ध	सां	सां	ध	–	प,	सां	सां
सा	ऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	रे	ऽ	बा	ऽ	रि	वा	ऽ	रे,	घि	र
०				३				×				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अंतरा

प प प सां	-- सां सां सां	सां -- सां --	-- रें सां सां
प्या ऽ म श्वे	ऽ त र त	ना ऽ रे ऽ	ऽ पि य र
०	३	×	२
रें रें गं मं	मं रें सां सां	सां सां सां ध	नि -- प --
अ ति नि ल	ज नि ड र	अँ धि या ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
प मं प प	प -- ग म	रे रे सा सा	ग -- म म
पि य बि न	मो ऽ हिं ज	रा ऽ व त	बै ऽ रि न
०	३	×	२
रे रे -- प	-- प म प	ध सां सां सां	सां ध प --
घ टा ऽ दे	ऽ ख म न	मो ऽ र घ	टा ऽ रे ऽ
०	३	×	२
ध -- प प	मं प ग म	(नि)ध --	
आ ऽ ये बा	ऽ रि वा ऽ	रे ऽ	
०	३	×	

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

४६

पिय पिय पपीहा मनता
बनता सनन सनन पवन पुरवा
करत गरज गरज घन
निनिधा निनिधा निनिधा ।

लखि मतंग वरषा अनंग
विरहा सतांवे बन बन जोगन—
बन रम पिय ढूंढन ललन पिया,
श्याम काज सजु पट भगवा
सखि कर तोंबी उठा उठा उठा रे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–मियाँ की मलार : ताल–त्रिताल

स्थाई

							सां	नि	सां	सां	नि	नि	प	सां	सां
							पि	य	पि	य	प	पी	हा	भ	न
								०				३			
सां	–	नि	नि	प	--	--	रें	नि	सां	सां	नि	नि	प	सां	सां
ता	ऽ	ब	न	ता	ऽ	ऽ	पि	य	पि	य	प	पी	हा	भ	न
×				२				०				३			
सां	–	नि	नि	प	–	प	प	प	नि	म	प	म	म	रे	प
ता	ऽ	ब	न	ता	ऽ	स	न	न	स	न	न	प	व	न	पु
×				२				०				३			
प	प	--	ग	ग	म	रे	रे	रे	सा	सा	सा	सा	नि	नि	नि
र	वा	ऽ	क	र	त	ग	र	ज	ग	र	ज	ध	न	नि	नि
×				२				०				३			
ध	नि	नि	ध	नि	नि	ध	नि	नि	सां	सां	नि	नि	प	सां	सां
धा	नि	नि	धा	नि	नि	धा	पि	य	पि	य	प	पी	हा	भ	न
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अंतरा

		म म रे प	-- प प प
		ल खि म तं	ऽ ग ब र
		०	३
प नि नि नि	– ध नि नि	नि सां सां सां	सां सां सां सां
षा ऽ अ नं	ऽ ग वि र	हा स ता वे	व न ब न
×	२	०	३
गं – गं मं	रें .सां रें रें	सां सां नि –	प प म प
जो ऽ ग न	ब न र म	पि य ढूं ऽ	ढ न ल ल
×	२	०	३
ध नि सां –	नि – नि प	– प प म	प म ग ग
न पि या ऽ	श्या ऽ म का	ऽ ज स जु	प ट भ ग
×	२	०	३
म – रे रे	सा सा रे –	– प -- --	ध नि -- ध
वा ऽ स खि	क र तों ऽ	ऽ बी ऽ ऽ	उ ठा ऽ उ
×	३	०	३
नि – ध नि	– नि ध, नि	नि सां सां नि	नि प सां सां
ठा ऽ उ ठा	ऽ रे ऽ पि	या पि य प	पी हा भ न
×	२	०	३

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५०

तनिक थम जा थम जा थम जा रे
बदरवा न गरज गरज शोर कर
पिया सों खुलवावन देरे किंवरवा ।

चपला द्युति ललन पियरवा सों मिलन दे,
इतनी बिनती मोरी ले मान
छिनक कहिं अनत तू रम जा
रम जा रम जा रे निठुरवा ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–दरबारी कान्हरा : ताल–त्रिताल

स्थाई

				–	ग	ग	म	रे	रे	रे	सा	सा	सा	रे	रे
				ऽ,	त	नि	क	थ	म	जा	थ	म	जा	थ	म
				२				०				३			
		म													
प	–	ग	--	–	ग	ग	म	रे	रे	रे	सा	सा	सा	रे	रे
जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	त	नि	क	थ	म	जा	थ	म	जा	थ	म
×				२				०				३			
प	--	ग	म	रे	रे	सा	–	नि	सा	रे	रे	सा	सा	सा	ध
जा	ऽ	रे	ब	द	र	वा	ऽ	ग	र	ज	ग	र	ज	न	शो
×				२				०				३			
–	नि	प़	प़	ध	ध	नि	सा	सा	रे	सा	रे	ग	–	ग	म
ऽ	र	क	रु	पि	या	सों	खु	ल	वा	व	न	दे	ऽ	रे	किं
×				२				०				३			
रे	रे	सा	--	–	,										
व	र	वा	ऽ	ऽ	,										
×				२											

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अन्तरा

	– म प प	ध॒ ध॒ नि॒ नि॒	सां सां – सां
	ऽ च प ला	द्यु ति म त	प्र का ऽ श
	२	०	३
सां – सां सां	रें रें रें सां	सां सां रें सां	ध॒ – ध॒ नि॒
को ऽ ऊ ऽ	नि र ख ले	ऽ गो ध र	वा ऽ रो लु
×	२	०	३
नि॒ प म प	ग॒ – ग॒ म	रे रे सा सा	नि॒ रे रे रे
ग वा मों हिं	ल ल न पि	य र वा सों	मि ल न दे
×	२	०	३
रे सा सा सा	सा सा रे सा	नि़॒ ध़॒ ध़॒ नि़॒	नि़॒ प़ प़ प़
इ त नी बि	न ती मो री	ले मा न छि	न क क हिं
×	२	०	३
प़ सा सा सा	नि़॒ नि़॒ सा रे	रे सा रे रे	ग॒ – ग॒ म
अ न त तू	र म जा र	म जा र म	जा ऽ रे नि
×	१	०	३
रे रे सा –	– ,		
ठु र वा ऽ	ऽ ,		
×	२		

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५१

मैया, मोहिं मुरलिया लै दे,
मैया, नंद बबा से दे मँगाय
नहिं हाट जाय मैं लूँ बिसाय,
मनमाने दाम मुहिं दै दे।

मणि मणिक कंचन बिहाय,
नहिं सोने रुपे की मोहिं चाहि
जस ललन मैं हूँ लघु गात
तैसि लघु मोल बंसुरी बिसै दे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–दरबारी कान्हरा : ताल–त्रिताल

स्थाई

			-- ग॒ -- म
			ऽ, मैं ऽ या
			२
(म)रे -- रे सा	नि़॒ सा रे रे	प – ग॒ –	-- ग॒ -- म
मो ऽ हिं मु	र लि या ऽ	लै ऽ दे ऽ	ऽ, मैं ऽ या
०	३	×	२
म -- रे रे	रे – सा –	नि़॒ सा रे ध़॒	-- ध़॒ नि़॒ नि़॒
नं ऽ द व	बा ऽ से ऽ	दे ऽ मैं गा	ऽ य न हिं
०	३	×	२
नि़॒ -- प़ प़	– प़ म़ प़	ध़॒ -- नि॒ सा	-- सा रे रे
हा ऽ ट जा	ऽ य मैं ऽ	लूं ऽ बि सा	ऽ य म न
०	३	×	२
ग॒ -- ग॒ म	म म प म	प – ग॒ --	--,
मा ऽ ने दा	ऽ म मु हिं	दै ऽ दे ऽ	ऽ
०	३	×	२

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

—	म	म	प	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	—	सां	सां	सां
ऽ	म	णि	मा	णि	क	कं		च	न	वि	हा	ऽ	य,	न	हिं
०				३				×				२			
सां	—	नि	सां	सां	सां	—	रें	रें	—	रें	गं	—	गं	गं	मं
सो	ऽ	ने	रू	ऽ	पे	ऽ	की	मो	ऽ	हिं	चा	ऽ	हि	ज	स
०				३				×				२			
मं	रे	रें	रें	—	सां	मां	सां	ध	—	ध	नि	—	मि	प	प
ल	ल	न	मैं	ऽ	हूँ	ल	घु	गा	ऽ	त	तैं	ऽ	सि	ल	घु
०				३				×				२			
प	—	म	म	प	प	प	प	नि	प	ग	—	—,			
मो	ऽ	ल	की	बं	सु	री	बि	सौ	ऽ	दे	ऽ	ऽ,			
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५२

मोहिं माई मुरली मोल मँगा दे, मोहिं माई
भई पुरानी मोरी बाँस बंसुरिया
अब नयी फेर बिसा दे।

नंद सो ललन लजात कहत यशु
मति सों करति विवादे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–दरबारी कान्हरा : ताल–त्रिताल

स्थाई

			म	— रे सा सा
			मी	ऽ हिं मा ई
				२
सा रे रे सा	नि सा रे रे	ग — म, म		— रे सा सा
मु र ली ऽ	मो ऽ ल में	गा ऽ दे, मो		ऽ हिं मा ई
०	३	×		२
		नि		
— नि सा रे	रे सा नि सा	ध — ध नि		नि प़ प़ —
ऽ भ ई पु	रा नी मो री	वाँ ऽ स वं		सु रि या ऽ
०	३	×		२
प़ सा सा रे	सा नि सा रे	ग — म,		
अ ब न यी	फे ऽ र वि	सा ऽ दे,		
०	३	×		

अन्तरा

— म म प	ध ध नि नि	सां — सां सां	नि सां ध ध
ऽ नं द सो	ल ल न ल	जा ऽ त क	ह त य शु
०	३	×	२
	नि		
नि नि प —	म प नि प	ग — म ,	
म ति सों ऽ	क र त वि	वा ऽ दे ऽ	
०	३	×	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५३

चलु सखि आज सैयाँ मिलन
        चलु सज शिंगार सोलहू सम्हार
बिछुरे बहु दिन के ऐयाँ ।

श्री वर वृन्दा विपिन बिहारी
        नंद ललनै पै बलि जैयाँ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–दरबारी कान्हरा : ताल–त्रिताल

स्थाई

			म रे
			च लु
रे सा – रे	सा रे प –	ग – – म	ग म, म रे
स खी ऽ आ	ऽ ज सै ऽ	याँ ऽ ऽ मि	ल न च लु
०	३	×	२
रे सा सा सा	– सा नि ध	ध नि नि प	– प प सा
स ज शि गा	ऽ र सो ऽ	ल हु स म्हा	ऽ र बि छु
०	३	×	२
सा सा सा नि	सा रे सा रे	प म प ग	– – म रे
रे ऽ ऽ ब	हु दि न के	ऐ ऽ याँ ऽ	ऽ ऽ, च लु
०	३	×	२

अंतरा

म म प प	ध ध नि नि	सां मां सां सां	सां – सां –
श्री ऽ व र	वृ ऽ न्दा ऽ	वि पि न वि	हा ऽ री ऽ
०	३	×	२
ध – ध नि	नि नि – प	प म प –	ग –, म रे
नं ऽ द ल	ल नै ऽ पै	ब लि जै ऽ	याँ –, च लु
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५४

दीरघ उठान सी अटपटी सी,
　　अलबेली अलबेली चाल चलत
　　　　नवेली नयी नयी नारी।

मनमथ मदरस रंग ढंग चुआत,
　　छवि फल नव चन्द्र गात
　　　　ललन पिया प्यारे सों परसन पधारी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–नायकी कान्हरा : ताल–त्रिताल

स्थाई

नि	नि	प	म	प	सां	–	सां	सां	–	–	नि	नि	ध	नि	–
दी	ऽ	र	घ	उ	ठा	ऽ	न	सी	ऽ	ऽ	अ	ट	प	टी	ऽ
०				३				×				२			
प	–	प	म	प	–	प	प	म	म	ग	–	म	–	रे	–
सी	ऽ	अ	ल	वे	ऽ	ली	ऽ	अ	ल	बे	ऽ	ली	ऽ	चा	ऽ
०				३				×				२			
रे	सा	सा	सा	सा	रे	-	प	प	प	म	प	नि	--	प	–
ल	च	ल	त	न	वे	ऽ	ली	न	यी	न	यी	ना	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			

अन्तरा

प	म	प	प	नि	नि	प	प	सां	सां	सां	सां	सां	सां	--	सां
म	न	म	थ	म	द	र	स	रं	ग	ढ़ं	ग	चु	आ	ऽ	त
०				३				×				२			
गं	गं	गं	मं	मं	रें	रें	--	सां	सां	--	सां	नि	नि	नि	नि
छ	वि	फ	ल	न	व	चं	ऽ	द्र	गा	ऽ	त	ल	ल	न	पि
०				३				×				२			
प	–	प	म	प	--	ग	--	म	म	रे	रे	रे	नि	--	प
या	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	सों	ऽ	प	र	स	न	प	धा	ऽ	री
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५५

माई लकुटि कमरिया काँधे,
बाँधे पट पीताम्बर कटि सों,
छवि शोभा मान अगाधे ।

गिरिवर धर नायक जन वत्सल
कर्म धर्म हित साधे
ललन पिया भजिए मन माधव
कृष्ण-चन्द्र रुकमिनि राधे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–नायकी कान्हरा : ताल–त्रिताल

स्थाई

			प म
			मा ई
म रे रे सा	नि सा रे –	प निप (म)प –	ग –, म प
ल कु टि क	म रि या ऽ	काँ ऽऽ धे ऽ	ऽ ऽ बाँ ऽ
०	३	×	२
प सां सां सां	नि – प प	प म ग म	रे – सा सा
धे ऽ प ट	पी ऽ ता ऽ	म्र र क टि	सों ऽ छ वि
०	३	×	२
सा रे नि नि	सा – रे प	प निप (म)प– प	ग – ग म
शो ऽ भा ऽ	मा ऽ न अ	गा ऽऽ धेऽ ऽ	ऽ ऽ, मा ई
०	३	×	२

अन्तरा

म म प प	नि नि प म	प प नि नि	सां – सां सां
गि रि व र	ध र ना ऽ	य क ज न	व ऽ त्स ल
०	३	×	२
गं – मं मं	– रें सां सां	सां नि सां नि	– प, प म
क ऽ मं ध	ऽ मं हि त	सा ऽ ऽ धे	ऽ ऽ ल ल
०	३	×	२
प सां सां –	नि नि प –	म प म ग	ग म रे –
न पि या ऽ	भ जि ए ऽ	म न मा ऽ	ध व कृ ऽ
०	३	×	२
रे सा – सा	नि सा रे रे	प निप (म)प –	ग –, ग म
ष्ण च ऽ न्द्र	रु क मि नि	रा ऽऽ धे ऽ	ऽ ऽ, मा ई
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५६

श्याम सुघर छवि पर बलि जैयाँ,
नैन कमल चितवन मन मैयाँ
कजरा की रेख देख हरषैयाँ ।

चन्द्रगात शोभा सुहात
रंग रस-चुआत अंग अंग सुघरैयाँ
मोर मुकुट मकराकृत कुण्डल
पीताम्बर तन अधिक सुहैयाँ ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-शहाना : ताल-त्रिताल

स्थाई

-	प	ध	म	प	प	सां	नि	सां	सां	सां	नि	ध	नि	प	-
ऽ	श्या	म	सु	घ	र	छ	वि	प	र	व	लि	जै	ऽ	याँ	ऽ
०				३				×				२			
प	म	प	सां	सां	सां	सां	नि	ध	नि	प	प	म	प	ग	-
नै	ऽ	न	क	म	ल	चि	त	व	न	म	न	मै	ऽ	याँ	ऽ
०				३				×				२			
ग	म	रे	-	सा	-	सा	म	म	प	प	नि	ध	नि	-	प
क	ज	रा	ऽ	की	ऽ	रे	ऽ	ख	दे	ख	ह	र	षै	ऽ	याँ
०				३				×				२			

अन्तरा

प	म	प	सां	-	सां	सां	-	सां	-	सां	सां	-	रें	सां	सां
चं	ऽ	द्र	गा	ऽ	त	शो	ऽ	भा	ऽ	सु	हा	ऽ	त	रं	ग
०				३				×				२			
गं	गं	मं	मं	-	रें	सां	सां	सां	सां	नि	ध	नि	-	प	-
र	स	चु	आ	ऽ	त	अं	ग	अं	ग	सु	ध	रै	ऽ	याँ	ऽ
०				३				×				२			
प	म	प	सां	सां	सां	नि	ध	नि	-	प	प	म	प,	ग	-
मो	ऽ	र	मु	कु	ट	म	क	रा	ऽ	कु	त	कुं	ऽ	ड	ल
०				३				×				२			
	म	रे	-	सा	सा	स	म	म	प	प	नि	नि	ध	नि	प
		ता	ऽ	म्ब	र	त	न	अ	धि	क	सु	है	ऽ	याँ	ऽ
				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५७

ललित मनोहर गात
पीताम्बर अति सुहात
मस्तक मलयागिरि क्रीट मुकुट—
शिर चन्द्र कला कर।

मृदुल हँसन छवि धाम दशन मृदु बैन बिराजत,
धनुष भुजा पर बरन बरन छवि कहि न जात,
कछु अवध ललन पिय सुखद सियावर ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–शहाना : ताल–त्रिताल

स्थाई

ध	प	प	ध	म	प	सां	नि	सां	–	सां	नि	ध	नि	प	प
ल	लि	त	म	नो	ऽ	ह	र	गा	ऽ	त	पी	ता	ऽ	म्ब	र
०				३				×				२			
प	म	प	सां	–	सां	नि	ध	नि	प	प	प	म	प	ग	ग
अ	ति	सु	हा	ऽ	त	म	ऽ	स्त	क	म	ल	या	ऽ	गि	रि
०				३				×				२			
ग	म	रे	सा	सा	सा	सा	म	म	–	प	प	नि	ध	नि	प
क्री	ऽ	ट	मु	कु	ट	शि	र	चं	ऽ	द्र	क	ला	ऽ	क	र
०				३				×				२			

अन्तरा

प	म	प	सां	सां	सां	सां	सां	सां	–	सां	नि	नि	सां	रें	सां
मृ	दु	ल	हँ	स	न	छ	वि	धा	ऽ	म	द	श	न	मृ	दु
०				३				×				२			
गं	–	गं	मं	रें	–	सां	सां	सां	सां	नि	ध	नि	–	प	प
भैं	ऽ	न	वि	रा	ऽ	ज	त	ध	नु	प	भु	जा	ऽ	प	र
०				३				×				२			
म	प	प	सां	सां	सां	नि	ध	नि	नि	प	प	म	प	ग	ग
ब	र	न	ब	र	न	छ	वि	क	हि	न	जा	ऽ	त	क	छु
०				३				×				२			
ग	म	रे	रे	सा	सा	सा	म	मं	प	प	प	नि	ध	नि	प
अ	व	ध	ल	ल	न	पि	य	सु	ख	द	सि	या	ऽ	व	र
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५८

हरि अनरीति करी सखि सों री ।

सनमुख ननंदि आन बरजोरी—
बैयाँ पकरि खड़ो री,
लै गरवा, मुख चूम साँवरो—
परवश आज ठगो री ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–शहाना : ताल–त्रिताल

स्थाई

निध नि प प	पम ध प म	प – प सां	सां – – नि
हुऽ रि अ न	रीऽ ऽ ति क	री ऽ स खि	सों ऽ ऽ री
२	०	३	×

अन्तरा

	प म प प	नि ध नि प	म प सां सां
	स न मु ख	न नं दि आ	ऽ न ब र
	०	३	×
सां – सां –	गं -- – मं	-- रें रें रें	सां सां नि सां
जो ऽ री ऽ	बैं ऽ ऽ यौं	ऽ प क रि	ख ड़ो ऽ ऽ
२	०	३	×
नि ध नि प	प नि प म	प -- म ग	ग म म रे
री ऽ ऽ ऽ	लै ऽ ग र	वा ऽ मु ख	चू ऽ म सौं
२	०	३	×
– रे सा –	सा सा म म	म प प नि	पम प म ग म
ऽ व रो ऽ	प र व श	आ ऽ ज ठ	गोऽ ऽ रीऽ ऽ
२	०	३	×

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

५६

राजत छवि शशि मुख सुन्दर सी,
मोर मुकुट दामिनि द्युति बरसी,
चिबुक चार कोमल कपोल—
मृदु गात अमित शोभा सुख सरसी ।

अरुन अधर सुन्दर धुनि मुरली बजत,
राग रंग रस सुर बरसी,
कटि पट पीत झलक जोबन की
लखि नंद ललन पिया जिय हरसी ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–शहाना : ताल–त्रिताल

स्थाई

प ध ध म	प प सां नि	सां सां सां नि	ध नि प --
रा ऽ ज त	छ वि श शि	मु ख सु ऽ	न्द र सी ऽ
०	३	×	२
प म प सां	सां सां नि नि	प प प निप	म प ग म
मो ऽ र मु	कु ट दा ऽ	मि नि द्यु तिऽ	ब र सी ऽ
०	३	×	२
म ग म रे	– रे सा –	सा सा सा म	-- म म प
चि बु क चा	ऽ रु को ऽ	म ल क पो	ऽ ल मृ दु
०	३	×	२
ग -- म प	म प सां –	सां – सां नि	ध नि प --
गा ऽ त अ	मि त शो ऽ	भा ऽ सु ख	स र सी ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

प म प सां	सां सां सां नि	सां सां सां सां	सां रें सां –
अ रु न अ	ध र सु ऽ	न्द र घु नि	मु र ली ऽ
०	३	×	२
सां सां सां गं	– मं रें रें	सां नि सां सां	नि ध नि प
ब ज त रा	ऽ ग रं ग	र स सु र	ब र सी ऽ
०	३	×	२
प म प सां	सां – सां नि	ध नि प –	म प ^म^ग –
क टि प ट	पी ऽ त झ	ल क जो ऽ	ब न की ऽ
०	३	×	२
ग म म –	रे सा सा म	म प प प	नि ध नि प
ल खि नं ऽ	द ल ल न	पि या जि या	ह र सी ऽ
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६०

मोहन मन मृदुल बानी,
हंसनि मधुरी माधवी मृदुवर मृदुवर—
घटा घटा छवि छायी मन भायी ।

कूक कोकिल मयूर मानो बरसत—
सुमन झर मुखते सुधाबिन्दु धौं—
प्रवाह नंद ललन बृज धन—
गुसाईं धन निकाई ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–सैहुनी कान्हरा : ताल–त्रिताल

स्थाई

										म					
ग	म	रे	सा	सा	रे	रे	प	प,	--	प	नि	प	म,	ग	म
मो	ह	त	म	न	मृ	दु	ल	बा	ऽ	नी	हूँ	स	नि,	मो	ऽ
०				३				×				२			
										म					
रे	सा	--	नि	सा	रे	रे	प	प	--	प	नि	प	म,	प	ध
ह	त	ऽ	म	न	मृ	दु	ल	बा	ऽ	नी	हूँ	स	नि	म	धु
०				३				×				२			
नि	सां	--	नि	--	प	प	--	प	म	ग	म	रे	रे	सा	सा
री	ऽ	ऽ	मा	ऽ	घ	थी	ऽ	मृ	दु	व	र	मृ	दु	व	र
०				३				×				२			
रें	म	रे	म	प	--	सां	सां	नि	--	प	ग	म	रे	--	सा
घ	टा	ऽ	घ	टा	ऽ	छ	वि	छा	ऽ	यी	म	म	भा	ऽ	यी
०				३				×				२			

अंतरा

				--,	प	म	प	सां	नि	सां	सां	सां	सां	--	सां
				ऽ,	कू	ऽ	क	को	ऽ	कि	ल	म	यू	ऽ	र
				३				×				२			
सां	--	सां	--	रें	रें	सां	सां	गं	गं	गं	मं	मं	रें	रें	सां
मा	ऽ	नो	ऽ	ब	र	स	त	सु	म	न	झ	र	मु	ख	ते
०				३				×				२			
नि	सां	--	नि	--	नि	प	--	म	प	--	प	म	ग	ग	म
सु	धा	ऽ	वि	ऽ	न्दु	धौं	ऽ	प्र	वा	ऽ	ह	नं	ऽ	द	ल
०				३				×				२			
रे	रे	सा	सा	नि	सा	रे	प	--	प	ग	म	रे	सा	--	सा
ल	न	बृ	ज	घ	न	गु	सा	ऽ	ईं	घ	न	नि	का	ऽ	ई
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६१

मैया री मैया मोरी न माने
　　ढीठ कन्हैया निरदैया ।

बैर परोरी तोरी री मोहनवा के मारे—
मैं हवी गोरसवा नवनीतवा पय न पावे री
धाय धसे गृह बृज के ललन—
　　गण लै सहैया ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–अड़ाना : ताल–त्रिताल

स्थाई

			नि नि
			मै ऽ
नि प म –	– प – सां	नि सां नि ध	– नि, प म
या ऽ री ऽ	ऽ मैं ऽ या	मो ऽ री ऽ	ऽ न, मा ने
०	३	×	२
		म	
प – ग म	रें – सा –	सा रे – म	– प,
ढी ऽ ठ क	न्है ऽ या ऽ	नि र ऽ दै	ऽ या,
०	३	×	२

अन्तरा

– म म प	ध ध नि नि	नि सां सां सां	सां सां सां सां
ऽ वै र प	रो री तो गे	रो मो ह न	वा के मा रे
०	३	×	२
सां – गं मं	– मं रें रें	सां सां सां सां	नि सां ध –
मैं ऽ ह वी	ऽ गो र स	वा न व नी	ऽ त वा ऽ
०	३	×	२
ध ध ध नि	नि नि प प	म ग – म	रे रे सा सा
प य व न	न न पा वे	री धा ऽ य	घ से गृ ह
०	३	×	२
सा सा रे म	प प ध ध	नि सां नि सां	– सां,
वृ ज के ल	ल न ग ण	ल ऽ स है	ऽ या,
०	३	×	२

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६२

पिया की नगरिया में जाय,
अपने मन की मनशा पुरौंगी,
आली आज ।

विमलन साजूँगी साज,
सोलहू श्रँगार साज
बरन बरन भूषन बसन
ललन श्याम हित सुज तने ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–मालकोष : ताल–त्रिताल

स्थाई

	म म ग म	ग ग सा –	सा नि ध नि
	पि या की न	ग रि या ऽ	में जा ऽ य
	२	०	३
सा सा म –,	म म ग म	म ध ध नि	– नि सां –
अ प ने ऽ	म न की म	न शा पु रौं	ऽ गी आ ऽ
×	२	०	३
नि नि नि ध			
ली आ ऽ ज			
×			

अन्तरा

	म म ग म	ध ध नि –	नि सा – सां
	वि म ल न	धा ऽ जूँ ऽ	गो सा ऽ ज
	२	०	३
सां – सां सां	– सां सां –	मं गं – मं	गं गं गं सां
सो ऽ ल हू	ऽ श्रृं गा ऽ	र सा ऽ ज	ब र न ब
×	२	०	३
सां सां नि नि	नि ध ध ध	म ध नि सां	– सां नि नि
र न भू ष	न व स न	ल ल न श्या	ऽ म हि त
×	२	०	३
नि नि ध ध			
सु ज त ने			
×			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६३

लै दे कमरिया कारी कारी,
मैंका मैया प्यारी प्यारी न्यारी न्यारी ।

कारी कारी कमरी कम री कीमत री
पुष्ट री, पात री, ना री, हाँ री मैया ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–मालकोष : ताल–त्रिताल

स्थाई

–, म	– म ग म	ग सा सा नि	सा सा म ग
ऽ, लै	ऽ दे क म	रि या का री	का री मैं ऽ
×	२	०	३
म – ध –	नि – नि –	ध ध – म	म – ग ग
का ऽ मै ऽ	या ऽ प्या ऽ	री प्या ऽ री	न्या ऽ री न्या
×	२	०	३
– सां –,			
ऽ री ऽ			
×			

अन्तरा

			नि
		– –, ग –	म ध – ध
		ऽ ऽ, का ऽ	री का ऽ री
		०	३
सां नि सां –	– – सां नि	सां – गं मं	गं गं सा –
क म री ऽ	ऽ ऽ क म	री ऽ की ऽ	म त री ऽ
×	२	०	३
नि ध नि सां	– नि – नि	ध – ध म	म – ग ग
पु ऽ ष्ट री	ऽ पा ऽ त	री ना ऽ री	हाँ ऽ री मैं
×	२	०	३
– सा –,			
ऽ या ऽ,			
×			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६४

कवन रंग रस पागी अलबेली
अमित भई कृशित गात चंद्रमुखि ।

काको प्रेम अनुरागो जागो प्रिय,
काको रूप शर लागो हीय,
नंद ललन मितयो री का गोरी,
हँसन बोलन सगरी रुचि त्यागी सखि ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–मालकोष : ताल–त्रिताल

स्थायी

ग म ग सा	-- नि ध नि	सा -- म ग	म ग - सा
क ब न रं	ऽ ग र स	पा ऽ गी अ	ल बे ऽ ली
०	३	×	२
ग ग ग म	म ध ध नि	नि -- ध ध	-- म म ग
अ मि त भ	ई क्ष शि त	गा ऽ त चं	ऽ द्र मु खि
०	३	×	२

अन्तरा

			म ग म ध
			का ऽ को प्रे
			२
-- ध नि नि	सां -- सां --	सां -- मं --	मं मं गं गं
ऽ म अ नु	रा ऽ गो ऽ	जा ऽ गो ऽ	प्रि य का ऽ
०	३	×	२
गं सां सां सां	सां नि(ध) नि ध	-- ध म --	म ग -- म
को ऽ रू ऽ	प श र ला	ऽ गो ही ऽ	य, नं ऽ द
१	३	×	२
ग सा सा सा	नि ध -- नि	सा -- ग --	म -- म ध
ल ल न मि	त यो ऽ री	का ऽ गो ऽ	री ऽ हँ स
०	३	×	२
ध नि नि नि	नि ध ध --	म म म --	ग -- सा सा
न वो ल न	स ग री ऽ	रु चि त्या ऽ	गी ऽ स खि
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६५

कमरिया काँधे रही न गोरी मैया,
नंद जू से कहि दे मंगा दे ।

आई हिमन्त शिशिर सी ऋतु,
ललन कहत दैया पछमा पुरवा
दखिनाई उतराई बहे रे बयार दुखदैया ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–मालकोष : ताल–त्रिताल

स्थाई

–	म	ध॒	नि॒	सां,	ध॒	–	नि॒	ध॒	म	म	ग॒	–	सा	म	ग॒
ऽ	क	म	रि	या,	काँ	ऽ	धे	र	ही	न	मो	ऽ	री	मै	ऽ
×				२				०				३			
म,	–	–	ग॒	–	म	ग॒	–	सा	नि॒	नि॒	सा	–	म	ग॒	म
या,	ऽ	ऽ	नं	ऽ	द	जू	ऽ	से	क	हि	दे	ऽ	मं	गा	दे
×				२				०				३			

अन्तरा

ग॒	ग॒	म	म	–	म	ध॒	ध॒	ध॒	नि॒	–	सां	सां	सां	सां	सां
आ	यी	हि	म	ऽ	न्त	शि	शि	र	सी	ऽ	ऋ	तु	ल	ल	न
×				२				०				३			
सां	सां	सां	गं॒	–	मं	मं	मं	गं॒	गं॒	सां	सां	सां	नि॒	ध॒	नि॒
क	ह	त	दैं	ऽ	या	प	छ	मा	पु	र	वा	द	खि	ना	ई
×				२				०				३			
ध॒	ध॒	म	म	म	ग॒	–	सा	सा	–	नि॒	सा	सा	म	ग॒	म
उ	त	रा	ई	ब	हे	ऽ	रे	ब्या	ऽ	र	दु	ख	दैं	ऽ	या
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६६

जी मिलन को तरसन लागो
धीर धरु सखि
करूँ कोटि जतन तोरे काज आज
तरसन लागो ।

फूलन सिजिया साज आज
कर श्रृंगार नयी भाँति
मैं पधार कुंज ढूँढ लाऊँ
बृजराज महाराज
ललन पिया प्रीति दोउन उपजाऊँ
अनुराग रस री आज ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–मालकोष : ताल–त्रिताल

स्थाई

				–	ा	–	म	ग	म	ग	सा	सा	नि	ध	नि
				ऽ,	जी	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	त	र	स	न
				२				०				३			
सा	–	म	–	–,	म	ग	म	ध	ध	म	म	ध	ध	नि	–
ला	ऽ	गौ	ऽ	ऽ,	धी	ऽ	र	ध	रु	स	खि	क	रुँ	को	ऽ
×				२				०				३			
नि	नि	ध	ध	मं	–	म	म	–	ग	ग	सा	सा	नि	ध	नि
टि	ज	त	न	तो	ऽ	रे	का	ऽ	ज	आ	ज	त	र	स	न
×				२				०				३			
सा	–	म	–	–,											
ला	ऽ	गो	ऽ	ऽ,											
×				२											

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

			म ग ग म
			फू ल न सि
			३
म म ध ध	नि नि सां सां	सां सां – सां	नि नि – सां
जि या सा ज	आ ज क र	शृं गा ऽ र	न यी – भाँ
×	२	०	३
– सां गं –	ग सां – सां	गं – गं मं	– मं गं गं
ऽ ति मैं ऽ	सि धा ऽ र	कुं ऽ ज ढूं	ऽ ढ़ ला ऊँ
×	२	०	३
सां सां सां सां	नि सां – नि	– ध नि नि	ध ध म –
बृ ज रा ज	म हा ऽ रा	ऽ ज ल ल	न पि या ऽ
×	२	०	३
म – ग म	ग सा सा सा	नि ध नि नि	सा – सा ग
प्री ऽ ति दो	उ न उ प	जा ऊँ अ नु	रा ऽ ग, र
×	२	०	३
ग ग म –	म, म – म	ग म ग सा	सा नि ध नि
स री आ ऽ	ज, जी ऽ मि	ल न को ऽ	त र स न
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६७

बिन मोहन यार कैसे कटेंगे दिन,
तजि मधुपुर माधो मिलन
अस कर सजनी री कोउ जतन।

हरि बल दोउ दृग के तारे भये ओट
हमारे बिरह मारे डारे हाँ रे,
बैरी अक्रूर प्रकटो आन ललन,
जीवन प्रान कान्ह छिन में न्यारे किये बरन॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–चन्द्रकोंस : ताल–त्रिताल

स्थाई

	ग म	ग सा सा नि	ध नि सा सा
	बि न	मो ह न या	ऽ र कै से
		०	३
सा म ग म	ग सा, सा सा	नि – ध ध	नि नि सा सा
क टैं ऽ गे	दि न, च लु	गो ऽ कु ल	त ज म धु
×	२	०	३
सा सा ग –	ग म म म	म ध ध नि	नि ध म म
पु र मा ऽ	धो मि ल न	अ स क र	स ज नी री
×	२	०	३
म – ग म	म सा		
को ऽ उ ज	त न		
×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

			ग॒ ग॒
			ह रि
म म म म	ध ध नि॒ नि॒	सां -- सां सां	सां सां सां नि
व ल दो उ	दृ ग के ऽ	ता ऽ रे भ	ये ऽ ओं ऽ
×	२	०	३
नि सां सां सां	गं॒ मं मं मं	-- गं सां सां	नि॒ -- सां --
ट ह मा रे	वि र ह मा	ऽ रे डा रे	हाँ ऽ रे ऽ
×	२	०	३
नि॒ -- ध --	ध म -- म	म ग॒ म ग॒	-- सा सा सा
वै ऽ री ऽ	अ क्रू ऽ र	प्र क टो आ	ऽ न ल ल
×	२	०	३
सा नि़॒ नि़॒ नि़॒	ध़ -- ध़ म़	-- म़ ध़ ध़	नि़॒ सा -- सा
न जी व न	प्रा ऽ न का	ऽ न्ह छि न	में न्या ऽ रे
×	२	०	३
ग॒ म म ग॒	सा सा		
कि ये ऽ ब	र न		
×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६८

कोयलिया मारे डारे
कूकत सुनत कूक उठत हूक ।

पिया पिया धुनि धारे
बैरी पपीहा मानत नाहीं
ललन श्याम सों एती कहियो मोरी जाय
बेगि मिलो मुँहिका साँवरिया रे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–सुहासुघरई : ताल–त्रिताल

स्थाई

													म	ग	म
													को	ऽ	ऽ
रे	सा	–	ग	–	म	प	प	प	–	ग	–	(म)ग	--,	मग	म
य	लि	ऽ	या	ऽ	मा	ऽ	रे	डा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ,	कोऽ	ऽ
०				३				×				२			
रे	सा	–	ग	–	म	प	प	प	–	–	(म)ग	–	--,	म	प
य	लि	ऽ	या	ऽ	मा	ऽ	रे	डा	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ,	क्	ऽ
०				३				×				२			
नि	नि	प	म	प	म	ग	म	रे	सा	रे	ग	--	ग,	गम	पम
क	त	सु	न	त	कू	ऽ	क	उ	ठ	त	हू	ऽ	क,	कोऽ	ऽऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

								प	म	प	प	नि	प	म	प
								पि	या	पि	या	धु	नि	धा	रे
								×				२			
सां	नि	सां	--	सां	सां	सां	--	नि	नि	प	प	म	म	प	प
बै	ऽ	री	ऽ	प	पी	हा	·ऽ	पि	या	पि	या	धु	नि	धा	रे
०				३				×				२			
सां	नि	सां	--	सां	सां	सां,	रें	रें	सां	सां	सां	गं	गं	मं	मं
बै	ऽ	री	ऽ	प	पी	हा,	मा	न	त	ना	हीं	ल	ल	न	श्या
०				३				×				२			
--	रें	सां	--	सां	नि	सा	रें	रें	सां	सां	नि	सां	नि	--	प
ऽ	म	सों	ऽ	ए	ऽ	ती	क	हि	यो	मो	ऽ	री	जा	ऽ	य
०				३				×				२			
प	म	म	ग	म	रे	रे	सा	रे	सा	रे	ग	--	ग,	गम	पम
वे	ऽ	गि	मि	लो	मु	हिं	का	साँ	व	रि	या	ऽ	रे,	कोऽ	ऽऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६६

सब रंगन रंग लायी सब रंग सों,
पै मैं रंग लायी तोरा रंग करके चतुराई।

मैं अकेली वा संग परि कर
बहु लाज, कपट, छल बल सकुचत भय
तात, मात, भ्रात, पती, कुल, सहेली लोककानि
नवल गात नव स्वरूप छवि अनूप
झिझक प्रान इन ठगन ठग लायी
ललन पिया श्याम सुंदर तोरी दुहाई॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

–	ध	प	ध	म	प	ग	म	ध	–	प	–	म	नि	ध	प
ऽ	स	ब	रं	ग	न	रं	ग	ला	ऽ	यी	ऽ	स	ब	रं	ग
०				३				×				२			
प,	प	प	ध	म	प	ग	म	ध	–	प	–	–,	म	म	ध
सों,	स	ब	रं	ग	न	रं	ग	ला	ऽ	यी	ऽ	ऽ,	स	ब	रं
०				३				×				२			
नि	ध	प	–	प	सां	–	सां	–	ध	–	प	प	म	ध	ध
ऽ	ग	सों	ऽ	पै	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	रं	ऽ	ग	ला	ऽ	यी	तो
०				३				×				२			
प	प	म	म	–	ग	रे	सा	सा	–	सा	ग	–	म	प	ध
ऽ	रा	ऽ	रं	ऽ	ग	क	र	के	ऽ	च	तु	ऽ	रा	ऽ	ई
०				३				×				२			

नि

ऽ,

०

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अंतरा

								म	-	म	ध	ध	ध	नि	नि
								मैं	ऽ	थ	के	ऽ	ली	वा	ऽ
								×				२			
सां	सां	सां	सां	सां	सां	नि	रें	सां	-	सां	गं	गं	गं	रें	रें
सं	ग	प	रि	क	र	ब	हु	ला	ऽ	ज	क	प	ट	छ	ल
०				३				×				२			
गं	गं	रें	गं	रें	रें	सां	मां	नि	-	सं	ध	-	प	ध	-
व	ल	स	कु	च	त	भ	य	ता	ऽ	त	मा	ऽ	त	आ	ऽ
०				३				×				२			
ध	प	म	म	ग	रे	सा	सा	सा	-	नि	सा	-	सा	ग	ग
त	प	ति	कु	ल	स	हे	ली	लो	ऽ	क	का	ऽ	नि	न	व
०				३				×				२			
म	प	-	प	म	म	मे	ध	-	ध	नि	नि	नि	सां	-	सां
ल	गा	ऽ	त	न	व	स्व	रू	ऽ	प	छ	वि	अ	नू	ऽ	प
०				३				×				२			
रें	गं	रें	गं	-	गं	रें	गं	रें	सां	नि	सां	रें	सां	-	सां
झि	झ	क	प्रा	ऽ	न	इ	न	ठ	ग	न	ठ	ग	ला	ऽ	यी
०				३				×				२			
सां	नि	सां	ध	ध	प	-	प	ग	ग	ग	प	-	प	नि	ध
ल	ल	न	पि	या	श्या	ऽ	म	सुं	द	र	तो	ऽ	री	दु	हा
०				३				×				२			
नि	,														
ई	,														
०															

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७०

डगर मोरी छाँड़ो छाँड़ो छैलवारे,
मोरी मानो जी मानो जी मानो जी नटवारे ।

गलिन गलिन को जांचत
डोलत बानि कहि तिहारी
ललन पिया नटखटवा
बैयाँ न गहो मोरी
ना गहो ना गहो ऐसे फैलवारे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-भैरवी : ताल-त्रिताल

स्थाई

सां	प	प	ध	प	ग	–	म	ध	–	प	म	ग	म	ग	रेसा
ड	ग	र	मो	री	छाँ	ऽ	ड़ो	छाँ	ऽ	ड़ो	छै	ऽ	ल	वा	रे
०				३				×				२			
सा	–	नि	ध	नि	सा	ग	रे	ग	म	प	म	ग	ग	रे	सा
मो	ऽ	री	मा	नो	जी	मा	नो	जी	मा	नो	जी	न	ट	बा	रे
०				३				×				२			

अन्तरा

				–,	म	ग	म	ध	ध	नि	नि	सां	–	सां	सां
				ऽ,	ग	लि	न	ग	लि	न	को	जां	ऽ	च	त
				३				×				२			
रें	सां	सां	सां	नि	–	नि	सां	सां	गं	रें	गं	गं	रें	सां	सां
डो	ऽ	ल	त	बा	ऽ	नि	क	हि	ति	हा	री	ल	ल	न	पि
०				३				×				२			
सां	नि	ध	नि	सां	सां	रें	सां	सां	नि	सां	ध	प	–	म	ग
या	न	ट	ख	ट	वा	बैं	ऽ	याँ	ना	ऽ	ग	हो	ऽ	मो	री
०				३				×				२			
प	–	प	ध	नि	नि	ध	प	म	ग	ग	रे	म	ग	रे	सा
ना	ऽ	ग	हो	ऽ	ना	ऽ	ग	हो	ऽ	ऐ	से	फै	ल	वा	रे
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७१

ललित छवि बाँकी बाँकी,
सैयाँ की लागे ललित छवि बाँकी
जगमगात ज्योति जोबनवाँ की—
शशि मुख की ।

उमँग रह्यो उमँग सों मदन तन प्यारे
ललन पिया की प्यारी बतियाँ नीकी लगैं
जी को ठगैं भई उन्हीं की रे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-भैरवी : ताल-त्रिताल

स्थाई

स प प ध	प म ग म	प – प म	ग म ग रे सा
ल लि त छ	वि बाँ ऽ की	बाँ ऽ की सै	याँ कीऽ ला गे
०	३	×	२
ग म ध प	प ग – म	ध ध नि सां	– सां सां रें
ल लि त छ	वि बाँ ऽ की	ज ग म गा	ऽ त ज्यों ऽ
०	३	×	२
सां – – पां	नि सां नि ध	प – ग म	ग रे सा –
ति ऽ ऽ जो	ब न वा ऽ	की ऽ श शि	मु ख की ऽ
०	३	×	२

अन्तरा

म
उ

ग म म ध	– नि सां नि	सां सां सां नि	रें रें सां सां
मँ ग र ह्यो	ऽ उ मँ ग	सों म द न	त न प्या रे
०	३	×	२
नि नि नि सा	सां गं रें गं	रें रें सां सां	सां नि सां ध
ल ल न पि	या की प्या री	ब ति याँ ऽ	मी ऽ की ला
०	३	×	२
प – प ध	ध प म ग	ग म म ग	– रे – सा
गैं ऽ जि या	को ठ गैं ऽ	भ ई उ न्हीं	ऽ की ऽ रे
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७२

छाँड़ अचरा मोरा
मोरा एजी एजी
माई वाले ढीठ ढोटा माने ।

लाज लगत न लगत जो मग बीच
ललन पिया निरखत सखियाँ मोहें,
जा जारे जानूँ सब छल बल तेरा
तेरा घनेरा एजी एजी
माई वाले ढीठ ढोटा मान ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

प – प ध	म प ग म	ध – प -	–, नि ध नि ध
छाँ ऽ ड़ अ	च रा मो रा	मो ऽ रा ऽ	ऽ एऽ ऽ जी
०	३	×	२
प – प ध	म प ग म	ध – प –	–, नि ध नि
छाँ ऽ ड़ अ	च रा मो रा	मो ऽ रा ऽ	ऽ, ए ऽ जी
०	३	×	२
ध प म ग	रे ग म॑ –	म ग रे, म	ग रे – सा
ए जो मा ई	वा ले ढी ऽ	ठ ढो ऽ टा	ऽ मा ऽ न
०	३	×	२

अंतरा

			ग – ग म
			ला ऽ ज ल
			२
ध नि ध नि	नि नि सां सां	सां सां – सां	नि नि नि सां
ग त न ल	ग त जो म	ग बी ऽ च	ल ल न पि
०	३	×	२
सां ग रें मं	गं रें सां सां	सां नि नि सां	– नि ध प
या नि र ख	त स खि याँ	मो हें जा जा	ऽ रे जा नू
०	३	×	२
ध नि ध प	म ग रे सा	सा ग – म	प प प नि
स ब छ ल	ब ल ते रा	ते रा ऽ घ	ने ग ए जी
०	३	×	२
ध प म ग	रे म म॑ –	म ग रे म	ग रे सा सा
ए जी मा ई	वा ले ढी ऽ	ठ ढो ऽ टा	ऽ मा ऽ न
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७३

निडर ऐसो का करूँ कान्हा—
सखी री पनघट की बाट बिच,
बरजोरी कीन्हीं ।

बार-बार बरजो बिहारी,
ललन पिया मैं वासों हारी,
उलट दीन्ही गारी, अँग लीन्ही ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

		प प	प प – ध
		नि ऽ	र ऐ ऽ सो
			२
ध – प म	ग म प ध	प –, ध नि	ध प म ग
का ऽ क रूँ	का न्हा स खि	री ऽ, प न	घ ट की बा
०	३	×	२
रे ग म म	म ग रें ग	रे सा,	
ऽ ट बि च	ब र जो री	की न्हीं,	
०	३	×	

अन्तरा

		म – म ध	– ध नि नि
		बा ऽ र बा	ऽ र ब र
		×	२
सां – – नि	सां रें सां –	ध – म ध	– ध नि नि
जो ऽ ऽ वि	हा ऽ री ऽ	बा ऽ र बा	ऽ र ब र
०	३	×	२
सां रें सां सां	गं गं गं रें	रें रें सां नि	रें सां, सां नि
जो बि हा री	ल ल न पि	या मैं वा सों	हा री, उ ल
०	३	×	२
सां ग – प	म ग म ग	रे सा,	
ट दी ऽ न्हीं	गा री अं ग	ली न्हीं,	
०	३	×	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७४

अब मोसे बार-बार ऐसो गँवार,
एरी सखि मग चलत रोकत
मग चँचल चपल
चित चलाँक करत रार।

कहत ललन पिया माने न मनमोहन
नटखट इत उत ठाढ़ो ही रहत नंदकुमार ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग-भैरवी : ताल-त्रिताल

स्थाई

			नि सा ग म
			अ ब मो से
			३
प – ध प	– प म ग	रे सा – सा,	सा रे सा नि
बा ऽ र बा	ऽ र ऐ सो	गं बा ऽ र	ए री स खि
×	२	०	३
सा सा ग ग	ग म प म	ध प, ध नि	नि ध प म
म ग च ल	त रो क त	म ग चैं च	ल च प ल
×	२	०	३
म ध ध प	म ग ग म	ग रे सा सा	
चि त च लाँ	ऽ क क र	त रा ऽ र	
×	२	०	

अन्तरा

		म ग म ध	ध ध नि नि
		क ह त ल	ल न पि या
		०	३
सां सां सां नि	सां रें सां सां	सां रें सां नि	ध ध प प
मा ने न म	न मो ह न	न ट ख ट	इ त उ त
×	२	०	३
म ध ध प	म ग ग म	ग रे सा सा	
ठा ढ़ो ढ़ी र	ह त नं द	कु मा ऽ र	
×	२	०	

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७५

अब तोरी मोहनी मोहनी मूरत
मदन मोहन देख व्याकुल भयो,
बाँकी मधुरी हंसन।

कल न परत पल छिन
नंद के ललन प्यारे बिन
मन हर लियो बाँकी—
बाँकी मधुरी हंसन॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

ग	म	प	ध	प	प	प	ध	प	म	ग	म	ग	रे	सा	सा
अ	ब	तो	री	मो	ह	नी	मो	ह	नी	मू	र	त	म	द	न
३				×				२				०			
नि	ध	नि	सा	–	सा	ग	रे	ग	म	मं	म	ग	रे	सा	सा
मो	ह	न	दे	ऽ	ख	व्या	कु	ल	भ	यो	री	त	न	म	न
३				×				२				०			

अन्तरा

												ग	म	म	ध
												क	ल	न	प
												०			
ध	ध	नि	नि	सां	सां	रें	गं	गं	रें	रें	रें	सां	नि	रें	सां
र	त	प	ल	छि	न	नं	द	के	ल	ल	न	प्या	रे	बि	न
३				×				२				०			
नि	सां	नि	ध	प	म	प	ध	प	म	ग	म	ग	रे	सा	सा
म	न	ह	र	जि	यो	बाँ	की	बाँ	की	म	धु	री	हैं	स	न
३				×				२				०			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७६

जारे सैयाँ गहु ना मोरी बैयाँ,
मुरली नरम कलैयाँ,
बलि-बलि जैयाँ
सैयाँ गहु ना मोरी बैयाँ।

(१) तुम निरदई न दरद जिय लावत
विनती करत तोरी परत हूँ प्यारे पैयाँ
सैयाँ गहु न मोरी बैयाँ,

(२) नंद ललन न अब तो लरकान तैं,
तजत जो निपटे न लरकैयाँ लंगरैयाँ
सैयाँ गहु न मोरी बैयाँ,

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

				–,	ध	–	नि	सा	ग	रे	सा	सा	नि	ध	नि
				ऽ,	जा	ऽ	रे	सैं	याँ	ग	हु	ना	मो	ऽ	री
				२				०				३			
सा	रे	सा	–	–,	ग	म	ग	म	म	प	ध	प	म	प	म
बैं	ऽ	याँ	ऽ	ऽ,	मु	र	की	न	र	म	क	लै	ऽ	याँ	ऽ
×				२				०				३			
–	ग	रे	म	ग	रे	रेसा	सा	–,	रे	ग	रे	सा	नि	ध	नि
ऽ	ब	लि	ब	लि	जैं	ऽऽ	याँ	ऽ,	सैं	याँ	ग	हु	ना	मो	री
×				२				०				३			

अन्तरा

				ग	ग	म	म	ध	नि	ध	नि	नि	सां	सां	रें
				तु	म	नि	र	द	ई	न	द	र	द	जि	य
				२				०				३			
सां	नि	सां	सां	रें	सां	सां	सां	नि	सां	ध	प	प	ध	प	म
ला	ऽ	व	त	वि	न	ती	क	र	त	तो	री	प	र	त	हूँ
×				२				०				३			
म	ग	रे	म	ग	रे	–	सा	–,	रे	ग	रे	सा	नि	ध	नि
ऽ	प्या	ऽ	रें	ऽ	पै	ऽ	याँ	ऽ,	सैं	याँ	ग	हु	न	मो	री
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७७

लगायी मोसे बाँकुरी प्रीत, बावरी बनायी ।
बिसरायी सुधि तन मन की सखि ।।

सजनवाँ की अलबेली-अलबेली रीति ,
नये-नये ढँग ललन पिया नोखेई करत ।
का करूँ का करूँ वासों जीत जनि परखी ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

											ग	ग	म	प	ध
											ल	गा	यी	मो	से
								०				३			
प	–	ध	प	–	म	ग	म	ग	रे	सा,	रे	सा	नि	ध	नि
वाँ	ऽ	कु	री	ऽ	प्री	ऽ	त	बा	व	री,	व	ना	यी	वि	सा
×				२				०				३			
सा	रे	सा	सा	ग	रे	म	ग	रे	सा	सा,					
रा	यी	सु	धि	त	न	म	न	की	स	खि.					
×				२				०							

अन्तरा

								–	म	ग	म	ध	ध	नि	नि
								ऽ	स	ज	न	वाँ	की	अ	ल
								०				३			
सां	सां	सां	रें	सां	नि	मां	सां	सां	सां	गं	गं	रें	रें	सां	सां
बे	ली	अ	ल	बे	ली	री	ति	न	ये	न	यें	ढं	ग	ल	ल
×				२				०				३			
सां	रें	सां	नि	सां	सां	सां	नि	नि	ध	नि	नि	ध,	ध	प	म
न	नि	या	नो	खे	ई	क	र	त	का	ऽ	क	रूँ,	का	क	रूँ
×				२				०				३			
ध	–	प	म	–	ग	ग	म	ग	रे	सा,					
वा	ऽ	सों	जी	ऽ	त	ज	नि	प	र	खी					
×				२				०							

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७८

एजी एजी छैला रे छाँड़ दे लरकैयाँ ।
डगर वगर गरवा डार मरोरी बैयाँ ।।

निपट निठुर जानि जिय सकुचैयाँ ।
अनोखी करत हम सों लंगरैयाँ ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

												सा	नि	ध	नि
												ए	जी	ए	जी
												२			
सा	ग	ग	रे	सा	नि	ध	नि	सा	रे	सा	–	ग	ग	ग	म
छैं	ला	रे	छाँ	ड	दे	ल	र	कै	ऽ	याँ	ऽ	ड	ग	र	ब
०				३				×				२			
प	प	ध	प	प	म	–	ग	ग	रे	–	म	ग	रे	–	सा
ग	र	ग	र	बा	डा	ऽ	र	म	रो	ऽ	री	ऽ	बै	ऽ	याँ
०				३				×				२			

अन्तरा

ग	म	म	ध	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	नि	सा	रें	सां	सां
नि	प	ट	नि	ठु	र	ज	नि	जि	य	म	कु	चै	ऽ	याँ	ऽ
०				३				×				२			
सां	रिं	–	सां	–	ध	प	ध	ध	प	म	ग	म	ग	रे	सा
अ	नो	ऽ	खी	ऽ	क	र	त	ह	म	सों	लं	ग	रै	ऽ	याँ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

७९

कवन विधि जाउं डगर विच ठाड़ो—
भवन की बारी बिहारी बरजोरी करें।

शीश मटुकिया जल भरी बिराजे,
दूजे अकेली नवेली गात मोरी
ललन पिया आज लाज दइ रे दइ रे धरें।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–भैरवी : ताल–त्रिताल

स्थाई

		, सा	नि सा ग म
		, क	व न बि धि
			३
प ध प –	प म ग म	ग रे सा, सा	नि सा ग म
जा ऽ ऊँ ऽ	ड ग र वि	च ठा ढ़ो, भ	व न बि धि
×	२	०	३
प ध प प	प म ग म	ग रे सा, रे	रा सा नि ध
जा ऽ उँ, ड	ग र वि च	ठा ऽ ढ़ो, भ	व न की वा
×	२	०	३
ध नि सा सा	ग रे म ग	रे सा –,	
री बि हा री	व र जो री	क रें ऽ,	
×	२	०	

अंतरा

		म ग म म	ध ध नि नि
		शी ऽ श म	टु कि या ऽ
		०	३
सां सां रें सां	सां सां -- सां	नि – सां –	सां सां ग रें
ज ल भ री	वि रा ऽ जे	दू ऽ जे ऽ	अ के ली न
×	२	०	३
गं गं रें --	रें सां -- सां	नि नि नि सां	सां ध – ध
वे ली गा ऽ	त मो ऽ री	ल ल न पि	या आ ऽ ज
×	२	०	३
प प म ग	ग रे म ग	रे सा –,	
ला ऽ ज द	इ रे द इ	घ रें ऽ,	
×	२	०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८०

अजब दृग आँजो अंजनवा निरखि।
नैना मारी कटारी, मोरी जिया सों सखि।।

भौं कमान दृग बान तान चितवन,
तन मन वच क्रम कर वश कीन्हों,
नंद ललन पिया मोहयो जिया, मोरा–
प्रिया सों सखि।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग-भैरवी : ताल-त्रिताल

स्थाई

		ग	ग म प ध
		अ	ज ब दृ ग
			३
प - ध प	म ग म ग	रे सा सा, सा	मा नि ध नि
आँ ऽ जो ऽ	अँ ज न वा	नि र खि, नै	ना मा री क
×	२	०	३
सा रे सा -	ग रे म ग	रे सा सा ,	
टा ऽ री ऽ	मो रे जि या	सों स खि ,	
×	२	०	

अंतरा

		ग - म ध	- ध नि नि
		भौं ऽ क मा	ऽ न दृ ग
		०	३
सां - रें सा	- सां सां नि	सां सां गं गं	रे रें गं गं
वा ऽ न ता	ऽ न चि त	व न त न	म न व च
×	२	०	३
रें रें सां सां	नि नि सां सां	सां - नि सां	नि ध प प
क्र म क्र र	व श की न्हों	नं ऽ द ल	ल न पि या
×	२	०	३
ध प-- म ग	रे ग म ग	रे सा सा	
मो हयो जि या	मो रा प्रि या	सों स खि,	
×	२	०	

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८१

वारी मैं मोरी नंनदिया वारी वारी,
कैसे के जाउँ घटवा भरन पनियाँ,
मैं गोरि जानत नहिं बाट घाट,
दूजे सुनत मग रोकत लंगरवा रे।

बीर वहेर चलु मोरे संग,
तू आज मेहर इतनी कर
एसान मोपर नंद के ललन
सन डरत जियरा रे॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग-भैरवी : ताल-त्रिताल

स्थाई

						नि	ध	प	–	ध	प	म	प	ग	म
						वा	री	मैं	ऽ	मो	री	न	न	दि	या
								०				३			
प	–	ध	प	–	प,	म	ध	ध	ध	प	म	प	म	ग,	म
वा	ऽ	री	वा	ऽ	री	कै	से	के	जा	ऽ	उँ	घ	ट	वा,	भ
×				२				०				३			
ग	म	ग	रे	सा	–	मा	रे	सा	–	सा	नि	ध	नि	सा	सा
र	न	प	नि	याँ	ऽ	मैं	ऽ	गो	ऽ	रि	जा	न	त	न	हिं
×				२				०				३			
सा	ग	रे	ग	–	ग	ग	प	प	प	प	ध	ध	नि	नि	सां
वा	ऽ	ट	घा	ऽ	ट	दू	जे	सु	न	त	म	ग	रो	ऽ	क
×				२				०				३			
सां	नि	नि	ध	ध	प,										
त	लं	ग	र	वा	रे,										
×				२											

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

	म —	म ध ध ध	नि नि सां सां
	वी ऽ	र वे ह र	च लु मो रे
		०	३
सां सां रें सां	— सां रें गं	गं गं रें रें	सां नि रें सां
सं ग तू आ	ऽ ज मे ह	र इ त नी	क र ए सा
×	२	०	३
— सां सां नि	नि सां — सां	ध — प प	प म ग प
ऽ न मो प	र नं ऽ द	के ऽ ल ल	न स न ड
×	२	०	३
प प म ध	ध प .		
र त जि य	रा रे ,		
×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८२

देखी बतियाँ घतियाँ नटखट की,
राार करत वो तो ढीठ लंगर—
ऐसो, रोकत मग पनघट की।

दधि सों भरी मटकिया हमरी
चटक मटक भुइं पटकी
चटक चुनरिया झटक बिशारी
ललन पिया अति हट की॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-परज : ताल-त्रिताल

स्थाई

														रें॒	सां
														दे	खी
नि	सां	नि	ध॒	प	प	म॑	ध॒	नि	नि	सां	–	–	–,	रें॒	सां
ब	ति	याँ	घ	ति	याँ	न	ट	ख	ट	की	ऽ	ऽ	ऽ,	दे	खीं
०				३				×				२			
नि	सां	नि	ध॒	प	प	ध॒	प	म॑	ग	ग	म	म	ग	रे॒	सा
रा	ऽ	र	क	र	त	वो	तो	ढी	ऽ	ठ	लं	ग	र	ऐ	सो
०				३				×				२			
सा	सा	ग	ग	म॑	म॑	ध॒	ध॒	नि	नि	सां	–	–	–	,	
रो	ऽ	क	त	म	ग	प	न	घ	ट	की	ऽ	ऽ	ऽ	,	
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प	ध॒	म॑	–	ध॒	नि	–	नि	सां	सां	सां	–	रें॒	सां	सां	–
द	धि	सों	ऽ	भ	री	ऽ	म	टु	कि	या	ऽ	ह	म	री	ऽ
०				३				×				२			
नि	ध॒	प	–	म॑	ध॒	–	नि	सां	सां	सां		रें॒	सां	सां	–
द	धि	सों	ऽ	भ	री	ऽ	म	टु	कि	या	ऽ	ह	म	री	ऽ
०				३				×				२			
–	–	नि	रें॒	गं	गं	रें॒	सां	नि	सां	नि	ध॒	प	–	प	ध॒
ऽ	ऽ,	च	ट	क	म	ट	क	भु	ईं	प	ट	की	ऽ,	च	ट
०				३				×				२			
–	प	–	ग	ग	म	ग	–	ग	म	म	ग	रे॒,	रे॒	सा	–
ऽ	क	ऽ	चु	न	रि	या	ऽ	झ	ट	क	बि	गा	ऽ	री	ऽ
०				३				×				२			
नि़	सा	ग	ग	म॑	म॑	ध॒	ध॒	नि॒	नि॒	सां	–	–	–	,	
ल	ल	न	पि	या	ऽ	अ	ति	ह	ट	की	ऽ	ऽ	ऽ	,	
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८३

ये सखि मद पिला दे पिया को आज,
हमरी सौं प्याला भरि भरि कर आज
रैन चैन ऐन जागे मम भाग ॥

वहुत दिनन पाछे गुइयाँ आये मोरे भौन
सैयाँ निंदिया बिरह दुख बिहइयाँ
नंद ललन की बलि जैयाँ
सुफल कीन्हों शुभ सुहाग ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-परज : ताल-त्रिताल

स्थाई

			म़ ग म ध
			थे ऽ स खि
			३
नि सां नि सां	— सां नि सां	नि ध -- प,	प म ग म
म द पि ला	ऽ दे पि या	को आ ऽ ज,	ह म री ऽ
×	२	०	३
ग — म ग	म ग रे सा	नि़ सा ग --	ग म -- ध
सौं ऽ प्या ला	भ रि भ रि	क र आ ऽ	ज रै ऽ न
×	२	०	३
नि सां नि सां	— रें सां नि	सां नि ध प,	
चै ऽ न ऐ	ऽ न जा गे	म म भा ग	
×	२	०	

अन्तरा

		म म ग म	-- ध नि नि
		ब हु दि ना	ऽ न पा छे
		०	३
सां-- सां नि रें	सां नि सां नि	ध प ध प	म ग म ग
गुइ याँ आ ये	मो रे भौं न	सैं याँ नि दि	या बि र ह
×	२	०	३
म ग रे सा	-- सा सा सा	ग ग ग ग	म ध नि नि
दु ख बि ह	इ याँ नं न	ल ल न की	ब लि जै याँ
×	२	०	३
सा रें नि सां	-- सां नि सां	नि ध -- प.	
सु फ ल की	ऽ न्हों शु भ	सु हा ऽ ग,	
×	२	०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८४

मोसे बतियाँ करत छल बल की,
ढीठ ढिठाई नहीं छाँड़त छबीले छैला
बार-बार बिनती बलि बलि की ।

सोय आये सौतन की सिजिया
अब प्रभात मूरत झलकी
ललन पिया मैं कहँ लग बरजूं
बिसर गयी तुहि सुधि कल की ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–परज : ताल–त्रिताल

स्थाई

रे सां

मो से

नि	सां	नि	ध॒	प	प	म॑	ध॒	नि	नि	सां	--	सां	नि.	ध॒	प
ब	ति	याँ	क	र	त	छ	ल	ब	ल	की	ऽ	ढी	ठ,	ढि	ठा
०				३				×							
--	प	ध॒	प	ग	म	ग	ग	ग	ग	रे॒	सा	--	सा,	सा	नि़
ऽ	ई	न	हिं	छाँ	ऽ	ड़	त	छ	बी	लो	छैं	ऽ	ला,	बा	ऽ
०				३				×				२			
सा	ग	--	ग	म॑	म॑	ध॒	--	नि	नि	सां	रे॒	सां	--,		
र	बा	ऽ	र	बि	न	ती	ऽ	व	लि	व	लि	की	ऽ		
०				३				×				२			

अन्तरा

म॑	--	ग	म॑	--	ध॒	नि	--	सां	सां	सां	रें॒	सां	नि	सां	--
सो	ऽ	य	आ	ऽ	ये	सौ	ऽ	त	न	की	ऽ	सि	जि	या	ऽ
०				३				×				२			
नि	सां	गं	रे॒	--	सां	सां	--	सां	रें॒	सां	रें॒	नि	सां	नि	ध॒
अ	ब	प्र	भा	ऽ	त	मू	ऽ	र	त	झ	ल	की	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
नि	सां	नि	ध॒	प	--	ध॒	प	प	म॑	ग	म	ग	रे॒	सा	सा
ल	ल	न	पि	या	ऽ	मैं	ऽ	क	हूँ	ल	ग	ब	र	जूँ	ऽ
०				३				×				२			
नि़	सा	ग	म	प	म॑	ध	प	म	ध॒	नि	नि	सां	--,		
वि	स	र	ग	यी	ऽ	तु	हि	सु	धि	क	ल	की	ऽ	,	
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८५

देखो सखि नंद नँदन को—
मैं कहाँ लग बरजूँ,
गोकुल गैल औचक आन—
बहियाँ गहि मोरी—
नाहिं मानै छैला।

पनघट सों भरे नीर,
आवत थी मँदिर को,
मैं आली,
वनमाली गाली दै लिपट,
झटक चीर उलट-पलट घूँघट पट,
बलैयाँ लीन्हीं ललन पिया,
निरखो निठुराई मोहन की,
ऐसो ढीठ भारी बरजोरी कर—
मोरा मन कियो मैला॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–परज : ताल–त्रिताल

स्थायी

			म ग म ध
			दे खो स खि
			३
नि – सां रें	नि सां नि सां	नि ध प प	ध प प म
नं ऽ द नँ	द न को मैं	क हाँ ल ग	ब र जूं ऽ
×	२	०	३
ग ग ग म	-- ग रे रें	सा सा, सा नि़	सा ग – ग
गो कु ल गौं	ऽ ल औ ऽ	च क, आ ऽ	न वै ऽ यां
×	२	०	३
म म ध ध	नि नि, नि सां	नि ध -- प	
ग हि मो री	ना हिं, मा ऽ	ने छं ऽ ला	
×	२	०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

								प	म॑	ध॒	प	म॑	--	ध॒	ध॒
								प	न	घ	ट	सों	ऽ	भ	रे
								०				३			
नि	सां	नि	सां	सां	सां	सां	--	सां	नि	रें॒	सां	सां	नि	सां	सां
नी	ऽ	र	आ	व	त	थी	ऽ	मँ	दि	र	को	मैं	आ	ऽ	ली
×				२				०				३			
नि	ध॒	प	प	प	म॑	ध॒	प	म॑	प	ध॒	ग	ग	म	ग	ग
ब	न	मा	ली	गा	ली	दै	लि	प	ट	म	ट	की	प	ट	क
×				२				०				३			
ग	म	म	म	ग	रे॒	सा	सा	सा	रे॒	सा	सा	नि़	सा	ग	ग
झ	ट	क	ची	र	उ	ल	ट	प	ल	ट	घूँ	घ	ट	प	ट
×				२				०				३			
ग	म॑	म॑	म॑	ध॒	ध॒	नि	नि	नि	सां	सां	सां	सां	रें॒	सां	नि
ब	लै	ऽ	यॉं	ली	न्हीं	ल	ल	न	पि	या	नि	र	खो	नि	ठु
×				२				०				३			
सां	सां	नि	नि	नि	रें॒	रें॒	रें॒	गं	गं	मं॑	मं॑	ग	गं	रें॒	रें॒
रा	ई	मो	ह	न	की	ऐ	सो	ढी	ठ	भा	री	व	र	जो	री
×				२				०				३			
सां	रें॒	सां	नि	सां	सां	नि	सां	नि	ध॒	--	प,				
क	र	मो	रा	म	न	कि	यो	ऽ	मं	ऽ	ला				
×				२				०							

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८६

मोरा पलक मार मन लीन्हा—
सखि री साँवरिया मुरली वारे,
मोहनवा ने मधुरी-मधुरी हँसनि हँसि के—
जादू सी चितवन सों जदुआ दीन्हों डार,

नैन सैन मन बस गयीं,
बिसरत नहिं चित सों।
यकहु पलछिन को मुँहि का साँवरी देखि,
माधुरी मूरत नीरज गात रंग चुआत।
छवि को छजनि फब फबनि देख।
मोहिं नंद के ललन बिन जिया दुखार ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–परज : ताल–त्रिताल

स्थाई

		, सां	– रें॒ नि सां
		, मो	ऽ रा प ल
			२
नि ध॒ -- प	ध॒ प म॑ ध॒	नि नि सां, सां	-- रें॒ नि सां
क मा ऽ र	म न ली न्हा	स खि री, साँ	ऽ व रि या
०	३	×	२
नि सां नि ध॒	-- प ध॒ प	ग म ग --	म ग म ग
मु र ली वा	ऽ रे मो ह	न वा ने ऽ	म धु री म
०	३	×	२
रे॒ सा सा नि़	सा ग -- ग	म ग म प	ध॒ ध॒ नि नि
धु री हँ स	न हँ सि के	जा ऽ दू सी	चि त व न
०	३	×	२
सां -- नि सां	नि ध॒ म॑ ध॒	नि – नि,	
सों ऽ ज डु	आ दी ऽ न्हों	डा ऽ र,	
०	३	×	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

	म॑ – ग म॑	– ध॒ नि नि	सां सां सां सां
	नै ऽ न सै	ऽ न म न	व स ग यी
	३	×	२
सां रें॒ सां नि	सां सां नि सां	नि ध॒ प प	ध प म॑ म॑
बि स र त	न हिं चि त	सों य क हु	प ल छि न
०	३	×	२
ग म म ग	म ग म ग	रे॒ सा सा नि़	सा ग ग ग
को मु हिं का	साँ व री सु	र त मा धु	री मु र त
०	३	×	२
म॑ म॑ ध॒ नि	-- नि सां नि	रें॒ सां – सां	सां नि रें॒ ग
नी र ज गा	ऽ त रं ग	चु आ ऽ त	छ वि को छ
०	३	×	२
गँ गं मं॑ मं॑	ग रें॒ सां सां	सां -- रें॒ सां	रें॒ सां नि सां
ज नि फ ब	की फ ब न	दे ऽ ख मो	हिं नं द के
०	३	×	२
नि सां नि ध॒	प प म॑ ध	नि -- नि,	
ल ल न वि	न जि या दु	खा ऽ र,	
०	३	×	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८७

देखि ढिठाई ढीठ नटवर की ,
गोकुल गैल मोसे कुंजन के तट ,
आली ठठोली करत ,
मग बिच निधरकी ।

अति नवीन लयी छीन इँडुलिया ,
बैयाँ गहत चुरियाँ दरकीं ।
ललन पिया ऐसो निठुर कान्ह ,
सखि लीन्हीं बलैयाँ अधर की ।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–परज : ताल–त्रिताल

स्थाई

														रें॒	सां
														दे	खी
नि	सां	नि	ध॒	–	प	म॑	ध॒	नि	नि	सां	–	–	–	रें॒	सां
ढि	ठा	ई	ढी	ऽ	ठ	न	ट	व	र	की	ऽ	ऽ	ऽ	दे	खी
०				३				×				२			
नि	सां	नि	ध॒	–	प	ध॒	प	म॑	ग	ग	म	म	ग	रे॒	सा
गो	कु	ल	गै	ऽ	ल	मो	से	कुं	ज	न	के	त	ट	आ	ली
०				३				×				२			
सा	नि़	सा	ग	ग	ग	म॑	ध॒	नि	सां	सां	रें॒	नि	सां	,	
ठ	ठो	ली	क	र	त	म	ग	वि	च	नि	ध	र	की	,	
०				३				×				२			

अन्तरा

म॑	म॑	ग	म॑	–	ध॒	नि	नि	सां	–	सां	रें॒	सां	नि	सां	–
अ	ति	न	वी	ऽ	न	ल	यी	छी	ऽ	न	ईं	डु	लि	या	ऽ
०				३				×				२			
नि	–	सां	गं	रें॒	सां	सां	सां	सां	–	सां	रें॒	सां	–	नि	ध॒
बै	ऽ	याँ	ग	ह	त	चु	रि	याँ	ऽ	द	र	कीं	ऽ	ऽ	ऽ
०				३				×				२			
म॑	ध॒	नि	ध॒	प	–	ध॒	प	ग	म	म	ग	–	रे॒	सा	सा
ल	ल	न	पि	या	ऽ	ऐ	सो	नि	ड	र	का	ऽ	न्ह	स	खि
०				३				×				२			
नि़	सा	ग	–	ग	म॑	–	ध॒	म॑	ध॒	नि	सां	–	–.	रें॒	सा
लो	ऽ	न्हीं	ऽ	ब	लं	ऽ	याँ	अ	ध	र	की	ऽ	ऽ,	दे	खी
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८८

जाने दे न, जाने दे न पनघट री,
अपनी जान सौं मोसों,
मग मग बरजोरी करत
लंगर मानत नहिं
मैं बहु विधि सो बरजी—वाको आली ॥

(१) कासे कहूँ मैं जाय,
यशुदा माय नंदराय उलट खिजत
मुंह रिसाय, सोरहु कला बिसरी मतिरी ॥

(२) तेरो प्रिय नंद ललन, तू चाहे प्रिय
बरज देरी राधिका तिहारी
शरन आय राखु मोर पति री ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–परज : ताल–त्रिताल

स्थाई

सां	--	रें॒	सां	नि	सां	(नि)सां	--	नि	ध॒	--	प	ध॒	प	म	ध॒
जा	ऽ	न	दे	ऽ	न	जा	ऽ	न	दे	ऽ	न	प	न	घ	ट
×				२				०				३			
नि,	सां	रें॒	सां	नि	सां	(नि)सां	--	नि	ध॒	–	प	ध॒	प	म॑	ध॒
री,	जा	न	दे	ऽ	न	जा	ऽ	न	दे	ऽ	न	प	न	घ	ट
×				२				०				३			
नि	--,	सां	सां	रें॒	सां	--	नि	सां	--	नि	--	सां	--	नि	ध॒
री	ऽ,	अ	प	नी	जा	ऽ	न	सौं	ऽ	मो	ऽ	सौं	ऽ	म	ग
×				२				०				३			
नि	ध॒	प	म॑	प	म॑	ग	ग	ग	म	म	म	ग	ग	रे॒	सा
म	ग	व	र	जो	री	क	र	त	लं	ग	र	मा	न	त	मा
×				२				०				३			
--	सा,	नि़	--	सा	सा	ग	ग	ग	म॑	म॑	म॑	ध॒	ध॒	नि	नि
ऽ	हिं,	मैं	ऽ	ब	हु	वि	धि	सौं	व	र	जी	वा	को	आ	ली
×				२				०				३			

अन्तरा

प	–	प	ध॒	म॑	–	ध॒	नि	--	नि	सां	सां	सां	रें॒	--	सां
का	ऽ	से	क	हूँ	ऽ	मैं	जा	ऽ	य	य	शु	दा	मा	ऽ	य
×				२				०				३			
सां	नि	रें	गं	--	गं	गं	म॑	मं॑	मं॑	गं	गं	गं	गं	रें॒	सां
नं	ऽ	द	रा	ऽ	य	उ	ल	ट	खि	ज	त	मु	हिं	रि	सा
×				२				०				३			
मां	,	सां	–	सां	नि	ध॒	प	–	म॑	म॑	ध॒	नि	नि	सां	--
–	य,	सो	ऽ	र	हु	क	ला	ऽ	वि	स	री	म	ति	री	ऽ
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

८९

तोरी मोरी बात सो मोरी तोरी—
निरख ली तोरी,
मोरी जिया की जिया में।

नंद ललन जिन ललन पन करिय,
जिया ले जिया की दर मत नि पात ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–सोहनी : ताल–त्रिताल

स्थाई

		म॑ –	ध नि – सां
		तो ऽ	री मो ऽ री
			३
रें॒ – सां रें॒	सां नि सां नि	– ध, नि ध	म॑ ग – रे॒
बा ऽ त सो	मो ऽ री तो	ऽ री, नि र	ख ली ऽ तो
×	२	०	३
– सा, ग ग	म॑ ध नि ध	म॑ ग ,	
ऽ री, मो री	जि या की जि	या में ,	
×	२	०	

अन्तरा

			ग – म॑ ध
			नं ऽ द ल
			३
नि नि सां सां	सां रें॒ सां नि	सां ध नि ध,	म॑ ध म॑ ग
ल न जि न	ल ल न प	न क रि य,	जि या ले जि
×	२	०	३
म॑ ग रे॒ सा	सा नि़ सा ग	– ग ,	
या की द र	म त नि पा	ऽ त ,	
×	२	०	

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९०

एरी यशोदा तेरो कुँवर कन्हाई
डगर चलत मोसे करत ढिठाई ।

मै जल भरन जात री माई
बीच मिलो मुहिं श्री यदुराई,
डपट झपट झट मटकी पटक नट
दोउ कर की बंगुरी मुरकाई ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–सोहनी : ताल–त्रिताल

स्थाई

--	म॑	म॑	ग	म॑	ध	नि	सां	रें॒	सां	सां	रें॒	सां	नि	सां	--
ऽ	ए	री	य	शो	दा	ते	रो	कुँ	व	र	क	न्हा	ऽ	ई	ऽ
०				३				×				२			
सां	नि	रे॒	गं	गं	रें॒	सां	रें	सां	नि	सां	नि	ध	नि	नि	ध
ड	ग	र	च	ल	त	मो	से	क	र	त	ढि	ठा	ऽ	ई	ऽ
०				३				×				२			
--	म॑	म॑	ग	म॑	ध	नि	सां								
ऽ	ए	री	य	शो	दा	ते	रो								
०				३											

अन्तरा

म॑	--	ग	ग	म॑	ध	नि	सां	--	सां	सां	--	नि	रें॒	सां	सां
मैं	ऽ	ज	ल	भ	र	न	जा	ऽ	त	री	ऽ	मा	ऽ	ई	ऽ
०				३				×				२			
सां	--	सां	सां	नि	नि	ध	ध	म॑	ध	नि	सां	नि	-,	ध	--
वी	ऽ	च	मि	लो	ऽ	मों	हिं	श्री	ऽ	य	दु	रा	ऽ	ई	ऽ
०				३				×				२			
नि	नि	नि	रें॒	रें॒	रें॒	गं	गं	मं॑	मं॑	गं	मं॑	गं	रें॒	सां	--
ड	प	ट	झ	प	ट	झ	ट	म	ट	की	प	ट	क	न	ट
०				३				×				२			
सां	नि	रें॒	गं	रें॒	--	सां	सां	सां	--	सां	नि	ध	नि	नि	ध
दो	उ	क	र	की	ऽ	बं	गु	री	ऽ	मु	र	का	ऽ	ई	ऽ
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९१

जिया तरसे पिया को तरस कछु
सजनी री हिया न आने मोर।

धरक-धरक जिया जात मोर,
अँसुवन झरि अँखियन झरत घोर,
मोर मनै की मन में मोर,
नंद ललन पिय जिय कठोर॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग– सोहनीः ताल–त्रिताल

स्थाई

			नि सां
			जि या
– नि नि ध	म॑ ग – ग	म॑ ध नि सां	रें॒ सां, नि सां
ऽ त र से	पि या ऽ को	त र स क	छु ऽ, स ज
०	३	×	२
रें॒ – सां –	रें॒ गं – रें॒	सां – सां नि	– ध ,
नी ऽ री ऽ	हि या ऽ न	आ ऽ ने मो	ऽ र ,
०	३	×	२

अन्तरा

	म॑ म॑	ग म॑ म॑ ध	नि नि सां –
	घ र	क ध र क	जि या जा ऽ
		×	२
रें॒ सां – सां	गं गं म॑ म॑	गं गं रें॒ रें॒	सां रें॒ सां नि
त मो ऽ र	अँ सु व न	झ रि अँ खि	य न झ र
०	३	×	२
ध नि – ध	म॑ – ग म॑	ग – रे॒ सा	सा सा ग –
त घो ऽ र	मो ऽ र म	नै ऽ की म	न में मो ऽ
०	३	×	२
ग म॑ म॑ म॑	ध ध नि नि	सां सां रें॒ सां	– – सां ,
र नं द ल	ल न पि य	जि य क ठो	ऽ र ,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९२

विपिन बिहारी ठाढ़ो यमुना तीर ।।

एरी मेरी गुइयाँ–
मैं किस विधि जाऊँ—
पनघट भरन नीर,
ठाढ़ो यमुना तीर
विपिन बिहारी ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–गौरी : ताल–त्रिताल

स्थाई

		ग रे --मं	ग रे सा --
		वि ऽ पि	न बि हा ऽ
			३
सा -- सा नि़	ध़ नि़ नि़ रे	-- सा, नि़ रे	ग रे सा --
री ऽ ठा ढ़ो	य मु ना ती	ऽ र, बि पि	न बि हा री
×	२	०	३

अन्तरा

सा --, रे --	सा -- नि़ --	सा -- रे --	प प प प
री ऽ ठा ऽ	ढ़ो ऽ ऐ ऽ	री ऽ मे ऽ	री गु इ याँ
×	२	०	३
मं -- ध नि	नि ध प प	प म म प	ग ग रे सा
मैं ऽ क्रि स	वि धि जा उँ	प न घ ट	भ र न नी
×	२	०	३
-- सा, सा नि़	ध़ नि़ नि़ रे	-- सां, रे मं	ग रे सा
ऽ र, ठा ढ़ो	य मु ना ती	ऽ र. बि पि	न बि हा ऽ
×	२	०	३

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९३

ऐसो री अनारी निरदैया—
कन्हैया बैयाँ गहत हमारी ।

मारग माहिं मिलो मनमोहन
मसकी चूनर सारी
बैयाँ गहत हमारी
ऐसो री अनारी ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गौरी : ताल–त्रिताल

स्थायी

		म̍ म̍	ग रे̱ सा —
		ऐ सो	री अ ना ऽ
			३
सा -- -- नि़	ध़̱ नि़ -- रे̱	सा —, रे̱ ग	ग रे̱ सा --
री ऽ ऽ नि	र दै ऽ ऽ	या ऽ, ऐ सो	री अ ना ऽ
×	२	०	३
सा -- -- --,	नि़ सा नि ध̱	नि़ -- रे̱ सा	-- (सा प) प
री ऽ ऽ ऽ,	नि र दै ऽ	या ऽ, क न्है	ऽ या ऽ बै
×	२	०	३
-- प प म	म प प ग	रे̱ सा, रे म̍	ग रे̱ सा --
ऽ याँ ग ह	त ह मा ऽ	री ऽ ऐ सो	री अ ना ऽ
×	२	०	३

अन्तरा

		-- प म̍ प	नि सां रें̱ सां
		ऽ मा र ग	मा हिं मि लो
		०	३
-- सां सां सां	सां सां रें̱ रें̱	सां -- नि सां	नि ध̱ -- प
ऽ म न मो	ह न म स	की ऽ चू न	र सा ऽ री
×	२	०	३
म -- म प	प ग ग रे̱	-- सा. रे म̍	ग रे̱ सा --
वै ऽ याँ ग	ह त ह मा	ऽ री, ऐ सो	री अ ना ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६४

मुहिंका नाहीं भावे मोहन तोरी बात
डगर चलत झिगरो नित ठानत
नाहक को अठिलात
मुहिंका नाहीं भावे मोहन तोरी बात ।

ललन पिया तोहिं बरजो बहु बिधि
नेक न ढीठ लजात
मुहिंका नाहिं भावे मोहन तोरी बात ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गौरी : ताल–त्रिताल

स्थाई

		,	नि़	ध़	नि़	सा	नि़	रे॒	सा	–.	म॑	म॑	ग	रे॒	सा
		,	मु	हिं	का	ना	हीं	भा	ऽ	वे,	मो	ह	न	तो	री
				२				०				३			
सा	–	सा़	नि़	ध़	नि़	–	–	सा	सा	नि़	ध़	प़	प़	म़॑	ध़
बा	ऽ	त	मु	हिं	का	ऽ	ऽ	ड	ग	र	च	ल	त	झि	ग
×				२				०				३			
नि़	–	सा	सा	रे॒	–	सा	सा	सा	–	प	प	म॑	--	ध॒	नि
रो	ऽ	नि	त	ठा	ऽ	न	त़	ना	ऽ	ह	क	को	ऽ	अ	ठि
×				२				०				३			
ध॒	–	प,	प	म	म	प	ग	रे॒	सा	–,	रे॒	म	ग	रे॒	सा
ला	ऽ	त,	मु	हिं	का	ना	हीं	भा	वे	ऽ,	मो	ह	न	तो	री
×				२				०				३			

अन्तरा

								सा	रे॒	सा,	प	प	--	प	प
								ल	ल	न	पि	या	ऽ	तो	हिं
								०				३			
म॑	प	नि	नि	सां	सां	सां	सां	सां	नि	रें॒	सां	--	नि	सां	नि
ब	र	जो	ऽ	ब	हु	वि	धि	ने	ऽ	क	ना	ऽ	ढी	ठ	ल
×				२				०				३			
ध॒	प	प,	प	म	म	प	ग	रे॒	सा	--,	म॑	ग	रे॒	सा	सा
जा	ऽ	त,	मु	हिं	का	ना	हीं	भा	वे	ऽ	मो	ह	न	तो	री
×				२				०				३			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९५

ये द्रुम द्रुम लता लता पता पता
बेली बेली नवेली अलबेली
छवि की छटा छटा
घटा घटा सुहायी सुहायी
रंग रंग सों ढंग ढंग सों ।

श्वेत श्वेत पियर पियर केत केत
रंग अनेक सुमन सुरंग फूलि रहे
अलि मतंग गूँजत रस लेत
प्रेम ऋतु बसंत छाई
ललन पिया अनंद लहत
नित प्रति नये नये ढंग सों ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–बसंत : ताल–त्रिताल

स्थाई

			म ध सां सां
			यें ऽ द्रु म
			३
(नि) सां -- सां रे	-- सां सां --	रें नि -- ध	प --, प प
द्रु म ल ता	ऽ ल ता ऽ	प ता ऽ प	ता ऽ, वे ली
×	२	०	३
म ध -- नि	नि ध म म	ग ग म म	ग -- रे सा
वे ली ऽ न	वे ली अ ल	वे ली छ वि	की ऽ छ टा
×	२	०	३
-- सा सा --	सा म -- म	म -- म ग	म ध नि सां
ऽ छ टा ऽ	घ टा ऽ घ	टा ऽ सु हा	यी सु हा यी
×	२	०	३
सां नि रें सां	सां -- नि ध	नि ध प --	
रं ग रं ग	सों ऽ ढं ग	ढं ग सों ऽ,	
×	२	०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

								म॑	–	ग	म॑	–	ध॒	सां	सां
								श्वे	ऽ	त	श्वे	ऽ	त	पि	य
								०				३			
सां	सां	सां	सां	सां	नि	रें॒	सां	–	सां	रें॒	नि	ध॒	प	–	प
र	पि	य	र	के	ऽ	त	के	ऽ	त	रं	ग	अ	ने	ऽ	क
×				२				०				३			
म॑	म॑	म॑	नि	नि	नि	ध॒	ध॒	प	प	म॑	ग	म॑	म॑	–	ग
सु	म	न	सु	रं	ग	फू	लि	र	हे	अ	लि	म	तं	ऽ	ग
×				२				०				३			
रे	–	सा	सा	सा	सा	म	–	म	म	–	म	ग	ग	म॑	ध॒
गूं	ऽ	ज	त	र	स	ले	ऽ	त	प्रे	ऽ	म	ऋ	तु	ब	सें
×				२				०				३			
–	ध॒	सां	सां	सां	सां	सां	गं	गं	म॑	म॑	–	गं	रें॒	सां	सां
ऽ	त	छा	ई	ल	ल	न	पि	या	अ	नं	ऽ	द	ल	ह	त
×				२				०				३			
सां	सां	रें॒	सां	सां	नि	रें॒	नि	ध॒	ध॒	प	–				
नि	त	प्र	ति	न	ये	न	ये	ढं	ग	सों	ऽ				
×				२				०							

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९६

जात रही यमुना पनिया को मैं माई
दौड़ झपट मोरे औचक निकट आयी—
माई गिरायी गगरी कन्हाई अठिलायी ।

बैयाँ पकर गलबैयाँ डार दीन्हीं
अंग सों लिपट गयो निडर कर ढिठाई
ललन पिया सौं वासों अरज बरज हारी
डगर बगर लंगर लंगर न लजायी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

			प म
			जा त
ग म ग रे	ग म प म	प -- नि (ध) --	ध प, प ध
र ही य मु	ना प नि याँ	को ऽ मैं ऽ	मा ई. दौ ड़
०	३	×	२
नि सां सां सां	नि ध प प	म प प ग	-- रे, ग --
झ प ट मो	रे औ च क	नि क ट आ	ऽ यी मा ऽ
०	३	×	२
ग रे सां सां	रे ग म म	प प, म नि	ध प
ई गि रा यी	ग ग री क	न्हा ई अ ठि	ला यी,
०	३	०	२

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

प प

वै याँ

म म म प	प नि नि नि	सां सां सां सां	सां सां सां सां नि
प क र ग	ल वै ऽ, याँ	डा ऽ र दी	ऽ न्हीं वै याँऽ
०	३	×	२
नि ध प प	प नि – नि	सां - सां सां	सां सां सां सां
प क र ग	ल वै ऽ याँ	डा ऽ र दी	न्हीं अँ ग सों
०	३	×	२
रें गं गं गं	रें रैं सां सां	सां नि नि ध	– प प नि
लि प ट ग	यो नि ड र	क र ढि ठा	ऽ ई, ल ल
०	३	×	२
नि नि ध प	म प ग ग	ग रे रे रे	म म, ग ग
न पि या सों	वा सों अ र	ज ब र ज	हा री, ड ग
०	३	×	२
ग रे सा सा	रे ग म म	प प म नि	ध प, प म
र ब ग र	लं ग र लं	ग र न ल	जा यी, जा त
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६७

तोरी नजरिया सैयाँ मारे डारे
शिंगरवा मैं ना करि हौं,
कबहुँ तोरे आगे ।

त्याग दूँगी अँजना,
बिंदिया नाहिं माथेहु धारूँगी
त्रिय मंजना ना मुख तंबोल
ललन पिया श्याम तोरे मारे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

	– प ध प	म ग म ग	रे म – म
	ऽ तो री न	ज रि या सैं	यां मा ऽ रे
	२	०	३
प म प, –	– प ध प	म ग म ग	– रे म म
डा ऽ रे ऽ	ऽ, तो री न	ज रि या सैं	ऽ याँ मा रे
×	२	०	३
प म प, प	प ध नि नि	ध – प म	प म ग रें
डा ऽ रें, शि	ग र वा मैं	ना ऽ क रि	हों क ब हुँ
×	१	०	३
रे रे प म	प ,		
तो ऽ रे आ	गे ,		
×	२		

अन्तरा

	म – प ध	– नि सां नि	सां – सां सां
	त्या ऽ ग दूँ	ऽ गी अँ ज	ना ऽ बिं दि
	२	०	३
सां – रें गं	रें सां सां नि	सां सां सां सां	नि नि ध –
या ऽ न हिं	मा थे हु धा	रूँ गी त्रि य	मं ज ना ऽ
×	२	०	३
नि – ध ध	म प – प	प ध प म	म ग – रे
ना ऽ मु ख	तं बो ऽ ल	ल ल न पि	या श्या ऽ म
×	२	०	३
रे रे फ म	प ,		
तो ऽ रे मा	रे ,		
×	२		

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

६८

जाने जाने दे मुहिं मंदिर छैल
नाहक मोरी रोकत डगर ठाढ़ो
नाहिं माने नाहिं माने निपट अनारी
ऐसो कुटिल कान्ह ।

घूंघट को पट खोल
चूमत कपोल गोल
करत मोसे ठठोल
डरे नाहीं डरे नाहिं काहु को
बिहारी परी कहा तोरी बान ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

सा नि़
जा ने

सा रे ग॒ रे	ग॒ म प म	प - प म	प ध नि॒ नि॒
जा ने दे मु	हिं मँ दि र	छै ऽ ल ना	ह क मो री
०	३	×	२
ध प म प	म ग॒ रे रे	रे नि॒ ध प	ध म प प
रो क त ड	ग र ठा ढो	न हिं मा ने	न हिं मा ने
०	३	×	२
म ग म प	म म ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे ,
नि प ट अ	ना री ऐ सो	कु टि ल का	ऽ रह ,
०	३	×	२

अन्तरा

म म म म	प प नि नि	सां सां सां नि	सां नि सां सां
घूँ घ ट को	प ट खो ल	चू म त क	पो ल गो ल
०	३	×	२
रें गं॒ रें सां	रें नि सां सां	सां सां नि॒ नि॒	ध नि॒ ध प
क र त मो	से ठ ठो ल	ड रे ना हिं	ड रे ना हिं
०	३	×	२
म ग म प	म ग ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे ,
वा हू को बि	हा री प रीं	क हा तो री	वा न ,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

९९

देखो देखो आली यमुना तीर वृन्द
बृज ग्वालन को संग लीन्हे
रचो आली रचो आली रहस
रंगीलो आयो श्याम रो कन्हैया ।

बाजत तंबूरा, झाँझ, मृदंग, सुरश्रृंगार,
गावत सो ग्वाल बाल ताताथेई ताताथेई—
नाचत कन्हैया नीचे कदम्ब की छैयाँ ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

			सा नि़
			दे खो
स ग रे ग	– म प म	प – प म	प ध नि॒ नि॒
दे खो आ ली	ऽ य मु ना	ती ऽ र वृ	ऽ न्द बृ ज
×	२	०	३
ध प म प	ग॒ ग॒ रे रे	रे नि॒ ध नि॒	प ध म प
ग्वा ल न को	सं ग ली न्हे	र चो आ ली	र चो आ ली
×	२	०	३
म ग म प	म म ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे ,
र ह स रं	गी लो, आ यो	श्या म रो क	न्है या ,
×	२	०	३

अन्तरा

म म म प	ध नि॒ सां सां	रें ग॒ं रें सां	रें नि सां सां
बा ज त तं	बू रा झां झ	मृ दं ग सु	र शृं गा र
×	२	०	३
सां सां सां नि॒	ध नि॒ ध प	म म नि॒ नि॒	ध प म प
गा व त सो	ग्वा ल बा ल	ता ता थे ई	ता ता थे ई
×	२	०	३
म ग म प	म म ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे ,
ना च त क	न्है या नी चे	क द म्ब की	छै यां ,
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१००

छाँड़ो-छाँड़ो कोमल कलाई सैयाँ
बैयाँ मोरी मुरकी ,
ढीठ बंगुरी गयी दैया ।

रार करत न नटत नटखट नट ,
गाज परै री इन ढंगन पैयाँ ।
पैयाँ परत हारी-हारी ललन पिया ।
ऐसो श्यामरो मीत रे निरमोहिया ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-काफी : ताल-त्रिताल

स्थाई

		म प	
	म प	ग म – ग॒	रे म म म
	छाँ ड़ो	छाँ ड़ो ऽ को	ऽ म ल क
		०	३
प – – नि॒	ध प प नि॒	ध प म ध	प म प म
ला ऽ ई सै	ऽ याँ बैं याँ	मो री मु र	की ढी ठ बैं
×	२	०	३
ग म ग॒ ग॒	रे सा, रे ग॒	म प –	
गु री ग यी	दं या, छाँ ड़ो	छाँ ड़ो ऽ	
×	२	०	

अन्तरा

		– म म म	प प नि नि
		ऽ रा र क	र त न न
		०	३
सां नि सां सां	सां सां सां सां	सां नि सां रें	गं॒ रें गं॒ रें
ट त न ट	ख ट न ट	गा ऽ ज प	रैं री ह न
×	२	०	३
सां रे नि सां	– सां –, सां	– सां सां नि॒	नि॒ ध – नि॒
ढं ग न पै	ऽ याँ ऽ, पै	ऽ याँ प र	त हा ऽ री
×	२	०	३
ध प म प	प ग॒ रे –	रे नि॒ नि॒ ध	प प, म ग
हा री ल ल	न पि या ऽ	ऐ ऽ सो श्या	म रो मी त
×	२	०	३
म म ग॒ ग॒	रे सा, रे ग॒	म प –	
रें नि र मो	हि या, छाँ ड़ो	छाँ ड़ो ऽ	
×	२	०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०१

देखो देखो सखी राम जात
बनै प्रिया जनक नंदिनी,
बारी बैस बारी बैस
कोमल गात संग लखन भ्रात ।

दशरथ प्रान त्यागे
अवध के भाग भागे
ललन बिरह दागे नर नारी
नर नारी बिकल भरत,
रोवें कौशिल्या मात ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

														सा	नि़
														दे	खो
सा	ग	रे	ग	–	म	–	म	प	--	प	म	प	ध	नि	नि
दे	खो	स	खी	ऽ	रा	ऽ	म	जा	ऽ	त	ब	नै	ऽ	प्रि	या
०				३				×				२			
ध	प	प	ग	–	ग	रे	रे	रें	नि	ध	प	ध	म	प	प
ज	न	क	नं	ऽ	दि	नी	ऽ	वा	री	वै	..	बा	री	वै	स
०				३				×				२			
म	ग	प	म	–	म,	ग	रे	सा	रे	ग	म	ग	रे,		
को	म	ल	गा	ऽ	त	सँ	ग	ल	ख	न	भ्र	ऽ	त,		
०				३				×				२			

अन्तरा

म	म	प	ध	नि	नि	सां	सां	रें	गं	रें	सां	रें	नि	सां	सां
द	श	र	थ	प्रा	न	त्या	गे	अ	व	ध	के	भा	ग	भा	गे
०				३				×				२			
सां	सां	सां	नि	नि	नि	ध	प	म	म	नि	नि	ध	ध	प	प
ल	ल	न	वि	र	ह्	दा	गे	न	र	ना	री	न	र	ना	री
०				३				×				२			
म	ग	म	प	म	म,	ग	रे	सा	रे	ग	म	ग	रे,		
वि	क	ल	भ	र	त,	रो	वे	कौ	शि	ल्या	मा	ऽ	त,		
०				३				×				२			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०२

मानैना मानैना मानैना
करत बरजोरी लंगरैयाँ मोसे
मोहनवा ढीठ रे,
बाट चलत कर दीन्हों कठिन,
पनघट में कैसे जाऊँ नीर भरन हेतु
सकुचि नेत मनवाँ लेत,
भय समेत ये सखि।

बीर मोर मति भई हरान
अब कैसे बसौंगी बृज
बैर बाँधों नंदलान
बड़ बेचलन छलन कलन
बासूँगी बरसाने जाय
जिय दुराय पति बचाय
ऐरी मेरी तेरी प्रीत होत
बिछुरन मीत आनैना ध्यानैना
आनैना ध्यानैना सखि॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थायी

		सा रे	ग रे ग म
		मा नै	ना मा नै ना
			३
प म प, म	ग रे म ग	रे सा, सा रे	ग रे ग म
मा नै ना, क	र त ब र	जो री, मा नै	ना मा नै ना
×	२	०	३
प म प, म	प ध नि ध	प म ग ग	रें रें, रें नि
मा नै ना क	र त व र	जो री लं ग	रै याँ मो ऽ
×	२	०	३
नि नि नि ध	प म म ग	म प म म	म, ग रे ग
से मो ह न	वा ढी ठ रे	बा ट च ल	त, क र दी
×	२	०	३
म ग रे सा	सा सा प प	प ध – नि	सां सां सां –
न्हों क ठि न	प न घ ट	मैं कै ऽ से	जा ऊँ नी ऽ
×	२	०	३
सां नि ध ध	प प, म नि	नि ध – प	म ग प म
र भ र न	हे तु, स कु	चि ने ऽ त	म न वा ले
×	२	०	३
– म, ग रे	ग म ग रे	सा सा, ग रे	रे म म म
ऽ त, भ य	स मे त ये	म खि, मा नै	ना मा नै ना
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

		म म	प प नि नि
		वी र	मो री म ति
			३
सां सां नि सां	— सां सां सां	रें ग रें सां	रें नि सां सां
भ ई ह रा	ऽ न अ ब	कैं ऽ से ब	सौं गी बृ ज
×	२	०	३
सां नि ध प	म नि नि नि	ध प म ग	म प म म
बैं र बां धो	नं ऽ द ल	ल न ब ड़	वे च ल न
×	२	०	३
ग रे म ग	रे सा, रे —	नि नि ध प	ध नि सां सां
छ ल न क	ल न, बा ऽ	सूँ गी व र	सा ने जा य
×	२	०	३
सां सां नि सां	-- सां रे गं	रें सां — सां	सां नि ध नि
जि य डु रा	ऽ य प ति	ब चा ऽ य	ए री मे री
×	२	०	३
नि ध प प	म म नि नि	ध प म प	म ग म प
ते री प्री त	हो त बि छु	र न मी त	आ नैं ना ध्या
×	२	०	३
म म, ग रे	ग म ग रे	सा सा, ग रें	रे म म म
नैं ना, आ नैं	ना ध्या नैं ना	स खि, मा नैं	ना मा नैं ना
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०३

तिहारी प्यारी दृग चितवन
चितचोर अमीली अँखियन
द्युति मदन मरोर तिहारी
प्यारी दृग चितवन चितचोर।

मोहनी वशीकरन रस भीनी
रंग ढंग प्रबल प्रवीनि नवीनी
सैन ऐन जादू सी घोर—
प्यारी दृग चितवन चितचोर॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

			प	म	ग	म	प	ग	म	ग॒	ग॒	रे	ग॒	म	म
			ति	हा	री	प्या	री	दृ	ग	चि	त	व	न	चि	त
				२				०				३			
प	–	प,	प	प	नि॒	ध	प	प	ध	म	प	म	ग	ग	म
चो	ऽ	र,	अ	मो	ली	अं	खि	य	न	द्यु	ति	म	द	न	म
×				२				०				३			
ग॒	–	रे,	ग॒	रे	ग॒	म	प	ग	म	ग॒	ग॒	रे	ग॒	म	म
रो	ऽ	र,	ति	हा	री	प्या	री	दृ	ग	चि	त	व	म	चि	त
×				२				०				३			
प	–	प	प												
चो	ऽ	र	ति												
×															

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

अन्तरा

		म – प प	प नि – नि
		मो ऽ हु नी	व शी ऽ क
		०	३
सां सां सां सां	सां – सां –	रें गं रें सां	सां रें रें नि
र न र स	भी ऽ नी ऽ	रं ग ढं ग	प्र ब ल प्र
×	२	०	३
सां – नि नि	नि ध प –	प ध प सां	सां सां प नि
वी ऽ नि न	वी ऽ नी ऽ	सै ऽ न ऐ	ऽ न जा ऽ
×	२	०	३
नि – नि ध	– प, म प	ग म ग ग	रे ग म म
दू ऽ सी घो	ऽ र, प्या री	दृ ग चि त	व न चि त
×	२	०	३
प – प, प			
चो ऽ र, ति			
×			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०४

रंगीले रस-माते सलोने नैन,
जादू टुनवाँ सी बाँकी-बाँकी सैन ऐन
रस माते सलोने नैन।

मधुप मीन खंजन इन्दीवर
लखि लजात शोभा की पटतर भरे
अमी गरल मद मान मैन
रस माते सलोने नैन ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

-- -- --, धप	म ग म प	ग म -- ग	रे ग म –
ऽ ऽ ऽ, रँऽ	गी ले र स	मा ते ऽ स	लो ऽ ने ऽ
×	२	०	३
प -- --, प	म ग म प	ग म -- ग	रे ग म --
नै ऽ न, रँ	गी ले र स	मा ते ऽ स	लो ऽ ने ऽ
×	२	०	३
प -- -- प,	प -- नि नि	ध प प ध	-- प म प
नै ऽ ऽ न,	जा ऽ दू टु	न वाँ सी बाँ	ऽ की बाँ की
×	२	०	३
म ग म ग,	-- रे, रे ग	म प – ग	रे ग म --
सै ऽ न ऐ	ऽ- न र स	मा ते ऽ स	लो ऽ ने ऽ
×	२	०	३

अन्तरा

		म म म प	प नि नि नि
		म धु प मी	न खँ ज न
		०	३
सां – सां नि	सां सां रें गं	रें सां - सां	नि – सां –
इ ऽ न्दी ऽ	व र ल खि	ल जा ऽ त	शो ऽ भा ऽ
×	२	०	३
नि नि ध नि	नि ध प प	म नि – नि	ध प ध म
की ऽ प ट	त र भ रे	अ मी ऽ ग	र ल म द
×	२	०	३
प – प ग	– रे, रे ग	म प –, ग	रे ग म म
मा ऽ न मै	ऽ न, र स	मा ते ऽ, स	लो ऽ ने ऽ
×	२	०	३

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०५

लागो लागो सखी रितु बसंत
बागन उपवन वन चहुँ दिशि–
फूलि रहे फूलि रहे सुमन
नियारे लाल पीले श्वेत कारे।

कोकिल चकोर मोर
करें शोर चहुँ ओर
भँवर गुंजारे घोर
एरी सखि एरी सखि
युमना किनारे पपीहा पिया पुकारे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

स नि
ला गो

सा ग रे ग	— म प म	प — प म	प ध नि नि
ला गो स खी	ऽ रि तु ब	सं ऽ त, बा	ग न उ प
०	३	×	२
ध प म प	म ग रे रे	रे रे नि नि	ध प म प
ब न ब न	च हुँ दि शि	फू लि र हे	फू लि र हे
०	३	×	२
म ग म प	ग म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
सु म न नि	या रे, ला ल	पी ले श्वे त	का रे,
०	३	×	२

अन्तरा

म म प ध	नि नि सां सां	रें गं रें सां	रें नि सां सां
को कि ल च	को र मो र	क रे शो र	च हुँ ओ र
०	३	×	२
सां सां सां नि	नि ध प प	म प नि नि	ध प म प
भँ व र गुँ	जा र घो र	ए री स खि	ए री स खि
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
य मु ना कि	ना रे, प रि	हा पि या पु	का
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०६

सजो सजो समूह बृजराज
बनाये बहु भाँतिन रँगीले रूप
एरी सखि एरी सखि खेलें
घनघोर होरी एक एक सों री।

इतर अबीर लिये हाथन
गुलाल रोरी फिकै रँग चहुँ ओरी
इत ग्वाल उत बाल जुरे–
यूथ दोनों फाग बिरज मचो री॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थायी

			सा नि़
			स जो
सा रे रे ग	– ग म म	प – प म	प ध नि नि
स जो स मू	ऽ ह बू ज	रा ऽ ज ब	ना ये ब हु
०	३	×	२
ध प म प	म ग रे रे	रे रे नि नि	ध प म प
भाँ ति न रँ	गी ले रू प	ए री स खि	ए री स खि
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
खे लें घ न	घो री हो री	ए क ए क	सौं री,
०	३	×	२

अन्तरा

म म प ध	नि नि सां सां	रें ग रें सां	रें नि सां सां
इ त र अ	बी र लि ये	हा थ न गु	ला ल रो री
०	३	×	२
सां सां नि नि	ध ध प प	म म नि नि	ध प म प
फि कै रं ग	च हुँ ओ री	इ त ग्वा ल	उ त बा ल
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
जु रे यू थ	दो नों, फा ग	बि र ज म	चो री,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०७

बिन लाग सजन गये नैना फेर
यह दिनन को सजनी हमरो फेर ।

सुख सियरो दुख़ दीर्घ प्रवाहन
मीत प्रतैहि दै गयो फेर,
बनी के बहुत बिन बनी को कोउ न
बानक को गयो बिगर फेर ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-काफी : ताल-त्रिताल

स्थाई

मप	धप
बिऽ	नऽ

म ग म ग	ग रे म म	प प नि ध	– प, प ध
ला ऽ य स	ज न ग ये	नैं ऽ ना फे	ऽ र, य ह
०	३	×	२
नि सां सां सां	नि ध प –	प म प ग	– रे,
दि न न को	स ज नी ऽ	ह म रो फे	ऽ र,
०	३	×	२

अन्तरा

म म म म	प – नि नि	सां – सां सां	सां सां सां सां
सु ख सि य	रो ऽ दु ख	दी ऽ घं प्र	वा ऽ ह न
०	३	×	२
नि – सां रें	गं रें सां सां	– सां रें नि	सां – सां सां
मी ऽ त प्र	तैं ऽ हि दे	ऽ ग यो ऽ	फे ऽ र ब
०	३	×	२
नि सां सां नि	नि नि ध नि	ध प प म	प ग – रे
नी के ब हु	त ग्रि न ब	नी को को उ	न मो ऽ रे
०	३	×	२
रें – नि नि	ध – प प	म प प ग	– रे,
वा ऽ न क	को ऽ ग यो	बि ग र फे	ऽ र,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०८

हटो हटो छाँड़ो डगर कान्ह
ठठोली कर रार क्यों बढ़ाई,
घर जाओ घर जाओ नंद के कन्हाई
मोसे करो न ढिठाई ।

कहत ललन पिया लाज न आवे
मन छेड़त सखिन तुम,
चलो जाओ चलो जाओ अपने धाम
तुम्हें देत समुझाई ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-काफी : ताल-त्रिताल

स्थाई

			सा नि़
			ह टो
सा रे रे ग॒	- म प म	प - प, म	प ध नि॒ नि॒
ह टो छो ड़ो	ऽ ड ग र	का ऽ न्ह, ठ	ठो ली क र
०	३	×	२
ध - प म	- ग॒ रे रे	रे रे नि॒ नि॒	ध प म प
रा ऽ र क्यों	ऽ ब ढ़ा यी	घ र जा ओ	घ र जा ओ
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे
नं द को क	न्हा ई मो से	क रो न ढि	ठा ई
०	३	×	२

अन्तरा

म म प ध	नि नि सां सां	रें ग॒ं रें सां	रें नि सां सां
क ह त ल	ल न पि या	ला ऽ ज न	आ वे म न
०	३	×	२
सां सां सां नि॒	नि॒ नि॒ ध प	म नि॒ नि॒ ध	प म प प
छे ड़ त स	खि न तु म	च लो जा ओ	च लो जा ओ
०	३	×	२
म ग प म	- म, ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे,
अ प ने घा	ऽ म, तु म्हें	दे त स मु	झा ई
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१०६

छाँड़ो छाँड़ो गोरी बैयाँ श्याम
करक गयीं चुरियाँ मुरारी सारी
नहिं मानो नहिं मानो निपट अनारी
नोखे छैला बनवारी।

हा हा कर बलि जाऊँ
शीश पग तेरे लाऊँ
ललन पिया तोरे मनाऊँ
जाने दीजे जाने दीजे भवन बिहारी
तुम जीते जी मैं हारी ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

सा नि॒
छाँ ड़ो

सा ग॒ रे ग॒	– म – म	प – प म	प ध नि॒ नि॒
छाँ ड़ो मो री	ऽ बैं ऽ याँ	श्या ऽ म क	र क ग थीं
०	३	×	२
ध प म प	म ग॒ रें रे	रे नि॒ ध नि॒	ध प म प
चु रि याँ मु	रा री सा री	न हिं मा नो	न हिं मा नो
०	३	×	२
म ग म प	म म ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे ,
नि प ट अ	ना री नो खे	छै ला ब न	वा री ,
०	३	×	२

अन्तरा

म म प ध	नि नि सां सां	रें गं॒ रें सां	रें नि सां सां
हा हा क र	ब लि जा ऊँ	शी श प ग	तो रे ला ऊ
०	३	×	२
सां सां सां नि॒	नि॒ ध प प	म म नि॒ नि॒	ध प म प
ल ल न पि	य म ना ऊँ	जा ने दी जे	जा ने दी जे
०	३	×	२
म ग म प	म म ग॒ रे	सा रे ग॒ म	ग॒ रे ,
भ व न बि	हा री तु म	जी ते जी मैं	हा री ,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११०

बतियाँ न बनाओ मोसे फेर फेर
अब जान लियो तोरे जिय में फेर ।

हौ गरजी अपने मतलब के,
प्रीत की रीति न जानत जबके
अब प्रतीत हो फेर फेर ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

			म प
			ब ति
म ग म ग॒	ग॒ रे सा रे	प – म प	– प, प ध
याँ ऽ न ब	ना ओ मो से	फे ऽ र फे	ऽ र, अ ब
०	३	×	२
नि॒ सां सां नि॒	ध नि॒ ध प	प ध प ग॒	– रे
जा ऽ न लि	यो ऽ तो रे	जि या में फे	ऽ र
०	३	×	२

अन्तरा

– म म म	प – नि नि	सां – सां सां	सां सां सां –
ऽ हौ ग र	जी ऽ अ प	ने ऽ म त	ल ब के ऽ
०	३	×	२
सां नि सां सां	रें गं॒ गं॒ रें	सां – नि सां	नि सां नि॒ नि॒
प्री ऽ त की	री ऽ ति न	जा ऽ न त	ज ब के ऽ
०	३	×	२
ध नि॒ नि॒ ध	– म प प	ध ध प ग॒	– रे
क ब प्र ती	ऽ ति हो ऽ	फे ऽ र फे	ऽ र
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१११

गूँजे गूँजे सखी भँवरा भौंरि
चकोर मोर शोर चहुँ ओर
घोर घिरे घन घिरे घन कारे
अँधियारे भारे भारे बारि वारे ।

गर गर गरज बरस घन
दौर दौर दामिनि दमके और
बहै बैरी बहै बैरी पुरवा कठोर
नीद आवे न निशा रे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-काफी : ताल-त्रिताल

स्थाई

सा नि़
गूँ जें

सा ग रे ग	- म प म	प - प म	प ध नि नि
गूँ जें स खी	ऽ भँ व रा	भौं ऽ रि च	को र मो र
०	३	×	२
ध प म प	म ग रे रे	रे रे नि नि	ध प म प
शो र च हुँ	ओ र घो र	घि रे घ न	घि रे घ न
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
का रे अँ धि	या रे, भा रे	भा रे बा रि	बा रे,
०	३	×	२

अन्तरा

म म म म	प प प नि	नि नि सां सां	सां नि सां सां
ग र ग र	ग र ज ब	र स घ न	दौ र दौ र
०	३	×	२
सां सां सां नि	नि ध ध प	म म नि नि	ध प म प
दा मि नि द	म के औ र	ब है बै री	ब है बै री
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
पु रु वा क	ठो र, नीं द	आ वे न नि	शा रे,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११२

कैसे कैसे सखी चँचल नैन
रसीली रंगभरी मदमाती छवि
गति गोये गति गोये चपला—
चितौन छल मौन अँखियाँ ।

खंजन मधुप मीन मृग दृग सों विशाल
ललन पिया निहाल
प्यारी प्यारी सैन बान
न्यारी छविदारी मन मोहि रखियाँ ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-काफी : ताल-त्रिताल

स्थाई

सा नि़
कै से

सा रे रे ग	– म प म	प – – म	प ध नि नि
कै से स खी	ऽ चैं च ल	नै ऽ न, र	सी ली रं ग
०	३	×	२
ध प म प	म ग रे रे	रे रे नि नि	ध प म प
भ री म द	मा ती छ वि	ग ति गो ये	ग ति गो यं
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
च प ला चि	तौ न, छ ल	भौ न अँ खि	याँ ऽ,
०	३	×	२

अन्तरा

म म प ध	नि नि सां सां	रें गं रें सां	सां नि सां सां
खं ज न म	धु प मी न	मृ ग दृ ग	सों वि शा ल
०	३	×	२
सां नि सां नि	नि ध ध प	म म नि नि	ध प म प
ल ल न पि	या नि हा ल	प्या री प्या री	सैं न बा न
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे,
न्या री छ वि	दा री, म नं	मो हि र खि	याँ ऽ,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११३

कैसी कैसी करूँ आयो बसंत
भवन नहि कंत हमारे
जागो आली जागो आली
अँग अनंग दूजे बिरहा बिथा रे ।

निशि दिन तरफ तरफ भई बावरी सी
लागी तन दावरी सी
कैसे पाऊँ कैसे पाऊँ
ललन पियारे
मन मोहन दुलारे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

सा नि॒
कँ सी

सा ग रे ग	– म प म	प – –, म	प ध नि नि
कै सी क रूँ	ऽ आ यो व	सं ऽ त, भ	व न न हिं
०	३	×	२
ध – प प	म ग रे –	रे रे नि नि	ध प म प
कं ऽ त ह	मा ऽ रे ऽ	जा गो आ ली	जा गो आ ली
०	३	×	२
म ग प म	– म, ग रे	सा रे ग म	ग रे ,
अँ ग अ नं	ऽ ग, दू जे	बि र हा बि	था रे ,
०	३	×	२

अन्तरा

म म म म	प प प नि	नि नि सां सां	सां नि सां सां
नि शि दि न	त र फ त	र फ भ ई	बा व री सी
०	३	×	२
सां नि सां नि	ध ध प प	म म नि नि	ध प म प
ला गी त न	दा व री सी	कै से पा ऊँ	कै से पा ऊँ
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे ,
ल ल न पि	या रे, म न	मो ह न दु	ला रे ,
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११४

आयी-आयी सखी बरषा बैरी
उमड़ घन घुमड़ गरज रहे,
थरर थोम्ब दिर दिर नारे ता ना नारे
बाजें इन्दर नगारे।

गरज गरज गर गर बरष घोर
चले पुरवाई जोर
हरे भये हरे भये विटप नियारे
उगी नयी नयी डोर॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थाई

			सा नि़
			आ यी
सा ग रे ग	– म प म	प – प म	प ध नि नि
आ यी स खी	ऽ ब र षा	बै ऽ री उ	म ड़ घ न
०	३	×	२
ध प म प	म ग रे रे	रे रे नि –	ध प प प
घु म ड़ ग	र ज र हे	थ र र थों	ऽ म्ब दिर दिर
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे ,
ना रे ता ना	ना रे, बा जें	इ न्द र न	गा रे ,
०	३	×	२

अन्तरा

म म म प	प प नि नि	नि नि सां सां	सां सां – सां
ग र ज ग	र ज ग र	ग र ब र	ष घो ऽ र
०	३	×	२
सां सां नि नि	ध ध प प	म म नि नि	ध प म प
च ले पु र	वा ई जो र	ह रे भ ये	ह रे भ ये
०	३	×	२
म ग म प	म म, ग रे	सा रे ग म	ग रे
बि ट प मि	या रे उ गी	न यी न यी	डा रे
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११५

घिरे घिरे घन गगन कारे
पपीहा पिया पिया धुनि धारे
आली, घर नाहिं घर नाहिं बलम हमारे
तन अतन जगारे ।

पिया बिन दुखदायी
ऋतु बरषा की आयी
बैरिन हमें न भायी
कैसे पाऊँ कैसे पाऊँ ललन पियारे
मन मोहन हमारे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–काफी : ताल–त्रिताल

स्थायी

सा नि
धि रे

सा रे – ग	ग म प म	प – प, म	प ध नि नि
धि रे ऽ ध	न ग ग न	का ऽ रे, प	पी हा पि या
०	३	×	२
ध प म प	म ग रे रें	रें रें नि नि	ध प म प
पि या धु नि	धा रे आ ली	घ र ना हीं	घ र ना हीं
०	३	×	२
ग ग म प	म म ग रें	सा रे ग म	ग रें
ब ल म ह	मा रें त न	अ त न ज	गा रे
०	३	×	२

अन्तरा

म म प ध	नि नि सां सां	रें गं रें सां	रें नि सां सां
पि य वि न	दु ख दा यी	ऋ तु व र	षा की आ यी
०	३	×	२
सां सां नि नि	नि ध ध प	म म नि नि	ध प म प
वै र नि ह	में न भा यी	कै से पा ऊँ	कै से पा ऊँ
०	३	×	२
म ग म प	म म ग रे	सा रें ग म	ग रें
ल ल न पि	या रे म न	मो ह न दु	ला रें
०	३	×	२

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११६

छाँड़ों जी छाँड़ो जी मोरा अचरा कन्हाई रे
काहे कुटिल मग में रार बढ़ाई रे।

कहे की करो न कानि
नीकी ये न तोरी बानि
कहाँ से सीखे हो कान्ह
नोखी चतुराई रे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–माँझ काफी (लखनवी धुन) : ताल–त्रिताल

स्थाई

	म ग म प	म ग म म	ग॒ रे सा रे
	छाँ ड़ों जी छाँ २	ड़ो जी मो रा ०	अँ च रा क ३
प म प –,	म ध ध प	ध नि॒ ध सां	सां नि॒ नि॒ ध
म्हा ई री ऽ, ×	का हे को कु २	टि ल म ग ०	में रा र ब ३
प म प –			
ढ़ा ई रे ऽ ×			

अन्तरा

	म म म प	प प नि नि	सां सां सां सां
	क हे की क २	रो न का नि ०	नी की ये न ३
सां नि सां सां	सां रें गं॒ गं॒	रें सां सां नि	सां, सां नि॒ नि॒
तो री बा न ×	क हाँ से सी २	खे हो का ऽ ०	न्है, नो खी च ३
ध प म प			
तु रा ई रे ×			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११७

चलो हटो जाओ काहे करत ढिठाई रे
मानत नाहिं रे मोरी तनक कन्हाई रे।

नीर न भरन देत बैयाँ मोरी गहि लेत
छाँड़ो जी छाँड़ो जी मोरी मुरकी कलाई रे ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–माँझ काफी (लखनऊ) : ताल–त्रिताल

स्थाई

	म ग म प	म ग म म	ग॒ रे सा।
	च लो ह टो	जा ओ का हे	क र त ढि
	२	०	३
प म प –,	प ध नि॒ सां	नि॒ सां नि॒ ध	प ध॒ प म
ठा ई रे ऽ,	मा न त ना	हिं रे मो री	त न क क
×	२	०	३
ग म ग॒ रें	रे ग॒ म प		
न्हा ई रे ऽ,	च लो ह टो		
×	२		

अन्तरा

	म म म म	प प नि नि	सां सां सां सां
	नी र न भ	र न दे त	बै याँ मो री
	२	०	३
सां नि सां सां	रें ग॒ं ग॒ं रें	रें सां रें नि॒	नि॒ ध प ध
ग हि ले त	छाँ ड़ो जी छाँ	ड़ो जी मो री	मु र की क
×	२	०	३
प म प –,			
ला ई रें ऽ,			
×			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

११६

तिहारी चितवन चितचोरन लाल
रंगीली, गज गति मराल
चपला सी चाल
चितवन चितचोरन लाल ।

मदन भरी मूरत अलबेली
अँग अँग प्रभा अनूप नवेली
भ्रकुटि कुटिल घुंघराले बाल
चितवन चितचोरन लाल ॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–माँझ काफी (खमाज) : ताल–त्रिताल

स्थाई

										,	म	प	प	म	ग
										,	ति	हा	री	चि	त
												२			
म	–	ग॒	रे	रे	ग॒	म	म	प	–	प,	म	प	ध॒	प	म
ब	न	चि	त	चो	ऽ	र	न	ला	ऽ	ल,	ति	हा	री	चि	त
०				३				×				२			
मग	पम	ग॒	रे	रे	ग॒	म	म	प	–	प,	प	प	म	ध	ध
बऽ	नऽ	चि	त	चो	ऽ	र	न	ला	ऽ	ल,	रं	गी	ली	ग	ज
०				३				×				२			
ध	ध	प	नि॒	ध	नि॒	प	ध	सां	नि	रेंसां	नि॒	ध	प,	प	प
ग	ति	म	रा	ऽ	ल	च	प	ला	ऽ	सीऽ	चा	ऽ	ल	चि	त
०				३				×				२			
म	म	ग॒	रे	रें	ग॒	म	म	प	–	प					
व	न	चि	त	चो	ऽ	र	न	ला,	ऽ	ल					
०				३				×							

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अन्तरा

प म म प	प – नि नि	सां सां सां सां	सां – सां –
म द न भ	री ऽ मू ऽ	र त अ ल	वे ऽ ली ऽ
०	३	×	२
नि सां रें गं	गं रें – सां	सां नि सां सां	नि ध प –
अँ ग अँ ग	प्र भा ऽ अ	नू ऽ प न	वे ऽ ली ऽ
०	३	×	२
प म म ध	ध ध सां रेंसां	सा नि ध नि	ध प, ध प
भ्र कु टि कु	टि ल घुँ घऽ	रा ऽ ले बा	ऽ ल, चि त
०	३	×	२
मग पम ग रे	रे ग म म	प – प,	
बऽ नऽ चि त	चो ऽ र न	ला ऽ ल,	
०	३	×	

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२०

कैसा मुरारि कैसा मुरारि
ठठोली करत पनघट की गैल
मोसों बरजोरी कर
मटकी दीन्हीं डार।

मानत नहिं बरजो ढीठ
नंद को ललन ऐसो
तैं तो निडर लजत नाहिं
करत रार बार बार
अचरा पकर बैयाँ गहत
नैन डार सैन मार॥

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-गारा : ताल-त्रिताल

स्थाई

सा रे नि़ सा	- रे ग म	ग - रे ग॒	- रे, सा रे
कै सा मु रा	ऽ रि कै ऽ	सा ऽ मु रा	ऽ रि, कै ऽ
०	३	×	२
रे सा नि़ सा	- सा ग म	ग - - रे	रे - ग॒ रे
सा ऽ मु रा	ऽ रि कै ऽ	सा ऽ ऽ मु	रा ऽ रि ऽ
०	३	×	२
सा रे सा नि॒	ध़ ध़ प़ म़	ध़ ध़ नि॒ सा	- नि़ सा सा
ठ ठो ली क	र त प न	घ ट की गै	ऽ ल मो सों
०	३	×	२
सा सा ग ग	ग ग म प	म - ग -	रे ग॒ - रे
ब र जो री	क र म ट	की ऽ दी ऽ	न्ही डा ऽ र
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अंतरा

								–	म	ग	म	ग	ग	म	म
								ऽ	मा	न	त	न	हिं	ब	र
								×				२			
प	–	–	म	–	म	ध	ध	नि	नि	ध	नि	सां	नि	सां	सां
जो	ऽ	ऽ	ढी	ऽ	ठ	नं	द	को	ल	ल	न	ऐ	ऽ	सो	ऽ
०				३				×				२			
सां	–	रें	ग	रें	सां	सां	नि	सां	नि	–	ध	नि	ध	प	म
तैं	ऽ	तो	नि	ड	र	ल	ज	त	ना	ऽ	हिं	क	र	त	रा
०				३				×				२			
–	म	ग	–	म	प	–	प	म	ग	रे	ग	रे	सा	रे	–
ऽ	र	वा	ऽ	र	वा	ऽ	र	अ	च	रा	प	क	र	बै	ऽ
०				३				×				२			
सा	नि	ध़	ध़	नि़	सा	नि़	सा	–	सा,	ग	म	ग	रे	ग	रे
याँ	ग	ह	त	नैं	ऽ	न	डा	ऽ	र,	सैं	ऽ	न	मा	ह	र
०				३				×				२			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२१

नैनों दी मार नैनों दी मार
सलोनी, सैन कन्हैया डार गयो–
मोहनियाँ मोपै ।

नींद आवत नहिं नंद ललन बिन
कासे कहूँ बिथा अपनी जाय
सांच कहूँ सखि तो पै ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गारा : ताल–त्रिताल

स्थाई

सा रे नि़ सा	सा रे ग म	ग – ग, ग	रे ग ग रे
नै नों दी मा	र नै नों दी	मा ऽ र, स	लो नी सै न
०	३	×	२
सा रे नि़ सा	सा, ग रे ग	– म ग –	– ग, ग रे
नै नों दी मा	र, नै ऽ नों	ऽ दी मा ऽ	ऽ र, नै ऽ
०	३	×	२
सा रे नि़ सा	सा रे ग म	ग –, ग रे	ग ग – रे
नों ऽ दी मा	र नै नों दी	मा र स लो	नी सै ऽ न
०	३	×	२
सा रे नि़ सा	सा, रे ग म	ग – ग, ग	रे ग ग रे
नै नों दी मा	र नै नों दी	मा ऽ र, सा	लो नी सै न
०	३	×	२
सा नि़ सा रे	सा नि – ध़	म़ म़ ध नि	सा नि़ सा सा
क न्है ऽ या	ऽ डा ऽ र	ग यो मो ह	नि याँ मो पै
०	३	×	२

अन्तरा

		म़ – ग म	प प प प
		नीं ऽ द आ	व त न हिं
		×	२
म म ध ध	नि नि सां सां	सां – सां –	नि नि नि ध
नं ऽ द ल	ल न ब्रि न	का ऽ से ऽ	क हुँ बि था
०	३	×	२
ध प म म	म ग म प	– प म ग	रे ग ग रे
ऽ अ प नी	जा ऽ य सां	ऽ च क हुँ	ज खि तौ पै
०	३	×	२

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२२

काहे डगरिया में मुहिंका छेरे
नंद को ढीठ कन्हैया
लाज न आवत तुहिंका
डगरिया में मुहिंका छेरे ।।

तुहि न नोखो यशुदा को ललन प्रिय
बरजोरी तोरी न जावाति
सुहावत मुहिं नाहिं
वाही रे वाही रे बृजबासिन सों
जा अटकु चटकु मटकु
न मनमथ मद मेरे
डगरिया में मुहिंका छेरे ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–गारा : ताल–त्रिताल

स्थाई

			सा रे ग॒ रे
			का ऽ हे ऽ
			२
सा नि़ सा सा	नि़॒ ध़ प़ ध़	नि़ – सा –	सा ग – ग
ड ग रि या	में मु हिं का	छे ऽ रे ऽ	नं ऽ द को
०	३	×	२
म ग म प	– प, प –	प म ग म	ग रे ग॒ रे
ढी ठ क न्है	ऽ या ला ऽ	ज न आ व	त तु हिं का
०	३	×	२
सा नि़॒ सा सा	नि॒ ध़ प़ ध़	नि़ – सा –	
ड ग रि या	में मु हिं का	छे ऽ रे ऽ	
०	३	×	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अन्तरा

						,	ध	ध़	नि़॒	सा	नि़	सा	–	सा	सा
						,	तु	हि	न	नो	ऽ	खो	ऽ	य	श
								×				२			
ग	–	ग	ग	ग	ग	म	ग	म	म	प	–	प	–	प	प
दा	ऽ	को	ल	ल	न	प्रि	य	व	र	जो	ऽ	री	ऽ	तो	री
०				३				×				२			
म	ध	ध	ध	ध	नि॒	नि॒	ध	सां	नि	सां	सां	सां	नि	रें	सां
न	जा	व	ति	सु	हा	व	त	मु	हिं	ना	हिं	वा	ही	रे	वा
०				३				×				२			
नि॒	ध	–	ध	नि॒	नि॒	ध	प	प	–	म	–	ग	ग	ग	ग
ही	रे	ऽ	बृ	ज	वा	सि	न	सौं	ऽ	जा	ऽ	अ	ट	कु	च
०				३				×				२			
ग	ग	म	म	म	प	प	प	म	ग	म	ग	रे	ग॒	ग॒	रे
ट	कु	म	ट	कु	न	म	न	म	थ	म	द	मे	ऽ	रे	ऽ
०				३				×				२			
सा	नि॒	सा	सा	नि़॒	ध़	प़	ध	नि़	–	सा	–				
ड	ग	रि	या	में	मु	हिं	का	छे	ऽ	रे	ऽ				
०				३				×							

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२३

आज संवरिया ने लाज लीन्हीं
वृन्दावन कुंजन डगर
चलत मुहिंका गारी दीन्हीं
संवरिया ने लाज लीन्हीं ।

जल भरन जात यमुना तट—
बीच मिलो
मुहिं श्री नागर नट लपट—
झपट कर
मटुकी पटक चट
नंद ललन मोसे रार कीन्हीं
संवरिया ने लाज लीन्हीं ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग-गारा खम्बावती : ताल-त्रिताल

स्थाई

													ग॒	–	रे
													आ	ऽ	ज
सा	नि़	सा	नि॒	नि॒	ध	प़	ध़	सा	नि़	सा	–	–,	ग	–	रे
सं	व	रि	या	नं	ला	ऽ	ज	ली	ऽ	न्हीं	ऽ	ऽ,	आ	ऽ	ज
०				३				×				२			
सा	नि़	सा	नि॒	नि॒	ध़	प़	ध़	सा	नि़	सा	–	सा	ग	ग	ग
सं	व	रि	या	ने	ला	ऽ	ज	ली	ऽ	न्हीं	ऽ	वृ	न्दा	व	न
०				३				×				२			
म	ग	म	प	प	प	म	प	म	ग	म	ग	रे	ग॒	ग॒	रे
कुं	ज	न	ढ	ग	र	च	ल	त	मु	हिं	का	गा	री	दी	न्हीं
०				३				×				२			
सा	नि़	सां	नि॒	नि॒	ध़	प़	ध़	मा	नि़	सा	–				
सं	व	रि	या	ने	ला	ऽ	ज	ली	ऽ	न्हीं	ऽ				
०				३				×							

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अन्तरा

												सा	सा	ग	ग
												ज	ल	भ	र
												२			
ग	म	म	ग	म	प	प	प	प	प	प	प	प	ध	नि̱	नि̱
न	जा	त	य	मु	ना	त	ट	बी	च	मि	लो	मु	हिं	श्री	ना
०				३				×				२			
ध	ध	सां	सां	नि	सां	सां	सां	नि̱	नि̱	ध	नि̱	ध	प	म	—
ग	र	न	ट	ल	प	ट	झ	प	ट	क	र	म	टु	की	ऽ
०				३				×				२			
ग	म	ग	म	म	प	प	म	ग	म	म	ग	रे	ग̱	ग̱	रे
प	ट	क	च	ट	नं	द	ल	ल	न	मो	से	रा	र	की	न्हीं
०				३				×				२			
सा	ऩि	सा	ऩि̱	ऩि̱	ध़	प़	ध़	सा	ऩि	सा	—				
सं	व	रि	या	ने	ला	ऽ	ज	ली	ऽ	न्हीं	ऽ				
०				३				×							

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri
Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२४

मन मनसा मानी जौन मोरी रे

सुन बिधना साईं सुखदा मिलै मुहिंका
ये आशा निशिदिन माँगू तोसे बरहूँबार
हाँ, अपनी जानियो मैंका रे दास ।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

राग–हिंडोल : ताल–त्रिताल

स्थाई

			ग ग म॑ ध
			म न म न
			३
सां – सां नि	ध – म॑ ग	– सा – सा	
सा ऽ मा नी	जौ ऽ न मो	ऽ री ऽ रे	
×	२	०	

अन्तरा

			ग ग मं॑ ध
			सु न बि ध
			३
सां – सां नि	ध म॑ म॑ नि	ध म॑ ग ग	म॑ ग – सा
ना ऽ सा ईं	सु ख दा मि	लैं मु हिं का	ये आ ऽ शा
×	२	०	३
नि॒ सा म॑ ग	म॑ ध नि ध	म॑ ग म॑ ध	नि सां गं गं
नि शि दि न	माँ गू तो से	व र हूँ वा	र हाँ अ प
×	२	०	३
सां सां सां ध	म॑ – म॑ ग	– सा – सा,	
नी जा नि यो	मैं ऽ का रे	ऽ दा ऽ स,	
×	२	०	

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

१२५

सुघर सुघर रंग रस भरी रे
बन ठन बनि आयी अलबेली
आली अनुपम साज सजे
सुख समाज गोद मोद लीन्हों
मानो नवल नारि
जो वाकी आगुरी रे।

गोरे गोरे गात गबीली गंभीर
गुनवान गोरिया गजब गज गामिनी,
गयन्द मंद हँसन माधुरी महान
अमृत झरि बरसीली झरीली सुमन
मृदुल वोलन नंद ललन जीवन प्रान
सिन्धु चातुरी रे।।

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

राग–हिंडोल : ताल–त्रिताल

स्थाई

	सां सां सां सां	नि ध म॑ --	ग म॑ म॑, ध
	सु घ र सु	घ र रं ऽ	ग र स, भ
	२	०	३
सां -- सां --	सां सां गं गं	सां सां सां --	सां ध ध नि
री ऽ रे ऽ	ब न ठ न	ब नि आ ऽ	यी अ ल बे
×	२	०	३
-- ध म॑ --	ग -- म॑ म॑	ग म॑ ग –	ग सा -- सा
ऽ ली आ ऽ	ली ऽ अ नु	प म सा ऽ	ज सा ऽ जे
×	२	०	३
ध़ ध़ ध़ सा	-- सा ग --	ग सा – सा	ग -- म॑ –
सु ख स मा	ऽ ज गो ऽ	द मो ऽ द	ली ऽ न्हें ऽ
×	२	०	३
म॑ म॑ ग ग	ग सा -- सा	सा – ग –	ग म॑ – ध
मा ना न व	ल ना ऽ रि	जो ऽ वा ऽ	की आ ऽ गु
×	२	०	३
सां -- सां --			
री ऽ रे ऽ			
×			

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

अन्तरा

म॑	-- म॑ ध ध	सां -- सां सां	सां सां सां गं
गो	ऽ रे गो रे	गा ऽ त ग	बी ली गं ऽ
	२	०	३
गं -- गं गं	सां सां -- सां	नि ध सां --	सां सां सां सां
भी ऽ र गु	न वा ऽ न	गो रि या ऽ	ग ज ब ग
×	२	०	३
ध ध म॑ ग	म॑ ग -- सा	सा -- सा, ध़	ध़ ध़ सा --
ज गा मि नि	ग य ऽ न्द	मं ऽ द हँ	स न मा ऽ
×	२	०	३
सा सा सा ग	-- ग ग म॑	ग ग म॑ म॑	ध ध सां --
धु री म हा	ऽ न अ ऽ	मृ त झ रि	व र सी ऽ
×	२	०	३
गं -- म॑ ग	गं सां सां सां	सां सां सां ध	ध ध म॑ --
ली ऽ झा री	ली सु म न	मृ दु ल बो	ल न नं ऽ
×	२	०	३
म॑ ग ग ग	सा सा सा ग	-- ग म॑ --	ग म॑ -- ध
द ल ल न	जी व न प्रा	ऽ न सि ऽ	न्धु चा ऽ तु
×	२	०	३
सां -- सां --,	सां सां सां सां	नि ध म॑ --	ग म॑ म॑ ध
री ऽ रे --,	सु घ र सु	घ र रं ऽ	ग र स भ
×	२	०	३
सां -- सां --			
री ऽ रे ऽ,			
×			

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi

CC0. In Public Domain, Digitizagtion by eGangotri

Dr. Urmila Sharma Collection, Varanasi